धनबाद
रविवार 02.03.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-11 पृष्ठ- 12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-3
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

दुनिया का केंद्र बन चुका है 21 सदी का भारत : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नेक्स्ट कॉन्क्लेव (एनएक्सटी) २०२५ को संबोधित करते हुए कहा कि २१ सदी का भारत अब दुनिया का केंद्र बन चुका है।

इसी के साथ उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक प्रगति और प्रशासनिक सुधारों पर जोर दिया और कहा, भारत अब हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ देश बन चुका है। उन्होंने महाकुंभ २०२५ का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रयागराज में करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया और पूरी दुनिया इस अद्भुत आयोजन को देखकर हैरान रह गई। इसके अलावा, उन्होंने भारत के लोकतांत्रिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि ६० साल बाद पहली बार कोई सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है।

फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा भारत

इसी बीच पीएम मोदी ने भारत की स्थानीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग और आयुर्वेद दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुके हैं। भारत के सुपरफूड्स, मखाने और श्रीअन्न (मिलेट्स) अब वैश्विक बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी निर्यातक बन चुका है। दशकों तक भारत को बैक ऑफिस कहा जाता था, लेकिन अब भारत फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा है।

पुराने कानूनों को खत्म करने पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले १० वर्षों में १,५०० से अधिक अप्रासंगिक और पुराने कानून खत्म किए हैं। इनमें से कई कानून अंग्रेजों के जमाने के थे, जो आज के दौर में पूरी तरह बेकार हो चुके थे।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले बांस को पेड़ माना जाता था, जिससे उसे काटने पर कानूनी प्रतिबंध था। लेकिन उनकी सरकार ने यह नियम बदल दिया जिससे अब पूर्वोत्तर भारत के आदिवासी समुदायों को बड़ा फायदा मिल रहा है।

विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों पर निशाना

पीएम मोदी ने अपने भाषण में राजनीतिक-विश्लेषकों और कथित बुद्धिजीवियों पर निशाना साधा और कहा, कि मुझे उस समय की सरकार और नेताओं से कुछ कहना नहीं है, लेकिन मुझे ज्यादा आश्चर्य लुटियंस जमात और खान मार्केट गैंग पर हो रहा है। ये लोग ७५ साल तक इन पुराने कानूनों पर चुप क्यों थे? हमारी सरकार ने गुलामी के कालखंड के कानूनों को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में भारत में प्रशासनिक सुधार हुए हैं, जिससे कर-प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया है। पहले जहां आयकर रिटर्न दाखिल करने में महीनों लगते थे, वहीं अब रिफंड कुछ ही दिनों में मिल जाता है।

मणिपुर मामले को लेकर गृह मंत्री ने राज्यपाल, सेना और अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों के साथ की बैठक

8 मार्च से लोग कहीं भी आ-जा सकेंगे

इंफाल (ईएमएस): गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मणिपुर के हालात पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान शाह ने सड़कें ब्लॉक करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्री ने ८ मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है।

मई २०२३ से जारी हिंसा के बाद मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों ने अपने-अपने इलाकों की सड़कों पर बाड़ेबंदी कर रखी है। इसका मकसद अन्य समुदाय के लोगों को अपने इलाके में आने से रोकना है। गृह मंत्री ने इस तरह का ब्लॉकेज खत्म करने के आदेश दिए हैं।

राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह पहली समीक्षा बैठक थी। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने ९ फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मणिपुर में १३ फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। मीटिंग में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मणिपुर सरकार के शीर्ष अधिकारी, सेना और अर्धसैनिक बलों के अधिकारी शामिल थे।

हथियार सरेंडर करने की समय सीमा बढ़ी

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उग्रवादियों से हथियार सरेंडर करने की समय सीमा ६ मार्च शाम ४ बजे तक बढ़ा दी। २० फरवरी से अब-तक ३०० से ज्यादा हथियार सरेंडर किए जा चुके हैं। इनमें मैतेई ग्रुप अरम्बाई टेंगोल के सरेंडर किए गए २४६ हथियार शामिल हैं। २० फरवरी को भल्ला ने सभी समुदायों के लोगों, विशेष रूप से घाटियों और पहाड़ियों में रहने वाले लोगों से अनुरोध किया था कि वे लूटे गए हथियार और गोला-बारूद को नजदीकी पुलिस थानों, चौकियों या सुरक्षा बलों के शिविर में सरेंडर कर दें।

झारखंड में अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी, डीजीपी ने मांगी सूची

रांची (एजेंसी): झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों और इकाइयों से गैर-अनुशासित पुलिसकर्मियों की सूची मांगी है। यह कदम पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन बनाए रखने और सुधार की दिशा में उठाया गया है। डीजीपी ने शनिवार को इस संबंध में एक आदेश जारी किया, जिसके तहत सभी जिलों और इकाइयों को अनुशासनहीन पुलिस अफसरों और कर्मियों की सूची पुलिस मुख्यालय को भेजने का निर्देश दिया गया है। डीजीपी स्तर से इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी द्वारा जारी आदेश में पुलिस विभाग के कर्मचारियों के बारे में सात महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है। इनमें मुख्य रूप से नागरिकों, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने वाले, अपराधियों से संबंध रखने वाले, कर्तव्य से भागने वाले, शराब पीने की आदत वाले और भ्रष्टाचार में लिप्त पुलिसकर्मी शामिल है।

पूर्व में कार्रवाई किए गए पुलिस अफसर और कर्मी : जो आम नागरिकों और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में कार्रवाई का शिकार हो चुके हैं।

जमीन माफिया और आपराधिक व्यक्तियों से संबंध : जिनके आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होने के संकेत मिले हैं।

कर्तव्य से भागने वाले पुलिस अफसर : जो ड्यूटी से गायब रहते हैं और कर्तव्य पालन में लापरवाह होते हैं।

शराब पीने वाले पुलिस कर्मी : जो ड्यूटी के दौरान शराब पीते हैं।

अवकाश पर देर से लौटने वाले: वे पुलिस अफसर और कर्मी जो बिना किसी कारण के अपनी छुट्टियों की समय सीमा बढ़ा देते हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार : जिनके खिलाफ वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप हैं।

भ्रष्टाचार से जुड़े पुलिसकर्मी: जो भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं या जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं।

इस आदेश के बाद राज्य भर में पुलिसकर्मियों के अनुशासन की कड़ी जांच शुरू हो गई है। डीजीपी स्तर से अनुशासनहीन कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम राज्य पुलिस बल के कार्यकुशलता को बेहतर बनाने और विभाग में व्याप्त अनुशासनहीनता को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

500 जवानों ने बड़े नक्सलियों को चारों तरफ से घेरा, मुठभेड़ में 2 नक्सली ढेर

सुकमा (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में जवानों ने २ नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें एक महिला और एक पुरुष नक्सली है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। मारे गए नक्सलियों को मिलाकर २०२५ में ८३ नक्सली ढेर हुए हैं। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बड़े लीडर्स से मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। बताया जा रहा है कि किस्टाराम इलाके में कोबरा, डीआरजी और जिला बल के करीब ५०० जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इसके पहले जवानों ने बीजापुर में ९ फरवरी को जवानों ने ३१ नक्सलियों को मार गिराया था। सभी ३१ के शव रिकवर कर लिए गए थे। मुठभेड़ में २ जवान भी शहीद हुए थे। मुठभेड़ बीजापुर के इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में हुई थी। इस साल का ये सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन था।

हरियाणा पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री सैनी का एक्शन, 4 डीएसपी समेत 25 पुलिस कर्मी सस्पेंड

चंडीगढ़ (ईएमएस): हरियाणा बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने तुरंत कार्यवाही करते हुए सरकारी स्कूलों के ४ निरीक्षकों और निजी स्कूल के १ निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

हरियाणा बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक के मामले को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गंभीरता से लिया है। सरकारी स्कूलों के ४ निरीक्षकों और निजी स्कूल के १ निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है. इसके अलावा चार डीएसपी समेत २५ पुलिस अधिकारी भी सस्पेंड किए गए हैं। पेपर लीक के मामले पर मुख्यमंत्री ने कहा, हमने इस मामले को गंभीरता से लिया है। सरकारी स्कूलों के ४ निरीक्षकों और निजी स्कूल के १ निरीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सरकारी स्कूलों के सभी चार निरीक्षकों- गोपाल दत्त, शौकत अली, रकीमुद्दीन और प्रीति रानी को निलंबित कर दिया गया है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, हमने २ केंद्र पर्यवेक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की है, संजीव कुमार और सत्यनारायण को भी निलंबित कर दिया गया है। ४ बाहरी लोगों और ८ छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले की जांच चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जांच में हमने २५ पुलिस अधिकारियों को दोषी पाया है। सभी २५ पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं, जिनमें ४ डीएसपी और ३ एसएचओ शामिल हैं। इस तरह की घटना उनके क्षेत्र में हुई है, सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है, क्योंकि हमारी सरकार इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है और हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

नूंह जिले में हरियाणा बोर्ड परीक्षाओं के पेपर लीक की यह दूसरी घटना है, जिससे शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को पुनहाना स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में १०वीं कक्षा के गणित विषय का पेपर लीक हो गया।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 6 रू. तक महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस): नया महीना यानी मार्च अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। शनिवार से १९ किलो वाला कॉमर्शियल सिलेंडर ६ रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत ६ रुपए बढ़कर १८०३ रुपए हो गई। पहले ये १७९७ रुपए में मिल रहा था।

सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार किए 5 उग्रवादी

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के कांगपोकपी और कामजोंग जिलों से सुरक्षा बलों ने ५ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कांगपोकपी के बिमपराओ से गिरफ्तार किए गए ४ लोग बैन कुकी नेशनल फ्रंट के लिए काम कर रहे थे। इससे पहले शुक्रवार को कामजोंग जिले के कुलतूह गांव (भारत-म्यांमार सीमा के पास) से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को भी पकड़ा था।

अब पासपोर्ट के लिए बर्थ सर्टिफिकेट ही जन्मतिथि का प्रमाण माना जाएगा

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने पासपोर्ट बनवाने वालों के लिए नियमों में संशोधन किया है। नए संशोधनों के मुताबिक अब १ अक्टूबर २०२३ को या उसके बाद पैदा हुए आवेदकों के लिए सरकारी और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा जारी किया गया बर्थ सर्टिफिकेट ही जन्मतिथि का एकमात्र प्रमाण होगा। इसके न होने की स्थिति में जन्म तिथि को सही नहीं माना जाएगा। केंद्र सरकार ने इस सप्ताह १९८० के पासपोर्ट नियमों में संशोधनों को प्रभावी करते हुए एक आधिकारिक नोट जारी किया था। इस नोट में बताया गया था कि संशोधनों के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद नए नियम लागू हो जाएंगे। इन नए नियमों के मुताबिक १ अक्टूबर २०२३ को या उसके बाद पैदा हुए लोगों की जन्म तिथि के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे। यह जन्म प्रमाण पत्र किसी जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार, नगर निगम या जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, १९६९ के तहत शक्ति प्राप्त किसी उपयुक्त अधिकारी द्वारा जारी होने चाहिए। इसके अलावा इस तय तारीख के पहले के आवेदक पुरानी प्रणाली के हिसाब से जन्म तिथि प्रमाण पत्र के रूप में वैकल्पिक दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस या स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र भी जमा करा सकते हैं।

शिकायतकर्ता महिला है और उसका हर बयान सत्य मान लेना, यह सही नहीं

हाईकोर्ट ने कहा- आरोप झूठे तो पुलिस शिकायतकर्ता पर भी कर सकती है कार्रवाई

केरल (ईएमएस): केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि आपराधिक मामलों, खासकर यौन अपराधों में यह मान लेना कि शिकायतकर्ता का हर बयान सत्य है, तो यह गलत है। कोर्ट ने यह कहा कि वर्तमान समय में ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने एक महिला कर्मचारी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के दौरान सुनवाई में यह बात कही। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी की शिकायत की जांच नहीं की जिसमें उसने कहा था कि नौकरी से निकाले जाने के बाद महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दी थीं।

कोर्ट ने कहा कि एक आपराधिक मामले की जांच का मतलब केवल शिकायतकर्ता के पक्ष की जांच नहीं है, बल्कि आरोपी के मामले की भी जांच की जानी चाहिए। केवल शिकायतकर्ता महिला है यह मान लेना कि उसका हर बयान सत्य है, यह सही नहीं है। पुलिस केवल उसके बयान के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। आरोपी के मामले को भी गंभीरता से जांचना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आजकल यह प्रवृत्ति बन गई है कि महिलाओं द्वारा पुरुषों पर यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे होते हुए भी उन्हें फंसा दिया जाता है। यदि पुलिस यह पाती है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप झूठे थे तो वह शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। ऐसा कानून भी कहता है।

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को झूठे आरोपों में फंसाया जाता है तो उसका नाम, समाज में प्रतिष्ठा और स्टेटस को नुकसान हो सकता है। केवल पैसे या मुआवजे से उसे वापस हासिल नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को सच की जांच में सतर्क और चौकस रहने की सलाह दी, ताकि अपराध मामलों की जांच के दौरान किसी निर्दोष व्यक्ति को सजा या नुकसान न हो।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव के बीच हुई झड़प में बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजाला (ईएमएस): भारत-बांग्लादेश सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में २८ फरवरी को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और घुसपैठियों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक बीएसएफ जवान और एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया।

जानकारी अनुसार घटना शाम ७:३० बजे की है, जब करीब २० से २५ बांग्लादेशी घुसपैठियों ने बीओपी पुटिया क्षेत्र के पास सीमा स्तंभ (बीपी) २०५०/७-एस से भारतीय सीमा में प्रवेश किया। ये घुसपैठिए तस्करी गतिविधियों में शामिल थे। बीएसएफ गश्ती दल ने घुसपैठ रोकने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने हथियार छीनने की कोशिश की और हमला कर दिया। हालात बेकाबू होते देख, एक बीएसएफ जवान ने आत्मरक्षा में गैर-घातक पंप एक्शन गन (पीएजी) से गोली चलाई। गोली लगने से एक बांग्लादेशी नागरिक घायल हो गया। इस बीच हुई झड़प में बीएसएफ का एक जवान भी घायल हो गया। दोनों ही घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी।

इसी बीच, मुंबई पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों पर शिकंजा कसा। डीसीपी डॉ. प्रवीण मुंधे के नेतृत्व में मानखुर्द, वाशी नाका, कलंबोली, पनवेल, ठाणे, कल्याण और मुंब्रा में विशेष तलाशी अभियान चलाया गया। १६ अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए। जिनके खिलाफ पहले रिकॉर्ड नहीं था, उन पर नए केस दर्ज किए गए, जबकि पुराने अपराधियों के मामलों में नए आरोप जोड़े गए।

लाखों का नुकसान लेकिन कार्रवाई शून्य

चित्रा थाना में मोहित पांडेय ने दर्ज कराई अग्रवाल और मित्तल के खिलाफ शिकायत

देवघर (एजेंसी): चित्रा ईस्ट ओसीपी एसपी माईन्स एरिया के उप ठेकेदार मोहित पांडेय ने एटीपी और एटी-४ प्रबंधन ने मनमोहन अग्रवाल और विपिन मित्तल द्वारा काम रोकते हुए सामान जप्त कर लाखों का नुक़सान कराया है.अग्रवाल और मित्तल के खिलाफ चित्रा थाने में मोहित पांडेय ने एक मामला भी दर्ज कराया है.दर्ज शिकायत के अनुसार अग्रवाल और मित्तल के उनके २० हजार लीटर डीजल जिसकी कीमत १९ लाख रुपए है का नुक़सान कराया गया है.

मोहित पांडेय के अनुसार इन दोनों ने न सिर्फ डीजल चुराया बल्कि टैंकर की चाभी भी लेते हुए पैसों की मांग भी की गई है.

यह घटना अगस्त २०२४ में हुई थी लेकिन पुनः १७ फरवरी २०२५ को भी ऐसे ही अग्रवाल और मित्तल ने पांडेय के कर्मचारियों को साईट पहुंच कर फिर से परेशान किया है.दोनों आरोपियों ने पांडेय के टैंकर का दरवाजा और ताला तोड़ डीजल अपने टीपर और मशीनों में डाल लिया.उन्होने ड्राइवर से मारपीट कर उसे भी साईट से भगा दिया था जिसकी शिकायत स्थानीय थाना में दर्ज कराईं गई है.दर्ज शिकायत में लिखा है कि विपिन मित्तल और मनमोहन अग्रवाल ने न सिर्फ डीजल चुराया बल्कि ड्राइवर को मारपीट कर टैंकर भी जप्त कर लिया. दोनों आरोपियों ने मोहित पांडेय के ड्राइवर से कहा है कि अगर तुम्हारा मालिक टैंकर लेने आया तो उसे भी जान से मार देंगे.

इस मामले में चित्रा थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ जबरन वसूली,चोरी और मारपीट का मामला दर्ज किया गया है. हालांकि इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है जिससे पुलिस की कार्रवाई पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है.

चीन को बड़ा झटका देगा भारत, 9,000 वर्ग किमी में तलाशेंगे कोबाल्ट और तांबा

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए भारत ने अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भारत ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में इन खनिजों की तलाश कर रहा है।

भारत के खनन सचिव वीएल कांता राव ने कहा कि भारत जाम्बिया, कांगो और ऑस्ट्रेलिया से लिथियम, कोबाल्ट और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच के लिए खनन के मौकों की तलाश कर रहा है। अधिकारी कांता राव ने बताया कि जाम्बिया सरकार ने हाल ही में भारत को कोबाल्ट और तांबे की खोज के लिए ९,००० वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र देने पर सहमति जताई है।

उन्होंने बताया कि कोबाल्ट और तांबे की खोज प्रक्रिया में दो से तीन साल लगने की उम्मीद है। सरकार को उम्मीद है कि खोज के बाद इन महत्वपूर्ण धातुओं के खनन का अधिकार भारत को मिल जाएगा।

भारत महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में लगा हुआ है, क्योंकि घरेलू स्तर पर इनकी पर्याप्त मात्रा उपलब्ध नहीं है। लिथियम की वैश्विक आपूर्ति में वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया और लिथियम त्रिभुज का वर्चस्व है, जिसमें चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया शामिल हैं। इन देशों के पास कुल मिलाकर दुनिया के ७५% से अधिक लिथियम भंडार हैं। इनमें से अधिकांश लिथियम प्रोसेसिंग के लिए चीन सप्लाई की जाती है। चीन भारत की शीर्ष लिथियम सप्लायर है जो भारत के कुल इस्तेमाल का करीब ७० प्रतिशत लिथियम देता है।

लिथियम को लेकर चीन पर भारत की निर्भरता चिंता का विषय है क्योंकि सीमा विवाद को लेकर चीन के साथ रिश्ते तनावपूर्ण बने रहते हैं। इसे देखते हुए भारत लिथियम को लेकर चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि इन देशों की सरकारें भारतीय राज्य उद्यम संघ के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम इन देशों में अपने राजनयिक मिशन के जरिए महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और उनके खनन की कोशिश कर रहे हैं।

इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्रिटिकल मिनरल्स

स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के उत्पादन के लिए क्रिटिकल मिनरल बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें कोबाल्ट, तांबा, लिथियम, निकेल और रेयर अर्थ मिनरल्स शामिल हैं।क्रिटिकल मिनरल्स पर नजर रखने वाले लोगों के अनुसार, जैसे-जैसे दुनिया स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है, लिथियम की मांग बढ़ रही है। इस संदर्भ में, भारत इन खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहा है। खासकर चीन से जो वर्तमान में लिथियम प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी सेक्टर पर हावी है।

बलियापुर क्षेत्र के गोलमारा, लालडीह, पारसबनिया व कुसमाटांड़ में चल रहा अवैध कोयले का कारोबार

मनीष व रोहन के साथ पंकज एवं खान का नाम चर्चित हो रहा है कोयले के अवैध धंधे में

धनबाद (कासं) : बलियापुर थाना क्षेत्र में कई इलाकों में अवैध कोयला का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। गोलमारा में पिछले कई दिनों से कोयला का अवैध कारोबार बलियापुर के खान साहब का धड़ल्ले से हो रहा है वहीं बलियापुर पुलिस मुकदर्शक बनीं हुई है। सूचना होने के बावजूद अवैध कोयला का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है।

कोयला का स्टोक गोलमरा में बलियापुर के खान साहब, सुरंगा रोहन, पारसबनिया राहुल, कुसमाटांड़ में पंकज महतो, लाललाडीह में मनीष अग्रवाल का अवैध कोयला का धंधा फलफूल रहा है। अंधेरे में पिकअप वैन से अवैध कोयला का ढुलाई होता है। जगनकोचा में टिकटीकी का अवैध कोयला का कारोबार जोरों पर है। एक तरफ जहां बीसीसीएल एवं केन्द्र सरकार को लाखों का चूना लग रहा है। वहीं कोयला का अवैध कारोबार करने वालों की चांदी कट रही है। बलियापुर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल, वेस्पा से भी कोयला का ढुलाई हो रहा है।

दो सोनाचांदी दुकान में 15 लाख के जेवरात चोरी

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर एवं झरिया थाना के दो सोना चांदी की दुकान में चोरों ने निशाना बना कर १५ लाख की जेवरात चोरी कर ली। पीड़ित व्यक्ति ने थाना में मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुट गई है।

झरिया थाना के लोदना मोड़ स्थित साफी मार्केट स्थित दुल्हन ज्वेलर्स में चोरों ने शुक्रवार की रात पीछे के रास्ते से फान कर आनंद मार्केट में घुस कर दुकान का शटर को तोड़ दिया और दुकान में प्रवेश कर रखा गया कई कीमती जेवरात को निकाल लिया है। घटना की खबर पाकर झरिया पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जांच कर रही हैं। दुकान मालिक टिंकू सजाद आलम ने पुलिस को बताया है कि घटना की खबर पा कर सुबह दुकान पहुंचे तो पता चला है कि दुकान में रखा गया कीमती जेवरात गाहकों का चोरी हो गया है। गहने की कीमत ८ लाख रुपए की है।

वहीं जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा कोऑपरेटिव कॉलोनी मोड़ स्थित वर्मा ज्वेलर्स नामक दुकान के पीछे सेंध लगा कर चोरों ने दुकान के अन्दर प्रवेश कर दुकान में रखा गया कीमती ज्वेलर्स ७ लाख रुपये की चोरी चोरों ने कर ली। दुकान मालिक शशि कुमार वर्मा ने जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा को घटना की सूचना दे दी गई है। जोड़ापोखर पुलिस जांच में जुट गई है।

गायत्री महायज्ञ को लेकर निकली कलश यात्रा

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र अन्तर्गत कच्छी बलिहारी में शनिवार से २४ कुण्डीय राष्ट्रीय जागरण अभियान गायत्री महायज्ञ एवं श्री मद पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं विराट महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा से हुआ। गाजेबाजे के साथ कच्छी बलिहारी से सरकारडीह तालाब तक शोभायात्रा निकली गई। जिसमे गायत्री परिवार हरिद्वार से आये गायत्री दल के अलावा स्थानीय गायत्री परिवार के अनिल कपिला, कामता प्रसाद सिंह, मंटू चौधरी, संतोष सिंह, सुरेंद्र कुमार, जीतेन्द्र चौहान, जय राम यादव, प्रमोद साव, धनंजय प्रसाद, राजकुमार राजभर, उपेंद्र साहू, प्रमोद कुमार, भूपेंद्र गुप्ता, हरे कृष्णा सिंह, दानी सिंह, कच्छी बलिहारी गायत्री परिवार के सदस्यगण शामिल थे। पंकज सिंह, विभूति शरण सिंह, राजेंद्र उर्फ हनुमान, खुशी कुमारी, श्रुति कुमारी, रोनी कुमारी, अनामिका कुमारी, श्रुति कुमारी, बॉबी कुमारी, पूर्णिमा देवी, खुशबू देवी, चंचल, प्रीति, राधा, पायल, कुमकुम कुमारी पूनम कुमारी पूजा कुमारी, हीरा सिंह मनीषा कुमारी, अंजली कुमारी, वीरा सिंह सहित सैकड़ों बच्चियों एवं महिलाएं शामिल हुए। सांध्यकालीन आरती के साथ संगीत मय प्रवचन कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

सीएम नीतीश कुमार का मना जन्मदिन

धनबाद (कासं) : नीतीश विचार मंच एवं जिला जदयू ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ७४वां जन्मदिन धूमधाम से धनबाद सर्किट हाउस में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष सह धनबाद जिला जनता दल यू के अध्यक्ष पिन्टू कुमार सिंह ने किया।

सर्वप्रथम सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार के जन्मदिन पर केक काटकर जन्मदिन मनाया। उसके बाद एकदूसरे को मिठाई खिलाकर जन्म दिन की बधाई दी। नीतीश कुमार की दीर्घायु होने के लिए भगवान से की गई। नीतीश विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष पिन्टू कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न के उपाधि से सम्मानित करने की मांग देश के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से की गई। इसके अलावा बिहार की राजनीति में राजनीतिक पारदर्शिता बने रहे। इसके लिए नीतीश कुमार के पुत्र निशान्त कुमार को बिहार के सक्रिय राजनीति में लाने की मांग की गई।

मौके पर पार्टी के प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, उदय कुमार सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, हाजी हसीब खान, प्रदेश सचिव राजू कुमार सिंह, मुन्ना सिन्हा, विजय सिंह कुशवाहा, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रूपेश पासवान, महिला प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पुष्पा पांडेय आदि मौजूद थे।

शिविर में लोगों ने करायी निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

गोविंदपुर (ससे) : नागरिक समिति एवं मारवाड़ी युवा मंच की गोविंदपुर शाखा ने असर्फी अस्पताल के सहयोग से शनिवार को श्री हरदेवराम पुस्तकालय में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर लगाया। इसमें १०३ लोगों की जांच की गई एवं उन्हें सलाह दी गई। शिविर की शुरुआत नागरिक समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल एवं संगठन सचिव आदित्य अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर आगे भी लगाए जाएंगे। डॉ विशाल मिश्रा व डॉ जफर ने लोगों की जांच की। बीपी एवं शुगर की भी जांच की गई। इस अवसर पर संयोजक अनूप साव, जितेश जायसवाल, बाबू भगत, राजा दास, बैजनाथ गोस्वामी, बबलू विष्टु आदि मौजूद थे।

जागृत मंदिर में अखंड रामायण पाठ का समापन

धनबाद (कासं) : जागृत मंदिर चिरागोड़ा के १८वें भूमिपूजन वर्षगांठ पर आयोजित अखंड रामायण पाठ का शनिवार को समापन हुआ।

इसके पूर्व २८ फरवरी को रामायण पाठ शुरू हुआ जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। रामचरित मानस के पाठ के लिए अंतर प्रांतीय कलाकारों को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने एक से बढ़कर एक धुन पर रामचरित मानस की चौपाइयों और दोहे की पाठ की। जिस पर श्रद्धालु झूमते रहे। जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि २८ फरवरी २००७ को जागृत मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया था जिसके उपलक्ष्य में हर वर्ष २८ फरवरी को अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि १५ से १७ जुलाई तक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई है।

मोहन बाजार में बनेगी पीसीसी सड़क

जोड़ापोखर (ससे) : शनिवार को धनबाद जिला अंतर्गत झरिया प्रखंड के भालगढ़ा स्थित तारा बागान, धोबी कुल्ही, ऊपर

कुल्ही हामिद नगर, पोद्दार पाड़ा, सिंह नगर, पाथरडीह मोहन बाजार में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास झरिया विधायक रागिनी सिंह ने किया। जहां सड़क बनने से स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए विधायक का अभिवादन किया। वहीं इस दौरान विधायक श्रीमती सिंह ने स्थानीय लोगों के बीच मिठाई बांटी।

सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गई विदाई

जोड़ापोखर (ससे) : शनिवार को बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के अंतर्गत फरवरी माह में सेवानिवृत कर्मचारियों की विदाई दी गई और सह सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अवर महाप्रबंधक शैलेन्द्र सिन्हा ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक दीपक कुमार सिंह ने एवं सह संचालन वरीय लिपिक विश्वनाथ धीबर ने किया। अवर महाप्रबंधक ने सभी सेवानिवृत कर्मियों को सेवानिवृत के बाद भी किसी न किसी कार्य में व्यस्त रहने

की कामना की। क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक ने सभी सेवा निवृत कर्मियों को आगे की स्वस्थ जीवन एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

सभी सेवानिवृत कर्मियों को अवर महाप्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक कार्मिक एवं सहायक प्रबंधक कार्मिक सौरभ सिंह ने माला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किए। साथ ही ट्रॉली बैग, कलाई घड़ी, चांदी का सिक्का, स्मृति चिन्ह एवं अल्पाहार पैकेट प्रदान किए। कुल १४ कर्मी लोदना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न कोलियरी एवं क्षेत्रीय कार्यालय से सेवा निवृत हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरीय लिपिक विश्वनाथ धीबर, सामान्य सहायक देवेन्द्र कुमार साव, रानी गोस्वामी, लिपिक राकेश कुमार, अनुवाद रौशन कुमार, लिपिक किशोर कुमार, सामान्य सहायक कुणाल प्रसाद ने अपना योगदान दिए। धन्यवाद ज्ञापन विश्वनाथ धीबर ने किया।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने बुझाई

धनबाद (कासं) : धनबाद से से है जहां जिले के भौरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत २३८ खदान स्थित गांधी नगर के बिजली घर के ट्रांसफॉर्मर में भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे गांधी नगर और भौरा में अफरातफरी मच गई।

घटना के बाद सूचना मिलते ही अग्निशमन की ३ वाहनों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया गया।

बताया जा रहा है कि भौरा ओपी क्षेत्र के २३८ खदान स्थित गांधी नगर के बिजली घर के ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। आग से उठती धुओं ने पूरे भौरा वासियों को भयभीत कर दिया। इसके बाद आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने बीसीसीएल अधिकारियों को दिया। बीसीसीएल अधिकारी ने तुरंत बिजली पावर हाउस से बिजली कटवाया। इसके बाद अधिकारियों और स्थानीय भौरा

ओपी प्रभारी ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। इधर आग अपना विकराल रूप ले रहा था। आग का विकराल रुप देख बीसीसीएल की ओर से वाटर टैंकर मंगाया गया। उससे आग बुझाने का प्रयास किया गया। तब तक दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। ट्रांसफॉर्मर १५० केवीए का बताया जा रहा है। आग लगने का कारण ओवर लोर्डिंग, शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

सुरूंगा के ग्रामीणों ने घेराबंदी कार्य रोका

जोड़ापोखर (ससे) : सुरूंगा लाइन पार कुम्भकार टोला व सिन्दरी जाने वाली समपार रास्ता को रेलवे द्वारा बंद किये जाने के विरोध में शनिवार को सुरूंगा के ग्रामीणों ने गोलबंद होकर रेलवे से आये अधिकारी और कर्मियों को घेराबंदी करने से रोक दिया। इसके बाद सूचना पर रेलवे के वरीय अधिकारी ने ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें बीस दिनों का अतिरिक्त समय दिया। रेल के अधिकारियों ने कहा कि अगर बीस दिनों में कोई बड़े नेता, एमपी एमएलए आदि हस्तक्षेप कर वरीय अधिकारी से बात करे और फाटक या पुलिया बनाने को ले सहमति बन जाए तो ठीक रहेगा।

अन्यथा रेलवे उक्त रास्ते को बंद कर देगी। ग्रामीणों ने बताया कि रोजाना पाँच हजार की आबादी इस रास्ते से पार होते है, यही एक रास्ता है जो सुरूंगा सहित आसपास के गाँव को सिन्दरी से जोड़ने का काम करता है। इसको आसानी से हमलोग बंद नहीं होने देंगे।

हमारे पूर्वजों के जमाने से यह रास्ता है। इसमें वर्षों से ग्रामीण द्वारा मांग किया जा रहा है कि इसमें फाटक बनाया जाए लेकिन रेलवे ने आज तक किसी की बात नहीं सुनी। वर्ष २०१९ में पूर्व विधायक फूलचंद मंडल एवं सांसद पीएन सिंह को ग्रामीणों ने उक्त मामले से अवगत कराया था। जिसपर सांसद और पूर्व विधायक ने रेलवे को फाटक लगाने की लिखित अनुसंशा रेलवे से किया था।

मौके पर प्रमुख पिंकी देवी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सनातन रविदास, विजय रजक, राधेश्याम, दीपक रजक, बासु कुम्भकार, रंजीत कुंभकार, पारस कुंभकार, अभिमन्यु रजक, बबलू कुंभकार, सुनील कुंभकार, उत्तम राजा, अजय राय, सिंटू रजक, महावीर कुंभकार, दिलीप रजक, संजय कालिन्दी, बीरू कालिंदी, बिरजू राय आदि थे।

लोयाबाद के नये थाना प्रभारी बने पिंकू प्रसाद

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना में शनिवार को नये थाना प्रभारी पिंकू प्रसाद ने पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार सहित थाना के पदाधिकारियों ने नये थाना प्रभारी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। पिंकू प्रसाद ने कहा कि सभी के सहयोग से लोयाबाद थाना क्षेत्र में शांतिपूर्ण विधिव्यवस्था कायम किया जाएगा। पदभार ग्रहण से पहले नये थाना प्रभारी सरायढेला थाना में पदस्थापित थे।

चिरकुंडा में महिला से दुष्कर्म, आरोपी फरार

निरसा (ससे) : चिरकुंडा थाना क्षेत्र के रहने वाली एक अधेड़ महिला के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना को अंजाम देने वाला पीड़ित महिला का पड़ोसी शेरू खान पर आरोप लगा है जो घटना को अंजाम देकर फरार हो चुका है। वहीं पीड़ित की शिकायत पर चिरकुंडा थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी शेरू खान को गिरफ्तार करने के लिये पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पीड़िता महिला ने लिखित शिकायत में कहा है कि वे २८ फरवरी को अपने घर में अकेली थी। इसी दौरान उनके पड़ोसी शेख खान अचानक उनके घर में घुसकर उनके साथ दुष्कर्म किया। धमकी दी कि अगर किसी को भी बताया तो जान से मार दूंगा। पुलिस ने उक्त अधेड़ महिला को मेडिकल जांच के लिए धनबाद भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

मार्च की दो महान् महासमाधियाँ

नेहा प्रकाश

एक दिव्य गुरु को गुरु होने के लिए अपने शरीर की आवश्यकता नहीं होती है। आध्यात्मिक गौरव ग्रन्थ, योगी कथामृत के लेखक श्री श्री परमहंस योगानन्द और अबाधित पुस्तक, कैवल्य दर्शनम्म के लेखक श्री श्री स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि आज भी अपने करोड़ों भक्तों के लिए इस कथन को चरितार्थ करते हैं।

मार्च का महीना इन दोनों गुरुओं की गौरवपूर्ण महासमाधि (मृत्यु के समय एक योगी का अपने शरीर से अभिज्ञ अन्तिम प्रस्थान) का प्रतीक है। स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि ने ९ मार्च, १९३६ को और उनके विश्व प्रसिद्ध शिष्य परमहंस योगानन्द ने ७ मार्च, १९५२ को महासमाधि में प्रवेश किया।

क्रियायोग परम्परा के इन दोनों गुरुओं ने अपने शरीरों का एक पहचान योग्य वस्त्र की भाँति परित्याग कर दिया और मोक्ष प्राप्ति के लिए अपने भक्तों का मार्गदर्शन करते हुए विराट् क्रिया। श्वास के माध्यम से जीवित रहे।

जैसा कि योगी कथामृत में वर्णित है, क्रियायोग एक ऐसी प्रविधि है जो प्रत्येक श्वास के साथ रक्त को कार्बन डाइऑक्साइड से मुक्त करती है और अन्ततः शरीर के क्षय को कम करती है और रोकती है। ऑक्सीजन के अतिरिक्त परमाणु कोशिकाओं को शुद्ध ऊर्जा में रूपान्तरित कर देते हैं। इस प्रकार ३० सेकंड की एक क्रिया श्वास के द्वारा उतना ही आध्यात्मिक विकास होता है जितना प्राकृतिक विकास के माध्यम से एक वर्ष में होता है।

क्रियायोग एक प्राचीन विज्ञान है जिसे श्रीकृष्ण ने अर्जुन को प्रदान किया था और बाद में पतंजलि और अन्य शिष्यों को इसका ज्ञान था। वर्तमान युग में महावतार बाबाजी ने इसे लाहिड़ी महाशय को प्रदान किया था, जिन्होंने इसे योगानन्दजी के गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि को प्रदान किया था।

संन्यास के पूर्व योगानन्दजी का नाम मुकुन्द था। सन् १९१० में, जब वे १७ वर्ष के थे, उनकी भेंट अपने गुरु स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि से हुई थी। अपने गुरु के कठोर मार्गदर्शनजिसके कारण आश्रम के अन्य शिष्य मधुर शब्दों की खोज में आश्रम छोड़ कर चले जाते थे। में मुकुन्द की आत्मा ने अपने गुरु के निर्देश ग्रहण किये।

युवा मुकुन्द को तो उनके गुरु द्वारा एक गुरु बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा था। क्योंकि महावतार बाबाजी ने अनेक वर्ष पूर्व स्वामी श्रीयुक्तेश्वर गिरि से स्पष्ट रूप से यह कहा था कि पाश्चात्य जगत् में क्रियायोग का प्रचार करने के लिए योगानन्दजी ही चुनाव किया गया है।

प्रारम्भ में तो योगानन्दजी पूर्व में भी किसी संस्था की स्थापना करने के इच्छुक नहीं थे, परन्तु उन्होंने अपने गुरु के आगे सिर झुकाकर समर्पण कर दिया। उन्होंने सन् १९१७ में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया (वाईएसएस) की स्थापना की। सन् १९२० में उन्हें अमेरिका से बुलावा आया, जिसकी भविष्यवाणी पहले ही की जा चुकी थी। युवा गुरु उस देश की यात्रा पर निकल पड़े, जिसकी भाषा से वे उतने ही अनभिज्ञ थे जितने कि उस देश के लोग योग से। परन्तु भाषा की यह समस्या ईश्वरसाक्षात्कार प्राप्त गुरु का मार्ग रोकने में असफल रही। वे जिस जहाज से यात्रा कर रहे थे, उस पर उन्होंने अंग्रेजी भाषा में अपना पहला व्याख्यान दिया। बाद में अमेरिका के प्रत्येक शहर में खचाखच भरे सभागारों में व्याख्यान देने के लिए ईश्वर ने उनका चयन किया। इसके परिणामस्वरूप सन् १९२० में सेल्फ़रियलाइज़ेशन फ़ेलोशिप (एसआरएफ़) की स्थापना हुई।

अद्वितीय गुरु ने महासमाधि में प्रवेश करने तक संन्यासियों और गृहस्थों को क्रियायोग की शिक्षा प्रदान की। उनकी महासमाधि भी एक अत्यंत अद्भुत घटना थी।

उनकी मृत्यु के २० दिन बाद भी उनके शरीर में किसी प्रकार की विक्रिया नहीं दिखाई पड़ी। शवगृह निर्देशक श्री हैरी टी. रोवे ने यह लिखा कि परमहंस योगानन्द की देह निर्विकारता की एक अद्भुत अवस्था में थी। महान् गुरु अपने जीवन काल के समान ही मृत्यु में भी मानव जाति के सम्मुख यह प्रमाण प्रस्तुत कर रहे थे कि योग और ध्यान के माध्यम से प्रकृति और समय की शक्तियों पर नियन्त्रण पाना सम्भव है।

अनिल कुमार शर्मा बने निरसा के नये थानेदार

निरसा (ससे) : कतरास सर्किल से स्थानांतरित इंस्पेक्टर अनिल कुमार शर्मा ने शनिवार को निरसा थाने का पदभार सम्भाल लिया। निवर्तमान थाना प्रभारी मंजीत कुमार पुलिस लाइन धनबाद भेजे गए।

नव पदस्थापित निरसा थाना प्रभारी वर्ष १९९४ बैच के अधिकारी है। इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण और जटिल केसों को अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुये अंजाम तक पहुंचाया है। उन्होंने पदभार ग्रहण के पश्चात अधीनस्थ अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया एवं निरसा के भौगोलिक स्थिति के बारे में जानकारियां ली। इनकी पदस्थापना से निरसा की जनता को काफी अपेक्षाएं है। नव पदस्थापित थाना प्रभारी के सामने अनेक चुनौतियाँ भी होगी। मसलन चोरी, केबल लूट, आर्थिक अपराध आदि पर नियंत्रण करने के प्रयास जारी रहेगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

टुंडी में साइबर ठग गिरफ्तार

टुण्डी (ससे) : धनबाद एसएसपी एच पी जनार्दन के निर्देश पर

प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध नंबरों के विरुद्ध धनबाद साइबर पुलिस ने मधुरसा नीमटांड़ जंगल से ठगी कर रहे एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया।

इस बात की जानकारी साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि गत २८ फरवरी को गुप्त सूचना मिली कि साइबर ठग मधुरसा निमटांड़ जंगल से लोगों से ठगी करने का काम कर रहे, जिस पर साईबर थाना धनबाद और टुंडी के पदाधिकारियों को छापेमारी करने का आदेश दिया। इस पर जब साईबर पुलिस की टीम ने छापेमारी की तो पाया कि दो लड़के कुछ लोगों से ओटीपी और क्रेडिट कार्ड के संबंध में बातचीत कर रहे थे। लेकिन जैसे ही पुलिस पहुंची तो एक लड़का भाग खड़ा हुआ। एक लड़का पकड़ा गया।

पकड़े गए ठग के पास चार मोबाइल और पांच सिम कार्ड बरामद की है। पकड़ा गया साईबर ठग आर बी एल बैंक के नाम से वॉट्सएप बनाया हुआ था। और उसी से ऐप डाउन लोड करवा कर मोबाइल का एक्सेस प्राप्त कर लोगों से ठगी कर पैसे की निकासी करता था। गिरफ्तार साईबर ठग का नाम सतीश कुमार उर्फ सतीश कुमार मंडल बताया जाता है। साईबर पुलिस की इस करवाई से साईबर ठगो की नींद उड़ गई है।

लव जिहाद में फंसी युवती, युवक को बोकारो पुलिस ने पकड़ा

धनबाद (कासं) : जोड़ापोखर के डिगवाडीह इलाके में रहने वाले २० वर्षीय मुस्लिम युवक राजा अंसारी ने जोड़ापोखर क्षेत्र में रहने वाली दूसरे धर्म की हाईस्कूल में पढ़ने वाली छात्रा को प्रेम जाल में फंसाया। उसके बाद उसे बरगलाकर ले गया। लव जिहाद की इस घटना से लोगों में आक्रोश है। शुक्रवार को मां ने जोड़ापोखर थाने में बेटी को अगवा करने की शिकायत की है। देर रात किशोरी को बोकारो में रेल पुलिस ने बरामद कर युवक को गिरफ्तार किया है। लड़की की मां ने पुलिस को बताया कि राजा ने मुस्लिम होने के बाद भी अपना धर्म छिपाया। बेटी को बताया कि वह हिंदू है। उसे प्रेम जाल में फंसाया, इसके बाद गुरुवार की रात उसको न जाने कहां ले गया। पाथरडीह के एक स्कूल में दसवीं कक्षा में बेटी पढ़ती है। गुरुवार की रात को राजा ने बेटी को फोन किया। उसे घर से बाहर बुलाया। उसके बाद से बेटी का पता नहीं है। शुक्रवार को दिन भर उसका पता लगाते रहे। जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो पुलिस से शिकायत की। इधर, विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री लल्लू झा ने घटना पर रोष प्रकट करते हुए कहा है कि ऐसे मामलों को पुलिस गंभीरता से ले।

छानबीन में पुलिस को छात्रा की बरारी में रहने वाली सहेली का पता चला। उसके घर पहुंच पुलिस ने पूछताछ की। उसने बताया कि युवक मुस्लिम है, वह डिंगवाडीह में रहता है। युवक व छात्रा की तस्वीर मिली। मोबाइल नंबर भी पता चला। फिर मोबाइल लोकेशन के सहारे दोनों को पकड़ा गया।

मुख्य कार्यालय अधीक्षक को दी गई विदाई

धनबाद (कासं) : धनबाद रेल मंडल कार्यालय में पर्सनल विभाग के मुख्य कार्यालय अधीक्षक देवयेंन्दु चौबे राजूका सेवानिवृत्ति सह सम्मान समारोह का आयोजन धनबाद रेलवे ग्राउंड के गैलरी हॉल में किया गया। श्री चौबे १९८८ को मंडल रेल कार्यालय मे बहाली हुआ और ३७ वर्ष कार्य करने के बाद रिटायरमेंट हुए। उनका रेल के कार्य के साथसाथ स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी उनका विशेष रुचि था जिसमें क्रिकेट में भी ज्यादा झुका था। जिसके कारण वह धनबाद रेल मंडल के क्रिकेट खिलाड़ी भी थे और समिति से भी जुड़े रहे और ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू धनबाद शाखा दो के कई महत्वपूर्ण पदों पर पदाधिकारी रह चुके हैं उनका भरापूरा परिवार में उनका पत्नी राखी चौबे एकमात्र पुत्र अभिषेक चौबे आदित्य बिरला ग्रुप मुंबई के सहायक प्रबंधक है।

इस समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने बारीबारी से श्री चौबे के कार्यकाल पर प्रकाश डाला, केक काटे उपहार दिया गया। शॉल उढ़ाकर सम्मान किया गया ओर अंत में सभी को खाना खिलाया गया। इस विदाई समारोह में विशेष रूप से वरीय मंडल, कार्मिक अधिकारी अजित कुमार, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी आर.के सिंह, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी अमरेंद्र कुमार, राकेश राव, एन के खवास, अमिताभ बनर्जी, नितिन प्रधान, अमीर हाशमी, महादेव सिंह, राकेश कुमार सिंह, राजीव कुमार, तपन भट्टाचार्जी, संकु सरकार, गौतम ओझा, आशीष मुखर्जी, मंजरी पांडेय, अनीता, लिपिका चौबे, सुदर्शना पाण्डेय, षष्टि, रजिआ और रेल कर्मचारी, क्रिकेट खिलाड़ी, परिवार के सदस्य और शुभचिंतक उपस्थित थे।

चूल्हे के पास बैठने से लगी आग

धनबाद (कासं) : पाथरडीह की रहने वाली ४४ वर्षीय जोशना देवी शनिवार सुबह घर में रखे चूल्हे की चपेट में आ गई। इस हादसे में वह करीब २७ प्रतिशत झुलस गई।

जोशना देवी के पति रामेश्वर रवानी, जो पेशे से ठेकेदार हैं, उन्होंने बताया कि सुबह ६ बजे के करीब यह घटना हुई। उस वक्त उनकी पत्नी चूल्हे के पास बैठी थीं। अचानक उनकी साड़ी ने आग पकड़ ली, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गई।

परिजनों ने तुरंत उन्हें धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां फिलहाल उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है, लेकिन आगे की देखभाल जरूरी होगी। परिवार इस घटना से सदमे में है और जोशना देवी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है।

प्रियदर्शिनी गद्दम बनी एनएमडीसी के निदेशक

हैदराबाद (ससे) : प्रियदर्शिनी गद्दम ने एनएमडीसी के निदेशक (कार्मिक) का पदभार ग्रहण किया। इस्पात मंत्रालय द्वारा उन्हें कंपनी के बोर्ड पर कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति से पूर्व वे एनएमडीसी कार्पोरेट कार्यालय, हैदराबाद और एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, नगरनार, दोनों में मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक और प्रशासन) और कार्मिक प्रमुख के पद पर कार्यरत थीं।

१९९२ में अधिशासी प्रशिक्षु के रूप में एनएमडीसी में कार्यग्रहण के पश्चात वे निरंतर कंपनी में आगे बढ़ती रहीं और एक नेता के रूप में उभरीं, जिससे कि खनन उद्योग में महिलाओं के लिए नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त हुआ।

अपने तीन दशकों से अधिक की लंबी सेवा के दौरान श्रीमती प्रियदर्शिनी ने एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो महिलाओं के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करता है और एनएमडीसी में कर्मचारी कल्याण के उच्चतम मानक स्थापित करते हुए समाज के उपेक्षित वर्ग के लोगों को एक समान अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कंपनी में औद्योगिक संबंध, भर्ती, चिकित्सा नीतियों और हितधारक प्रबंधन की प्रक्रियाओं और कार्यविधियों को सुव्यवस्थित किया है।

उन्होंने सीपीएसई के वेतन संशोधन के अंतर्गत दूसरे वेतन संशोधन आयोग में एनएमडीसी का प्रतिनिधित्व किया है और तब से वेतन समझौतों में ऐतिहासिक परिणाम प्राप्त किए हैं। वे उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद की पूर्व छात्रा रहीं हैं और उनके पास एलएलबी सहित सामाजिक कार्य (कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संपर्क) में स्नातकोत्तर डिग्री है। श्रीमती प्रियदर्शिनी के निदेशक (कार्मिक) बनने पर एनएमडीसी उत्पादन का उच्चतर लक्ष्य स्थापित करने और उद्योग की सामूहिक संवृद्धि की ओर उन्मुख हो रहा है।

जिप अध्यक्ष ने किया रोलेक्स सर्कस का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : धनबाद के जिला परिषद मैदान में शनिवार को जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने रोलेक्स सर्कस का शुभारंभ फीता काटकर और दीप जलाकर किया। मौके पर विशिष्ट अतिथि में डीथ्री के ऑनर शांतनु , चंद्रा, भाजपा नेता मुकेश पांडेय, पुरुषोत्तम रंजन, विकाश साव, जग्गू महतो उपस्थित रहे।

जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने इस अवसर पर कहा कि एक लम्बे अंतराल के बाद धनबाद जिले में सर्कस का आयोजन हुआ है। यह सर्कस बच्चों को काफ़ी ज्यादा आनंदित करता है। कई तरह के इवेंट्स इस सर्कस में दिखाए जाते हैं, जो लोगों को काफी मनोरंजन करता है। इसलिए तमाम धनबाद वासियों से यही अपील है कि अपने बच्चों के साथ परिवार के लोगों के साथ सर्कस का आनंद लेने जरूर आएं।

आयोजकों ने बताया कि एक माह तक यह सर्कस चलेगा। इसमें टिकट की दरें ३०० रु, २०० रु और १०० रु निर्धारित है। तीन शो १ से ३ से ६ और रात्रि के ७ से ९ बजे तक चलेगा। प्रत्येक शो में एक साथ दो हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। टिकट लेकर पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर दर्शक बैठकर सर्कस का आनंद ले सकेंगे।

रोमांच से भरपूर इस सर्कस में देश भर के कई बेहतरीन कलाकार अपनी कला का जादू दिखाने पहुंचे हैं। मणिपुर के कई कलाकर भी हैं जोकि अद्भुत कला प्रदर्शित कर रहे हैं। कुल मिलाकर यह सर्कस अगले एक माह लोगों को खूब रोमांचित करनेवाला है।

सर्कस प्रबंधक रूपेश कुमार सिंह ने बताया की धनबाद में काफी समय से इसकी मांग की जा रही थी। कोयलांचलवासियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों को तय किया गया है। पहले दिन दर्शकों की भारी तादाद में पहुंचने से सर्कस प्रबंधन सहित सभी कलाकार काफी उत्साहित दिखे।

99 फाउंडेशन ने किया खिचड़ी वितरण

धनबाद (कासं) : ९९ फाउंडेशन की ओर से 'अन्न दान महादान' के तहत खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह संस्था पिछले कई वर्षों से हर शनिवार जरूरतमंदों को

भोजन वितरित कर रही है। मेमको मोड़ स्थित ९९ ग्रुप ऑफ कंपनीज के कार्यालय परिसर में सैकड़ों जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी भूखा न सोए। हर शनिवार, संस्था शहर के गणमान्य लोगों के साथ मिलकर इस सेवा को अंजाम देती है। १ मार्च को, हीरा लाल महतो और और उनकी पत्नी रूपा देवी को ९९ फाउंडेशन ने खिचड़ी वितरित करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने अपनी खुशी और संतुष्टि व्यक्त की, ९९ फाउंडेशन की सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रशंसा की।

कार्यक्रम से मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक और राहगीरों सहित सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए। इस बार खिचड़ी के साथसाथ विशेष पकवानों की भी व्यवस्था की गई थी। एक व्यक्ति ने कहा, हमें यहां हर शनिवार अच्छा भोजन मिलता है। हम ९९ फाउंडेशन को इस पहल के लिए धन्यवाद करते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि ९९ फाउंडेशन के प्रयासों की सभी ओर से सराहना की जा रही है। यह संस्था न केवल भूख को दूर कर रही है, बल्कि समाज में सेवा की भावना को भी बढ़ावा दे रही है और ऐसे नेक कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा मिलती है।

3 घंटे तक ट्रैफिक जाम में फंसे प्रशासनिक पदाधिकारी

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड की ट्रैफिक व्यवस्था शनिवार को पूरी तरह ध्वस्त रही। इस दौरान न तो ट्रैफिक जाम की शुरुआत गोविंदपुर ऊपर बाजार चौक पर सुबह से शुरू हुई। सुबह वहां न तो ट्रैफिक पुलिस थी। करीब ३ घंटे

पुलिस पहुंची। गोविंदपुर थाना की पुलिस पहुंची तो स्थिति नियंत्रण से बाहर थी।

इस जाम के कारण जीटी रोड होकर आने जाने वाले लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। सुबह से लेकर दोपहर तक जीटी रोड का दिल्ली लेन तो दोपहर के बाद कोलकाता लेन पूरी तरह बाधित रहा । इससे जीटी रोड के दोनों किनारे वाहनों की लंबीलंबी कतार लग गई। पूर्व में रतनपुर से लेकर पश्चिम में कौआबांध तक वाहनों का जाम लगा रहा। तक यह चौक पूरी तरह ठप रहा। जाम में कई एंबुलेंस भी फंस गए और जरूरी कार्यों से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे लोग भी फंसे रहे। इस जाम के कारण धनबाद से गोविंदपुर, निरसा, टुंडी और पूर्वी टुंडी जाने वाले प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को भी करीब ३ घंटे तक गोविंदपुर में रहना पड़ा। स्थिति जब अनियंत्रित हो गई तो गोविंदपुर ऊपर बाजार के कुछ युवकों ने मोर्चा संभाला और पुलिस के सहयोग कर जाम तुड़वाने का प्रयास किया।

रूपेश अग्रवाल बने अध्यक्ष, मुबारक महासचिव

धनबाद (कासं) : एआईएसएम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के झारखंड प्रदेश कमिटी के निर्देशानुसार शनिवार को जिला

सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लातेहार जिला के चुनाव प्रभारी उस्मान खान उर्फ राजू खान गुमला से कल ही देर रात पहुंचे थे। प्रभारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सर्वसम्मति से लातेहार जिला कमिटी का पुनर्गठन किया गया है जिसमें लातेहार जिलाध्यक्ष के रूप मे रूपेश कुमार अग्रवाल जबकि महासचिव के लिए मुबारक आलम को जिम्मेवारी सौंपी गयी है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत रूपेश व मुबारक ने कहा कि राज्य कमिटी द्वारा जो भी जिम्मेवारी सौपी गयी है उसे पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाहन करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को संगठित करने के साथ साथ उनके अधिकारों को लेकर मुखर होकर काम करने का कार्य किया जाएगा। पत्रकारों पर हो रहे हमले से लेकर उनकी विभिन्न समस्याओ को उठाने में संगठन के कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे। सभी ने एक स्वर में कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने को लेकर आवाज बुलंद की जाएगी।

चुनाव प्रभारी उस्मान खान ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सबको मिलकर संगठन व पत्रकारहित के लिए कार्य करना है। उन्होंने दोनों पदाधिकारियों को जल्द से जल्द जिला कमिटी विस्तार कर सूची प्रदेश कमिटी को सौंपने की बात कही। नवमनोनित अध्यक्ष और महासचिव को एसोसिएशन के सदस्यों राजेश प्रसाद, बबलू खान, रौशन गुप्ता, निहित कुमार, मो. इरफान, संतोष कुमार, संजय कुमार यादव, डीएस यादव, मो. मुमताज़, राजीव कुमार उरांव, मुकेश कुमार समेत कई पत्रकारों ने बधाई और शुभकामना दी है।

स्वागत समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : कवि राकेश कुमार के संयोजन में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए श्रीधर प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मी के परिजनों द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन एक सकारात्मक एवं ऊर्जा से भरने वाला कदम है। इसके पूर्व कण्वाश्रम परिवार के युवा कवि विद्या वैभव भरद्वाज ने अनिल कुमार शर्मा के पिताजी पण्डित विन्दु माधव शर्मा रचित खण्डकाव्य कण्वाश्रम से ईश वंदना का वाचन कर सबका मन मोह लिया। गोष्ठी में कवि राकेश कुमार अरविंद सिन्हा, रमेश कुमार सिंह, उमेश कुमार पाठक रेणु, राम प्रवेश पंडित, आचार्य धन्नजय पाठक, प्रियरंजन पाठक समर्पण, सिद्धेश्वर सिंह, रविशंकर पांडेय, जया लक्ष्मी, किरण राज़ और अंजनी कुमार दुबे ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्री शर्मा के सुखद भविष्य की कामना की।

गोष्ठी में कार्यालय कर्मियों ने अनिल कुमार शर्मा के साथ बिताए दिनों को यादगार बताते हुए उन्हें एक हँसमुख, प्रसन्नचित एवं मिलनसार व्यक्ति बताया। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ रहते हुए ३९ वर्षों की बेदाग सेवा पूरी कर लेना एक बड़ी उपलब्धि है।

इस अवसर पर अजय मिश्रा, सुमन मिश्रा, रमेश कुमार पाठक, सुरेंद्र शुक्ला, शैलेश मिश्रा, शशि शेखर, शैलेश सिन्हा, राजीव पांडेय, अमित खलखो और श्यामलाल उराँव ने अपने विचार व्यक्त किए। संचालन अनुज कुमार पाठक ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अग्रज विद्यासागर शर्मा ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कुमार अखिलेश, हर्षराज, आदर्श राज, जयप्रकाश कुमार, रामप्यारी राम, रामनाथ पाल, मुंद्रिका राम, मंगल गुप्ता, देवमुनी, जगनारायण और शिवदत्त पाठक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट हुआ हैक

मुंबई (ईएमएस) : मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपने प्रशंसकों को आगाह किया है कि उनका एक्स अकाउंट १३ फरवरी से हैक हो गया है। उन्होंने फैंस से आग्रह किया कि वे उनके अकाउंट से किए गए किसी भी पोस्ट, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और न ही उन पर क्लिक करें। शनिवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक पोस्ट में श्रेया ने बताया कि कई कोशिशों के बावजूद वह अपना अकाउंट रिकवर नहीं कर पाई हैं। उन्होंने लिखा, सभी प्रशंसकों और दोस्तों को नमस्कार। मेरा एक्स अकाउंट १३ फरवरी से हैक हो गया है। मैंने एक्स टीम से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की, लेकिन सिर्फ कुछ ऑटोजवाब ही मिले, कोई मदद नहीं मिली। अब मैं अपने अकाउंट में लॉगिन भी नहीं कर सकती और न ही इसे डिलीट कर सकती हूं। कृपया उस अकाउंट से आने वाले किसी भी लिंक पर क्लिक न करें और न ही किसी मैसेज पर भरोसा करें। ये सभी फर्जी और धोखाधड़ी वाले लिंक हैं। अगर मेरा अकाउंट वापस मिल जाता है और सुरक्षित होता है, तो मैं खुद वीडियो के जरिए इसकी जानकारी दूंगी।

इस बीच, श्रेया हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एंटी-ओबेसिटी (मोटापा विरोधी) अभियान का समर्थन करने को लेकर चर्चा में रही हैं। श्रेया ने एक वीडियो साझा कर कहा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एंटीओबेसिटी अभियान शुरू किया है। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा देश तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके लिए हमें अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा। आइए, सही खानपान अपनाने की शपथ लें, तेल और चीनी का सेवन कम करें, पोषण से भरपूर और मौसमी भोजन खाएं, और बच्चों को भी पौष्टिक आहार दें। अच्छी सेहत ही असली संपत्ति है। इसलिए, छोटेछोटे बदलाव करके हम देश में बड़ा असर ला सकते हैं। मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है, जो हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एक संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दे रहा है।

कूड़े के ढेर में लगी आग, कोई क्षति नहीं

धनबाद (कासं) : शहर के सरायढेला थाना क्षेत्र अंतर्गत विकाश नगर के सूर्य मंदिर के समीप शनिवार की शाम कुड़े के ढेर में आग लग गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों की काफी संख्या में भीड़ जमा हो गईं। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सूर्य

मंदिर के समीप खाली स्थान पर आसपास के लोग कूड़ाकचरा फेकते है। जहां शनिवार की शाम कुड़े के ढेर में आग लग गई। जिसके बाद स्थानीय लोगो ने मामले की जानकारी अग्निशमन विभाग को दिया। मामले की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुँची और आग पर काबू पा लिया।

संपादकीय | डरा नहीं रहे, सच बता रहे हैं सोनम वांगचुक

हिमालय की जलवायु को स्वस्थ रखने के लिए निरंतर संघर्षरत पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का यह कहना अतिशयोक्ति बिल्कुल नहीं है कि हालात ऐसे ही रहे और ग्लेशियर पिघल गए तो 144 साल बाद अगला महाकुंभ रेत पर होगा. कहने का आशय यह है कि वहां कोई नदी होगी ही नहीं.

वांगचुक की यह चेतावनी तथ्यों पर आधारित है. प्रयागराज स्थित संगम में मौजूद गंगा और यमुना के साथ गुप्त रूप से प्रवाहित सरस्वती नदी की कल्पना भी की जाती है. वैज्ञानिक मानते हैं कि कोई पांच हजार साल पहले सरस्वती नदी का वजूद था. भूगर्भीय हलचल ने सरस्वती की धारा बदल दी और मौसम के रूठेपन ने उस नदी को मार डाला. नदियों की मौत का यह सिलसिला चल ही रहा है.

आज न जाने कितनी नदियां समाप्त हो चुकी हैं. सोनम वांगचुक बिल्कुल ठीक कह रहे हैं कि हिमालय के ग्लेशियर गंभीर संकट की स्थिति में हैं. जिस गोमुख से गंगा निकलती हैं, वह निरंतर पीछे खिसकता जा रहा है. 2012 और 2016 में गोमुख के पास ग्लेशियर का बड़ा टुकड़ा टूटा भी था. इन सबका कारण ग्लेशियर में कम होती बर्फबारी है. ये ग्लेशियर ही किसी भी नदी को जिंदा रखते हैं.

उत्तर और पूर्वोत्तर भारत की ज्यादातर नदियां हिमालय की गोद से निकलती हैं और हिमालय में मौजूद 9 हजार से ज्यादा ग्लेशियर इन नदियों को जिंदा रखते हैं लेकिन पिछले तीस सालों में स्थिति विस्फोटक हुई है. जलवायु परिवर्तन तो बड़ा कारण है ही, हिमालय में मानव का हस्तक्षेप भी बहुत बढ़ा है. जगह-जगह सुरंगें खोदी जा रही

हैं और पर्यटन के नाम पर हिमालय को रौंदा जा रहा है. हर साल लाखों पर्यटक घुमक्कड़ी के लिए हिमालय पहुंचते हैं और हजारों टन कचरा पहाड़ पर छोड़ आते हैं.

इस कचरे को हिमालय से दूर ले जाने की कोई सार्थक व्यवस्था नहीं है. कागजों पर बहुत कुछ हो रहा है लेकिन पहाड़ पर नहीं हो रहा. केंद्र सरकार ने कुछ साल पहले हिमालय इको मिशन का गठन किया था जिसके तहत पंचायतों को भूमि, वन और जल संरक्षण एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जानी थी लेकिन उस मामले में क्या हुआ, किसी को नहीं पता. जहां तक बेहतर सड़कों और ऊर्जा उत्पन्न करने का सवाल है तो निश्चय ही हिमालय में बसने वाले हर व्यक्ति को इसकी जरूरत है लेकिन हिमालय के विनाश की कीमत पर नहीं !

हिमालय तबाह हो रहा है तो इसका असर केवल पहाड़ पर नहीं, नीचे मैदानी भाग पर भी पड़ रहा है. केवल तीस-चालीस साल पहले गंगा में हर जगह भरपूर पानी भरा रहता था. यमुना स्वस्थ थीं. लेकिन मनुष्य की लालसा ने गंगा को भी पानी के लिए तरसा दिया है. उत्तरप्रदेश-बिहार से लेकर बंगाल तक यदि गर्मी में आप गंगा किनारे खड़े हों तो वास्तविक चौड़ाई के एक छोटे से हिस्से में गंगा सिमटी नजर आती हैं.

डर लगता है कि वक्त के किसी काल में क्या सरस्वती की तरह गंगा भी धरती में समा जाएंगी? वांगचुक यही तो कह रहे हैं! ये नदियां बची रहेंगी तो हम भी बचेंगे. सोनम वांगचुक की चिंता हम सबकी चिंता होनी चाहिए. वांगचुक ने ग्लेशियर बचाने का बेहतरीन रास्ता भी दिखाया है. सरकार, हम उस रास्ते पर क्यों नहीं चलते?

आपराधिक तत्वों की आखिर इतनी हिम्मत कैसे बढ़ जाती है?

पुणे में राज्य परिवहन निगम (एसटी) के अत्यंत व्यस्त स्वारगेट बस स्टैंड में खड़ी बस में एक युवती के साथ बलात्कार की घटना ने एक बार फिर समाज के जागरूक लोगों को झकझोर कर रख दिया है. घटना बुधवार की सुबह करीब पौने छह बजे घटी और उस समय बस अड्डा परिसर में कई लोग मौजूद थे तथा कई बसें भी थीं. क्या कोई ऐसी परिस्थिति में सार्वजनिक जगह पर इस तरह की वारदात होने की कल्पना कर सकता है? उस युवती ने भी नहीं की होगी, इसीलिए तो वह 'दीदी' बोलने वाले उस नराधम युवक के यह कहने पर कि उसके गंतव्य वाली बस दूसरी जगह से जाती है, भरोसा करके खाली पड़ी बस के पास चली गई, जहां आरोपी दत्तात्रय गाडे ने उसके साथ बलात्कार किया. यही नहीं, उसने युवती को इतना डराया-धमकाया कि वह तत्काल पुलिस में शिकायत करने की हिम्मत भी नहीं जुटा सकी. आरोपी का दुस्साहस देखिए कि क्या उसने एक बार भी नहीं सोचा कि सुरक्षा में तैनात 23 गार्डों वाले बस डिपो में युवती अगर चिल्लाई तो लोग दौड़ कर आ जाएंगे और वह पकड़ा जाएगा! निश्चित रूप से ऐसा आत्मविश्वास उसमें अचानक ही नहीं आ गया होगा, इसके पहले भी उसने इसी तरह के दुष्कृत्य किए होंगे और आराम से बच निकला होगा! इस तरह की आशंकाएं इसलिए भी गहराती हैं कि डिपो की पुरानी बसों से कंडोम, अंडरगारमेंट और शराब की बोतलें मिलने की बात कही जा रही है. चौंकाने वाली बात यह है कि घटनास्थल से मात्र कुछ ही दूरी पर पुलिस स्टेशन है. परिवहन विभाग के स्टॉफ, पुलिस और सुरक्षा गार्डों के होने के बावजूद अगर आपराधिक तत्वों के भीतर कोई खौफ नहीं है तो सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों के ऊपर यह संदेह तो होता ही है कि या तो इसमें उनमें से भी किसी की मिलीभगत थी या फिर घोर लापरवाही! याद करें तो कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जिस आरोपी संजय रॉय ने एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार कर उसे बेरहमी से मार डाला था, उस बलात्कारी का भी वहां बेरोकटोक आना-जाना था. क्या उसकी वहशी प्रवृत्ति के बारे में जिम्मेदार लोगों को पता नहीं रहा होगा? जांच के बाद तो मेडिकल कॉलेज का प्रबंधन ही शक के दायरे में आ गया था. इसी तरह स्वारगेट बस स्टैंड में भी परिवहन विभाग के स्टॉफ, वहां तैनात सुरक्षा गार्डों या पास में ही मौजूद पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति चौकस होते तो आपराधिक तत्वों के हौसले इतने बुलंद नहीं हो सकते थे. निश्चित रूप से इसकी जांच व्यापक स्तर पर होनी चाहिए, ताकि बस स्टैंड जैसी सार्वजनिक जगहों पर किसी भी यात्री, खासकर महिलाओं को अपने साथ कोई अनहोनी होने का डर न लगे और आपराधिक तत्वों के मन में यह खौफ हो कि अगर उन्होंने कोई गुस्ताखी करने की हिम्मत की तो कानून के लम्बे हाथों से वह बच नहीं पाएंगे और ऐसी सजा मिलेगी कि दुबारा कोई वैसा करने के बारे में कोई सोच भी न सके!

आज का कार्टून

दिव्य व भव्य अद्भुत महाकुंभ कीर्तिमान बनाते हुए संपन्न

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी के सूर्यास्त के साथ ही महाकुंभ का समापन हो चुका है,13 जनवरी से 26 फरवरी 45 दिन में 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने महाकुंभ में डुबकी लगाई है। महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी के घाटों पर डुबकी लगाने वालों की यह संख्या दुनिया के 193 देशों की आबादी से ज्यादा है। दुनिया में सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ 2025 में आए श्रद्धालुओं से अधिक है। वैसे भी महाकुंभ 2025 ने देश व दुनिया में विश्व के सबसे प्राचीन सनातन धर्म की महान संस्कृति व अद्भुत परंपराओं की दिव्यता का डंका बजाने का कार्य बखूबी किया है।मोदी व योगी सरकार के प्रयासों से इस बार प्रयागराज में संगम की पावन धारा में देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए लगभग 120 करोड़ सनातन धर्म के अनुयायियों में से लगभग 66 करोड़ से लोगों ने संगम में एक दिव्य अलौकिक डुबकी लगा करके अपने तन-मन की शुद्धि और आत्मा की तृप्ति करने वाला दिव्य अलौकिक अनुभव प्राप्त कराने का कार्य किया है। इस बार महाकुंभ में 75 देशों के डेलीगेट भी आये थे, देश व दुनिया के विभिन्न बड़े सेलिब्रिटी व उद्योगपति भी आये थे, जो सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के मद्देनजर एक बहुत ही अच्छा व सकारात्मक संकेत है।

दीपक कुमार त्यागी

महाकुंभ के दौरान देश में चंद लोगों की एक ऐसी जमात भी खडी हो गयी थी, जिन्हें महाकुंभ में सबकुछ ग़लत होता हुआ ही नजर आ रहा था। उन लोगों की जमात को महाकुंभ में बेहद खराब व्यवस्था नजर आ रही थी, गिद्ध दृष्टि के चलते हर तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ नज़र आ रहा था, नदी में जल की जगह मल-मूत्र वाला नालों का जहरीला गंदा पानी नज़र आ रहा था, जगह-जगह भोजन-पानी के लिए तरसते श्रद्धालु नज़र आ रहे थे, महाकुंभ में लूट-खसोट नज़र आ रही थी, पूजा-पाठ की जगह धार्मिक पाखंड नज़र आ रहा था, लेकिन 144 वर्ष बाद लगने वाले महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं ने इन दुष्प्रचार करने वाले लोगों के गैंग की एक भी ना सुनी और 13 जनवरी से 26 फरवरी महाकुंभ के समापन तक 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में पहुंच करके स्नान करके दुनिया के किसी भी तरह के आयोजन में सबसे ज्यादा लोगों के पहुंचने का कीर्तिमान बनाकर नया इतिहास रच डालने का कार्य कर दिया। महाकुंभ में दुनिया के 193 देशों की आबादी से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और महाकुंभ नगरी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इंतजामों की पूरी ही व्यवस्था अकल्पनीय अद्भुत नज़र आयी। हालांकि अब महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अंतिम स्नान 26 फरवरी 2025 के साथ त्रिवेणी के तट पर 13 जनवरी 2025 से सजा हुआ सनातन धर्म, संस्कृति व परंपराओं के अद्भुत महाकुंभ का मेला नित-नए कीर्तिमान को स्थापित करते हुए दिव्य, भव्य, नव्य व अलौकिक अनुभूति के साथ संपन्न हो गया है। आंकड़ों की बात करें तो महाकुंभ 2025 के समापन तक प्रयागराज में त्रिवेणी के विभिन्न घाटों पर लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान करके महाकुंभ को विश्व का सबसे बड़ा आयोजन होने का कीर्तिमान भारत के नाम करने का काम कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में यह एक ऐसा रिकॉर्ड बन गया है, जिसको किसी भी देश के द्वारा तोड़ना असंभव है। लेकिन इसके साथ ही महाकुंभ आयोजन की सबसे बड़ी बात यह रही कि 66 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्नान करवाने लिए संगम नगरी को तैयार करने की बहुत बड़ी चुनौती पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से खरे उतरे, उन्होंने इस असंभव कार्य को दिन-रात पूरी टीम के साथ मेहनत करते हुए धरातल पर संभव करके देश व दुनिया को दिखा दिया है। वैसे देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के प्रयासों से व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी सरकार के प्रचार-प्रसार, प्रयासों के चलते ही महाकुंभ 2025 के शुरू होने से पहले ही लगभग 40-45 करोड़ लोगों के आने का अनुमान लगाया जाने लगा था, लेकिन समापन महाशिवरात्रि तक संगम तट पर 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की भारी भरकम भीड़ उमड़ पड़ी, उस भारी-भीड़ ने देश व दुनिया को दिखा दिया कि अलग-अलग हिस्सों में बसे हुए सनातन धर्मी एकजुट, नियम कायदे कानून पसंद व बेहद ही अनुशासित हैं। तभी तो हजारों किलोमीटर की दूरी से आ कर के बहुत लंबी पैदल यात्रा करने के बाद भी संगम में उन सभी भक्तों के द्वारा अनुशासित होकर के स्नान की एक डुबकी लगाकर के सनातन धर्म, संस्कृति, परंपराओं व ईश्वर भक्ति के अटूट विश्वास को बयां करने का कार्य देश व दुनिया में बखूबी किया है और सनातन धर्म संस्कृति पर आये दिन तरह-तरह से प्रश्नचिन्ह लगाने वाले लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से जवाब दिया है। श्रद्धालुओं का यह कहना बिल्कुल भी ग़लत नहीं है कि प्रयागराज व पूरी महाकुंभ नगरी क्षेत्र केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा किये गये विभिन्न कार्यों की दिव्यता की झलक देश व दुनिया तक बयां करने का कार्य

बखूबी कर रहा है। देश व दुनिया से आये हुए संत-महात्माओं, नागा साधुओं व सनातन धर्म के अनुयायियों को त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान करा कर उन्हें प्राचीन व आधुनिकता के संगम से परिपूर्ण एक दिव्य अलौकिक आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कराने के लिए योगी सरकार ने कोई कोर-कसर धरातल पर नहीं छोड़ी है। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं ने अकल्पनीय दिव्य एवं भव्य आयोजन की सराहना करते हुए महाकुंभ के सफल आयोजन को योगी आदित्यनाथ सरकार की एक बहुत ही बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। वैसे भी देश व दुनिया के सनातन धर्म के अधिकांश लोगों का मानना है कि योगी आदित्यनाथ के प्रयासों के चलते ही इस भव्य दिव्य अद्भुत अलौकिक धार्मिक आयोजन को दुनिया के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। योगी सरकार ने जिस तरह से महाकुंभ में आये लगभग 66 करोड़ से ज्यादा लोगों की सुख-सुविधाओं के लिए भव्य आधुनिक इंतज़ाम किये वह प्रशंसनीय है। उन्होंने पूरे महाकुंभ में मुख्यमंत्री के रूप में सर्वाधिक बार आने का रिकॉर्ड बनाकर देश व दुनिया के सनातन धर्मियों को भावनात्मक रूप से यह एहसास करवाने का कार्य किया है कि वह सनातन धर्म की केवल अपने भाषणों में बात ही नहीं करते हैं, बल्कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद भी वह देश की मूल आत्मा सनातन धर्म, संस्कृति व उसकी परंपराओं को रोजमर्रा के अपने जीवन में जीने का कार्य करते हैं और उसके प्रचार-प्रसार व हित के लिए निष्ठा व ईमानदारी से धरातल कार्य करते हैं। लेकिन उसके बावजूद भी वोट बैंक की बेहद ओछी राजनीति के चलते महाकुंभ 2025 के शुरू होने से पहले योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश सरकार को कुछ लोगों ने अपने निशाने पर लेना शुरू कर रखा था। उन सभी लोगों के गैंग को महाकुंभ में पहले दिन से ही गंदगी के अंबार, अव्यवस्थाओं की भरमार, गंदा जल, कड़ाके की ठंड में स्नान करने से मरते लोग, भूख व प्यास से मरते लोग, अव्यवस्था की भेंट चढ़ते लोगों का जीवन, मरते हुए लोग, संगम में जेसीबी से बहा दी गयी लाशें, रेलवे व बस स्टेशनों आदि पर भारी भीड़ के चलते अव्यवस्था, गंदगी से भरी हुई जन सुविधाएं, प्रयागराज शहर में व उसके चारों तरफ सड़कों पर 300-300 किलोमीटर तक लगा लंबा जाम आदि नज़र आ रहा था। वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ में आने वाले आस्था से ओतप्रोत श्रद्धालुओं ने इस गैंग की बातों पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं किया, श्रद्धालु भारी संख्या में प्रयागराज पहुंचे और उन्होंने दिव्य संगम तट पर योगी सरकार के द्वारा किए गए आधुनिक दिव्य भव्य अकल्पनीय व्यवस्थाओं के अंबार को अपनी आंखों से देखा, उन्होंने संगम रेती पर बसे अद्भुत आध्यात्मिक महाकुंभ नगरी को देखा, अखाड़ों के नगर प्रवेश के भव्य जुलूस को देखा, अखाड़ों के अद्भुत पंडालों को देखा, दिव्य अद्भुत साधु-संतों को करीब से देखा, भस्म लपेट हुए धूनी रमाए नागाओं को तप करते हुए देखा, संगम की रेती में पूजा अर्चना करते हुए आम व खास लोगों को देखा, बहती मां गंगा को देखा, मां यमुना को देखा, संगम स्थल को देखा, सरस्वती कूप को देखा, पौराणिक अक्षय वट को देखा, संगम किनारे लेटे हुए हनुमान जी के मंदिर के दिव्य दर्शन करती भारी-भीड़ को देखा, अखाड़ों के दिव्य अमृत स्नान को देखा, आधुनिक टेंट नगरी को देखा, महाकुंभ में प्रतिदिन औसतन एक करोड़ लोगों को आस्था की डुबकी लगाते हुए देखा, रोज़ाना करोड़ों श्रद्धालुओं की भारी-भीड़ को सुरक्षित ढंग से नियंत्रित करते हुए पुलिस-प्रशासन को देखा, आस्था में ओतप्रोत होकर के दिव्य अलौकिक शक्ति की अनुभूति का अहसास करते लोगों को देखा, पावन दिव्य त्रिवेणी के घाट-घाट पर बिना किसी जाति भेदभाव के स्नान करते हुए सनातन धर्मियों की भारी-भीड़ का अंबार लगते देखा, एक दूसरे लोगों की मदद करते लोगों का व्यवहार देखा, अमीर व गरीब दोनों वर्गों के जो लोगों रोजी-रोटी कमाने की उम्मीद लगा कर आये थे उन लोगों के फलते-फूलते व्यापार को देखा, देश व दुनिया से आये लाखों ऐसे श्रद्धालुओं को देखा जिन्हें पूजा-पाठ व कल्पवास में रहकर शांति मिली रही अपार, सनातन को समझने आये देश व दुनिया के पर्यटकों ने खोज करी हज़ार। लेकिन अफसोस महाकुंभ में बहुत ही शानदार व अकल्पनीय व्यवस्था होने के बावजूद भी कुछ गिद्ध दृष्टि वाले लोग सनातन धर्म व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विरोध में बूरी तरह से अंधे होकर के महाकुंभ की व्यवस्था में कमियां ही कमियां गिनाते फिर रहे थे।

लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी भी आलोचना की परवाह नहीं की और वह महाकुंभ 2025 की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर उसे सफल बनाने में लगे रहे। जिस व्यवस्था को बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार व योगी सरकार ने 7500 करोड़ रुपए खर्च किये। जिसके फलस्वरूप ही लगभग 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने महाकुंभ पहुंच करके स्नान करके दुनिया के सबसे बड़े आयोजन का खिताब हासिल करके इतिहास रचने कार्य किया। वैसे भी देखा जाए तो महाकुंभ के इस आयोजन का धार्मिक आस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था से भी बहुत गहरा संबंध है, इस आयोजन के दौरान प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, विंध्याचल, चित्रकूट, मथुरा-वृन्दावन, लखनऊ, आगरा, दिल्ली आदि में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भारी भीड़ का तांता लगा रहा है, जिनसे इस क्षेत्र में विभिन्न प्रकार का व्यापार जमकर फला-फूला है, जिससे उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त मजबूती मिलेगी।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआइटी) के अनुमान के अनुसार, महाकुंभ में 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की उम्मीद है। वहीं सीटीआई के अनुमान के अनुसार महाकुंभ में 3.5 लाख करोड़ रुपए का व्यापार होने का अनुमान है, जिससे उत्तर प्रदेश व केंद्र सरकार दोनों को भारी लाभ होगा। देश व दुनिया के लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते महाकुंभ 2025 आस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संगम बन चुका है।

महाकुंभ में क्यों नहीं गए राहुल-प्रियंका, ममता-लालू...

विपक्ष के बड़े नेताओं ने महाकुंभ में जाने से तो परहेज किया लेकिन प्रयागराज और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर ये सभी नेता एकजुट हो गए और उन्होंने मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर जोरदार हमले किए। इन दोनों जगहों पर हुई भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई थी। विपक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। महाकुंभ के मेले के दौरान विपक्षी नेताओं के विवादित बयानों की भी काफी चर्चा रही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में योगी आदित्यनाथ सरकार पर महाकुंभ के मेले में बदइंतजामी को लेकर हमला किया और इस आयोजन को 'मृत्यु कुंभ' बता दिया। विवाद होने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी यह टिप्पणी आयोजन में हुई कमियों को लेकर थी।

पवन उप्रेती

प्रयागराज में हुए महाकुंभ में 66 करोड़ से ज्यादा लोगों ने डुबकी लगाई। इसमें भारत के सभी राज्यों से लोग बढ़-चढ़कर शामिल हुए। चूंकि बीजेपी केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार की अगुवाई कर रही है इसलिए पार्टी के सभी दिग्गजों ने भी कुंभ में डुबकी लगाने का मौका हाथ से नहीं जाने दिया। ऐसे नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित बीजेपी शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री और पार्टी के तमाम बड़े नेता शामिल रहे। इन सभी ने योगी सरकार को महाकुंभ में किए गए इंतजामों के लिए बधाई दी। महाकुंभ के आयोजन के दौरान यह सवाल उठा था कि आखिर विपक्षी नेता हिंदुओं के इस सबसे बड़े समागम में शामिल क्यों नहीं हो रहे हैं? लेकिन विपक्ष के बड़े नेताओं ने अंत तक महाकुंभ से दूरी ही बनाए रखी। यह भी कहा गया कि महाकुंभ के इस आयोजन से हिंदुत्व की राजनीति मजबूत होगी और बीजेपी को इसका फायदा मिलेगा।ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या विपक्ष के नेताओं ने महाकुंभ में न जाकर खुद के लिए सेल्फ गोल कर लिया है? क्या उन्हें इससे भविष्य में कोई बड़ा राजनीतिक नुकसान

हो सकता है?

विपक्ष के बड़े नेताओं ने महाकुंभ में जाने से तो परहेज किया लेकिन प्रयागराज और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर ये सभी नेता एकजुट हो गए और उन्होंने मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर जोरदार हमले किए। इन दोनों जगहों पर हुई भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई थी। विपक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने भीड़ नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

महाकुंभ के मेले के दौरान विपक्षी नेताओं के विवादित बयानों की भी काफी चर्चा रही। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में योगी आदित्यनाथ सरकार पर महाकुंभ के मेले में बदइंतजामी को लेकर हमला किया और इस आयोजन को 'मृत्यु कुंभ' बता दिया। विवाद होने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी यह टिप्पणी आयोजन में हुई कमियों को लेकर थी।

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी एक बयान को लेकर बीजेपी ने उन पर हमला बोला। खड़गे ने एक सभा में कहा, 'क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी मिट जाएगी, क्या इससे आपको पेट भरने के लिए भोजन मिलेगा?' इसी बीच, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कुंभ को 'फालतू' बताया। याद दिलाना होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में भागलपुर में हुई एक जनसभा में बिना नाम लिए लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला था और कहा था कि राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग अब महाकुंभ को कोस रहे हैं।

विपक्ष के नेताओं में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ही ऐसे रहे, जिन्होंने महाकुंभ को लेकर नपी-तुली राय सामने रखी। लालू प्रसाद यादव और मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणियों को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था, 'मैं कौन होता हूं किसी की आस्था पर सवाल उठाने वाला। कुछ महीने पहले मैं उमराह (मक्का की तीर्थयात्रा) के लिए गया था, तो कुछ लोग कह सकते हैं कि इससे क्या फर्क पड़ता है? मेरी आस्था कहती है कि मुझे जाना चाहिए, इसलिए मैं गया। अब अगर किसी की आस्था कहती है कि उन्हें महाकुंभ में स्नान करना चाहिए, तो हमें इसमें दखल देने की क्या जरूरत है? हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे बीजेपी को यह कहने का मौका मिले कि हम हिंदुओं के खिलाफ हैं।'

कांग्रेस नेताओं में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, सचिन पायलट और दिग्विजय सिंह समेत कई कांग्रेस नेताओं ने संगम में डुबकी लगाई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी प्रयागराज में स्नान किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि धर्म और आध्यात्म व्यक्तिगत पसंद का मामला है। पिछले साल राम मंदिर के निर्माण के दौरान भी पार्टी ने यही रुख अपनाया था।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2001 में कुंभ में स्नान किया था। उस समय उन्होंने राजनीतिक जीवन में कदम रखा ही था, तब वह विपक्ष की नेता थीं और उनके भारतीय होने को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे थे। सोनिया गांधी 2007 में फिर से कुंभ जाना चाहती थीं लेकिन कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि उस वक्त की उत्तर प्रदेश की सपा सरकार ने जरूरी सुरक्षा नहीं दी और इस वजह से सोनिया कुंभ नहीं जा सकीं।

लेकिन इस बार गांधी परिवार ने कुंभ से पूरी तरह दूरी बनाए रखी। ऐसी अटकलें थी कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कुंभ में स्नान कर सकते हैं लेकिन वह नहीं आए। यह हैरान करने वाली बात थी क्योंकि राहुल गांधी पिछले कुछ सालों में कई बार मंदिरों में जा चुके हैं और संसद में भी अपने भाषण में शिव और हिंदू धर्म ग्रंथों का जिक्र कर चुके हैं। ना ही उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा महाकुंभ में पहुंचीं।

महाकुंभ में ना आने को लेकर विपक्ष के नेता सत्ता पक्ष के निशाने पर भी रहे। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाकुंभ में नहीं जाकर हिंदुओं का 'अपमान' किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार कर देना चाहिए। उद्धव ठाकरे और गांधी परिवार के महाकुंभ में न जाने को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी हमला किया। उन्होंने कहा, 'बाल ठाकरे ने नारा दिया था- 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं', लेकिन अब वे खुद को हिंदू कहने से डरते हैं और (बाल ठाकरे) को हिंदू हृदय सम्राट कहते हैं।'

राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

बोकारो (ससे): झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला प्रशासन बोकारो द्वारा शनिवार को डीवीसी फुटबॉल मैदान, चन्द्रपुरा में राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन आदिम जनजातियों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए किया गया।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय सह कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय, राँची, कुमारी रंजना अस्थाना आदि शामिल हुए। शिविर को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय सह कार्यकारी अध्यक्ष झालसा द्वारा सरकारी संस्थाओं द्वारा दी जा रही लाभ महिलाओं की भागीदारी तथा डायन कुप्रथा के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। इसी तरह प्रदीप कुमार श्रीवास्तव न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय,रांची द्वारा सरकारी योजनाओं के संबंध में बताया गया। मौके पर अपने संबोधन में उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से जिलान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधा/सेवाएँ प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनान्तर्गत कुल ३ लाख ७५ हजार १८७ लाभुकों को योजना से लाभान्वित करते हुए सभी सुयोग्य लाभुकों को दो हजार पाँच सौ रूपये की आर्थिक सहायता राशि का भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ हो रही है।

युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करते हुए जिला में १५२ चौकीदारों की नियुक्ति की गयी है। साथ हीं मनरेगा अंतर्गत संविदा आधारित रिक्त पदों पर बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए ५० पदों पर यथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक एवं कम्प्यूटर सहायक को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से २७ पारा मेडिकल कर्मियों एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के तहत १० कर्मियों की नियुक्ति की गयी है।

इसके साथ ही बोकारो जिले ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा, आपूर्ति, समाजिक सुरक्षा, विकास, योजना, कल्याण, एवं समाज कल्याण शाखा इत्यादि विभागों के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए विकास का नया आयाम स्थापित* किया है।

वहीं, उपायुक्त ने जानकारी दी कि आज के इस राज्य स्तरीय शिविर में जिला प्रशासन द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ४८२ स्वयं सहायता समूहों के बीच १२ करोड़ ६८ लाख रू० की राशि का वितरण माननीय न्यायामूर्तिगणों एवं अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कुल २२ स्टॉल के माध्यम से आम जनों को योजनाओं की आहर्ता - लाभ की जानकारी दी गई।

मौके पर न्यायामूर्तिगणों द्वारा सांकेतिक रूप से अन्नप्राशन एवं गोदभराई का रस्म भी किया है। विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण किया गया।

इस राज्य स्तरीय विधिक सेवा सह-सशक्तिकरण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा कुल एक अरब ६५ करोड़ ४४ लाख ५१७१६ रुपए की परिसंपत्ति भौतिक तथा आभासी रूप से वितरित किया गया।

इस अवसर पर सीसीएल, डीवीसी एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड के तहत लाभुकों के बीच सिलाई मशीन, सोलर लैंप और वाटर मशीन वितरण किया गया। वहीं, वन विभाग द्वारा ५०० पौधा आमजनों के बीच वितरण किया गया। उक्त शिविर के सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु पैनल अधिवक्तागण एवं पारा लिगल वालन्टियर्स का पदस्थापित किया गया था। जिनके द्वारा लोगों को विधिक सहायता प्रदान किया गया।

शिविर में डीआइजी कोयला प्रक्षेत्र सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ समेत सभी जिला स्तरीय, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी व न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्तागण आदि उपस्थित थे।

बीजीएच में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): बीजीएच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय की अध्यक्षता में अस्पताल में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में बी जी एच के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आनंद कुमार एवं डॉ अनिन्दा मंडल के साथ वरीय चिकित्सक तथा चिकित्साकर्मी उपस्थित थे. कार्यशाला का संचालन बी एस एल के राजभाषा अधिकारी उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) आलोक कुमार तथा सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) मानस चंद्र रजवार, द्वारा किया गया. कार्यशाला में राजभाषा विभाग की तरफ से डॉ एन के राय , प्रधानाचार्य (शिक्षा विभाग) उपस्थित थे.

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों और कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों - कर्मचारियों का स्वागत करते हुए विभागीय हिंदी अधिकारी डॉक्टर कुमारी अल्पना ने विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में प्रगति से संबंधी संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि श्री एन के राय ने राजभाषा नियमों और सांविधिक प्रावधानों से जुड़े भारत सरकार की नीति, वार्षिक कार्यक्रमों, निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों, विश्वपटल पर हिंदी के बढ़ते चरण आदि विषयों पर विस्तृत रूप से एक प्रस्तुतीकरण दिया और राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करना आवश्यक बताया.

डॉ बी बी करुणामय ने अपने उद्बोधन में बोकारो जनरल अस्पताल का राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई और दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु वरीय चिकित्सकों तथा चिकित्सा कर्मियों का उत्साहवर्द्धन किया. उन्होंने हिंदी भाषा में कामकाज को बढ़ावा देने की दिशा में सेल राजभाषा विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला. इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता एवं पोस्टडर/ स्केच प्रतियोगिता रखी गई थी. प्रतियोगिता मे चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम का समापन श्रीमती मोयना मंडल, उप प्रबंधक (बी जी एच) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया.

कर्नाटक में सभी उत्पादों पर कन्नड़ लिखना जरूरी

बेंगलुरु(ईएमएस): कर्नाटक सरकार ने सरकारी ऑफिस, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। इस कदम का मकसद प्रशासन, शिक्षा और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देना है। सरकार ने इस संबंध में सर्कलर जारी किया था। सरकार के मुताबिक यह फैसला कन्नड़ लैंग्वेज कॉम्प्रीहेंसिव डेवलपमेंट एक्ट के तहत लिया गया है। ये २०२२ में लागू किया गया था, जो १२ मार्च २०२५ से प्रभावी होगा। इसका उद्देश्य कन्नड़ भाषा का व्यापक विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर अवसर देना है।

सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई इंस्टीट्यूट या व्यक्ति इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को इस नियम के सख्ती से पालन की निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं। कर्नाटक में लंबे समय से कन्नड़ भाषा के संरक्षण और प्रचार को लेकर आंदोलन होते रहे हैं। हाल ही में बेंगलुरु में दुकानों पर गैर-कन्नड़ नेम प्लेट को लेकर प्रदर्शन हुए थे।

कैरियर परामर्श को लेकर संगोष्ठी का आयोजन

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय सभागार में शनिवार को कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा प्रतियोगिता परीक्षाओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में एलआरडीसी डुमरी सह प्रभारी एसडीओ डुमरी जीतराय मुर्मू ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी प्रो योगेश प्रसाद मंच संचालन करते हुए मुख्य अतिथि का स्वागत किये।मुख्य अतिथि श्री मुर्मू ने छात्र-छात्राओं को अपने संबोधन में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय के उप प्राचार्य यशवंत कुमार सिन्हा शिक्षक प्रतिनिधि डॉ शशिभूषण,डॉ उमा पांडेय,प्रो विनोद कुमार अकेला,डॉ पिंटू पांडेय,प्रो मधु जायसवाल सहित शिक्षकों ने अपने-अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षा में सफल होने का तकनीक बताएं।

बैंक में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली के दरियागंज इलाके में स्थित एक बैंक में शनिवार सुबह आग लग गई। आग लगने के संबंध में अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना सुबह ०९ बजकर २५ मिनट पर गोलचा सिनेमा के सामने स्थित एक्सिस बैंक में हुई है। घटनास्थल पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गई। अधिकारी ने बताया कि आग पर पूर्वाह्न १०.१० पर काबू पा लिया गया है। जानकारी अनुसार यह आग बैंक के एक तल पर लगे एयर-कंडीशनर और फर्नीचर व दस्तावेजों में लगी थी। इस आग से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

खनन विभाग की टीम ने वन क्षेत्र में चलाया छापेमारी अभियान

बोकारो (ससे): उपायुक्त बोकारो विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं जिला खनन पदाधिकारी के मार्ग दर्शन में शनिवार को जिला के जगेश्वर विहार थानांतर्गत मौजा दनिया के वन क्षेत्र पर खनन टीम ने छापामारी अभियान चलाया।

जिसमें उक्त स्थल पर अवैध रूप से रेट होल माइनिंग कर कोयला खनिज के उत्खनन करने का साक्ष्य पाया गया, उक्त स्थल पर अवैध रूप से कोयला खनिज का उत्खनन के दरम्यान किए गए सुरंगों के मुहाने को जेसीबी के माध्यम से टीम ने बंद कराया। वहीं, उक्त अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों पर जगेश्वर विहार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। छापेमारी अभियान टीम में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू, वनरक्षी अजीत कुमार मुर्मू, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र, वनरक्षी विकास कुमार महतो, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र,स.अ.नि विशाल कुमार, जगेश्वर विहार थाना,वन सुरक्षा बल एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

बैंकों को हाईकोर्ट की चेतावनी

मुंबई (ईएमएस): मुंबई हाईकोर्ट ने बैंकों द्वारा ऋण खातों को डिफाल्टर और फ्रॉड घोषित करने के मामले में कड़ी चेतावनी दी है। हाईकोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी की याचिका पर यह निर्णय सुनाया है। अनिल अंबानी ने यूनियन बैंक आफ इंडिया से ऋण लिया था। बैंक ने अनिल अंबानी के ऋण खाते डिफॉल्ट में डालकर फ्रॉड घोषित कर कार्रवाई शुरू कर दी। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों का पालन बैंक द्वारा नहीं किया गया।

यूनियन बैंक ने जानबूझकर अनिल अंबानी के बैंक खाते को डिफाल्टर घोषित करके फ्रॉड की श्रेणी में डालकर कार्यवाही शुरू कर दी गई थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा, बैंकों को अपना दिमाग लगाना चाहिए। बैंकों में जनता का पैसा लगा है। हाईकोर्ट ने कहा कि बैंकों के इसी तरह के मामले बार-बार सामने आ रहे हैं। इस पर रोक लगनी चाहिए।

24 घंटे के अंदर कूड़ें-कचड़ों को साफ कराएं : उपायुक्त

बोकारो (ससे): समाहरणालय बोकारो के बगल में पर्यटन विभाग द्वारा आवंटित भवन में जायका हैपनिंग रेस्टुरेंट का संचालन किया जा रहा है। प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि प्रबंधन द्वारा जायका हैपिनिंग से निकलने वाले कुड़े-कचड़े, पानी / शराब की बोतलें/ रैपर्स / फल-फूल इत्यादि के अवशिष्ट पदार्थों को समाहरणालय परिसर के आस-पास फेंका जा रहा है या उसे जलाया जा रहा है। खाने-पीने की वस्तुओं को फेंके जाने की स्थिति में तथा रेस्टोरेंट के बाहर रखे हुए कूड़ेदान में फेंके गये अवशिष्ट पदार्थों को खाने के लिए गाय-भैंस इत्यादि जानवर भटकते रहते है। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।

साथ ही,पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। अवशिष्ट पदार्थों के दुर्गंध से समाहरणालय के पदाधिकारियों/ कर्मियों के साथ ही आमजनों को भी परेशानी होती है। इसको लेकर

उपायुक्त विजया जाधव ने रेस्टोरेंट प्रबंधन को चेतावनी दी है कि २४ घंटे के अंदर समाहरणालय परिसर के आस-पास तथा अन्य स्थानों पर रेस्टोरेंट द्वारा फेंके गये कूड़े-कचड़े को साफ कराएं।

अन्यथा पर्यावरण को प्रदूषित करने एवं सरकारी सम्पति का दुरुपयोग कर आमजनों को परेशान करने के आरोप में प्रबंधन के विरूद्ध रू०- ५०००/- (पाँच हजार) का आर्थिक जुर्माना लगाते हुए अन्य दण्डणात्मक कार्रवाई की जायेगी।

सीसीएस विभाग ने मासिक उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के एस एम एस -२ सी सी एस विभाग ने फरवरी २०२५ माह में ३,००,४६० टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया. यह फरवरी महीने में सेल में किसी भी एसएमएस द्वारा अब तक का सबसे अधिक क्रूड स्टील का उत्पादन है. फ़रवरी माह में क्रूड स्टील के मासिक उत्पादन का पिछला सर्वश्रेष्ठ भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस-३, के द्वारा २,९४,३७५ टन किया गया था. उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट का एस एम एस -खख सी सी एस विभाग अपने प्रदर्शन के स्तर में लगातार बेहतरी लाते हुए नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस कड़ी में स एम एस -खख सी सी एस विभाग ने विगत दिनाँक १६ फ़रवरी को एक दिन में ४७ हीट के साथ १३२८१ टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया था. इसके पूर्व दिनाँक २० अक्टूबर २०२२ को एस एम एस -खख सी सी एस विभाग द्वारा ४६ हीट के साथ १२८८० टन क्रूड स्टील का रिकॉर्ड दैनिक उत्पादन किया गया था. बोकारो स्टील प्लांट के एस एम एस -खख सी सी एस विभाग ने वर्ष २०२५ के जनवरी माह में भी ३३७५०० टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर पूरे सेल में क्रूड स्टील के मासिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया था.

निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील के शीर्ष प्रबंधन ने मुख्य महाप्रबंधक (एस एम एस -खख सी सी एस) श्री अरविन्द कुमार एवं उनकी समस्त टीम तथा सभी सहयोगी विभागों तथा संविदा कर्मियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है.

रूपेश कुमार के रक्षक प्रोजेक्ट को अपनाएगी भारत सरकार

बोकारो (ससे): गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास दिशा में डीपीएस बोकारो की कटिबद्धता ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। विद्यालय का छात्र रहे रूपेश कुमार के वैज्ञानिक नवाचार संबंधी प्रोजेक्ट 'रक्षक' को अब भारत सरकार अपनाने जा रही है। सड़क हादसों में लोगों की जान बचाने में काफी महत्वपूर्ण उसके इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार ने 'इंस्पायर मानक अवार्ड स्कीम' के तहत पेटेंट प्रदान किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन) की ओर से इससे संबंधित सारी प्रक्रियाएं पूरी की गई।

अब संभावना है कि आनेवाले दिनों में कार बनाने वाली कंपनियां उसके इस प्रोजेक्ट को इस्तेमाल करेगी और सड़क दुर्घटनाओं में समय रहते लोगों की जान बचाई जा सकेगी। बता दें कि रूपेश ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन - रक्षक तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। इसके अलावा उक्त एप में रजिस्टर्ड आसपास के कार चालकों को भी लोकेशन व सूचना मिल जाएगी। घर-परिवार के लोगों को भी अलर्ट मिल जाएगा। रूपेश की इस उपलब्धि से डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष है।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इसके लिए उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। रूपेश प्रतिभाशाली छात्र रहा है। उसकी वैज्ञानिक कुशलता को विद्यालय ने पहचाना और तराशते हुए आज यह मुकाम दिलाया कि उसे सरकार से पेटेंट मिल सका। उसके द्वारा बनाया गया रोड सेफ्टी डिवाइस सड़क-सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी अहम है।

डीपीएस बोकारो से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के लिए चयनित होने वाले रूपेश को तीन महीने बाद जून २०२५ में जापान टूर का भी मौका मिला है। उक्त योजना के तहत अंतिम चरण में चयनित होने पर उसे पुरस्कार-स्वरूप लगभग आठ लाख रुपए की पुरस्कार-राशि भी मिलेगी और राष्ट्रपति भवन में चार दिनों तक आतिथ्य का अवसर भी मिलेगा।

अपनी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता तथा डीपीएस बोकारो परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रूपेश ने कहा कि जिस तरह का सेफ्टी डिवाइस उसने बनाया है, अगर कार निर्माता कंपनियां पहल करें, तो वह अपने आइडिया को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतार सकता है। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि सभी वाहन चालकों का डाटा एक जगह सुरक्षित रह पाएगा। साथ ही, सड़क हादसों के समय मिलने वाले लोकेशन के आधार पर संबंधित इलाके के एक्सीडेंट जोन की भी जानकारी मिल सकेगी।

फिलहाल सीबीएसई १२वीं बोर्ड की परीक्षा दे रहे रूपेश ने बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना प्रमुख चुनौतियों में से एक है। भागम-भाग और रफ्तार की होड़ में हर साल अपने देश में लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत सड़क हादसे में होती है। इनमें लगभग ३० फीसदी यानी लगभग ४५ हजार लोगों की मौत सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने के कारण हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने और सही समय पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से ही उसने यह प्रोजेक्ट तैयार किया, जिसे पूरा करने में इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के तहत भारत सरकार की तरफ से उसे पारितोषिक के रूप में सहयोग भी मिला।

रूपेश ने बताया कि लगभग कुछ वर्ष पहले उसके पिता बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार के एक पूर्व सैनिक मित्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। अगर सही समय पर एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के बाद ही उसे यह आइडिया सूझा कि कुछ ऐसा उपकरण वह बनाए, जिससे सड़क हादसे में घायल लोगों की जान समय रहते बचाई जा सके। उसने इस बारे में अपने विद्यालय में संबंधित गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी से बात की और उनकी मदद से इस प्रोजेक्ट की ओर काम आगे बढ़ाया। प्रारंभिक स्तर पर इसे मूर्त रूप देने में उसे लगभग एक महीने का समय लगा था और करीब १२०० रुपए का खर्च आया था। इस प्रोजेक्ट के लिए उसने सभी सामान आनलाइन जुगाड़ किए थे।

रूपेश द्वारा बनाया गए डिवाइस में एमसीयू (माइक्रोकंट्रोलर यूनिट), सेंसर, जीपीएस, सिम कार्ड, एक्सीलरेशन डिटेक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जबकि, इससे जुड़े मोबाइल ऐप में वाहन चालक का नाम, घर का पता, ब्लड ग्रुप एवं परिजनों के मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड रहते हैं। कंप्यूटर कोडिंग की मदद से उक्त डिवाइस में सभी संबंधित डाटा को फीड किया जाता है। रूपेश ने बताया कि इसमें खास तरह के सेंसर का इस्तेमाल किया गया है, जो कार की स्पीड और झटके के दबाव का पता लगाता है। सुरक्षित सीमा से अधिक रफ्तार होने पर यह डिवाइस ड्राइवर को अलर्ट भी करता है। वहीं, एक्सीडेंट होने पर वाहन की गति और गाड़ी पर झटके से अचानक पड़ने वाले दबाव का पता लगाकर सेंसर एमसीयू को संदेश भेजता है, जहां से संबंधित नंबरों पर फोन और एसएमएस चला जाता है।

गौरतलब है कि डीपीएस बोकारो के रूपेश के साथ-साथ झारखंड से कुल दो विद्यार्थियों के वैज्ञानिक नवाचार को पेटेंट मिला है। दूसरा छात्र कोयलानगर, धनबाद का तुहीन भट्टाचार्जी है, जिसने कोयला चोरी रोकने को लेकर एक परिवहन प्रणाली विकसित की है। बता दें कि रूपेश ने डीपीएस बोकारो से नागपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित १०८वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में भी झारखंड का प्रतिनिधित्व कर पूरे राज्य का मान बढ़ाया था। बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार एवं बिहार में राजस्व पदाधिकारी सुनीता कुमारी के होनहार पुत्र रूपेश की शुरू से ही कोडिंग में रुचि रही है। वह आगे चलकर एक सफल कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है।

बिहार में विशेष शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को ५९,०२८ विशिष्ट शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे. इनमें ५५,८४५ प्रारंभिक शिक्षक, २,५३२ माध्यमिक शिक्षक और ६५१ उच्च माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नीलम कुमारी, रुस्तम अली, नीलू राय, अच्युत कुमार और दीपक कुमार तिवारी को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया. इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी नवनियुक्त शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उनसे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं. वर्ष २००६-०७ से पंचायत एवं नगर निकायों के माध्यम से बड़े पैमाने पर शिक्षकों की भर्ती की गई थी. इसके बाद, २०२३ से सरकारी शिक्षकों की बहाली के लिए बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से परीक्षा आयोजित की गई.

मुख्यमंत्री ने बताया कि नियोजित शिक्षकों के लिए सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें अब तक २.५३ लाख से अधिक शिक्षक उत्तीर्ण होकर सरकारी शिक्षक के रूप में बहाल हो चुके हैं. वर्तमान में ८६ हजार नियोजित शिक्षक शेष हैं, जो परीक्षा उत्तीर्ण कर जल्द ही सरकारी सेवा में शामिल होंगे. कार्यक्रम में १०० शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जबकि अन्य शिक्षकों को उनके जिलों से नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं.

नीतीश कुमार ने बताया कि हाल ही में बीपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में ६६,८०० शिक्षक और ४२,९१८ प्रधानाध्यापक उत्तीर्ण हुए हैं, जिन्हें जल्द ही नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे. उन्होंने कहा कि अब बिहार में सरकारी शिक्षकों की कुल संख्या ५.८० लाख से अधिक हो गई है. सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए लगातार प्रयासरत है.

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है, खासकर महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं. उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि शिक्षकों की नई बहाली में भी महिलाओं की भागीदारी काफी अधिक है. उन्होंने शिक्षा मंत्री से शिक्षण कार्य पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सके.

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी और शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी उपस्थित थे. सभी ने शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने की अपील की.

सीएम नीतीश को जन्मदिन की दी गई बधाई

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार १ मार्च, २०२५ दिन शनिवार को अपना ७४वां जन्मदिन मना रहे हैं. इस मौके पर बिहार समेत पूरे देशभर से उन्हें शुभकामनाएं मिल रही हैं. गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं. आपके नेतृत्व में बिहार में एनडीए जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बना है. आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना करता हूं.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. बिहार की प्रगति में उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है. मैं उनके दीर्घायु होने और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं.

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! माता जानकी से आपके समृद्ध, सुदीर्घ एवं आरोग्यमय जीवन की प्रार्थना है.

वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने एक्स पर लिखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं.

बिहार सरकार में डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने एक्स पर लिखा कि बिहार को कुशासन से सुशासन की ओर ले जाने वाले यशस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी, आपको जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं. ईश्वर से आपके स्वस्थ, खुशहाल और दीर्घायु जीवन की कामना है.

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी एक्स पर लिखा कि अंधेरे की गर्त से निकालकर बिहार को अंजोर की ओर ले जाने वाले, बिहार के विकासपुरुष, सुशासन बाबू, जन-जन के प्रिय, लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और अशेष शुभकामनाएं. प्रभु से आपके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना करते हैं. आपके नेतृत्व में बिहार विकास के नव आयाम स्थापित करता रहे.

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने एक्स पर लिखा कि बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना है.

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह-सुबह ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके जन्मदिन की बधाई दी. साथ ही उनकी लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बिहार के यशस्वी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके जन्मदिन पर ढेरों शुभकामनाएं. उनके नेतृत्व में राज्य विकास के नए पथ पर अग्रसर हुआ है. ईश्वर उन्हें स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करे.

घर में घुसकर महिला से दरिंदगी की कोशिश

मुजफ्फरपुर (एजेंसी): जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है. आरोपी, जो महिला का पड़ोसी बताया जा रहा है, जबरन उसके घर में घुस आया और दरवाजा बंद कर दुष्कर्म का प्रयास किया. पीड़िता के विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. घटना के बाद पीड़िता को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे इलाज के लिए एसकेएमसीएच (श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों के अनुसार, महिला की हालत स्थिर है, लेकिन वह मानसिक रूप से काफी डरी हुई है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

नीतीश कुमार ही होंगे बिहार के अगले मुख्यमंत्री : अरुण भारत

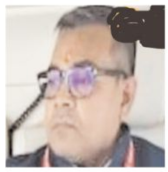

जमुई (एजेंसी): लोजपा (आर) सांसद अरुण भारती ने कहा कि आगामी चुनाव के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे और सेहरा उन्हीं के सिर पर सजेगा. उन्होंने एनडीए गठबंधन की मजबूती का जिक्र करते हुए कहा कि चुनाव संगठित होकर लड़ा जाएगा और इसका फायदा गठबंधन को मिलेगा. सांसद ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें किस बात की बौखलाहट है, यह समझ से परे है. उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव बिहार के विकास में योगदान नहीं देना चाहते हैं, बल्कि अन्य युवा इस दिशा में काम करना चाहते हैं.

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में आने को लेकर उन्होंने कहा कि निशांत अभी सक्रिय राजनीति में नहीं आए हैं, लेकिन अगर वे आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा. उन्होंने कहा कि कोई भी युवा अगर बिहार के विकास के लिए आगे आता है, तो पार्टी उसका पूरी तरह समर्थन करेगी.

भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अरुण भारती ने कहा कि राजद में टूट हो सकती है, क्योंकि वहां के नेताओं की बयानबाजी और कार्यशैली में तालमेल नहीं दिखता है. उन्होंने कहा कि एनडीए पूरी तरह संगठित है और चुनाव में मजबूती से उतरेगा, जिससे राजद २० सीटों पर सिमट जाएगी.

सांसद ने अंत में दोहराया कि आगामी विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा और बिहार की जनता एक बार फिर उन्हें अपना नेता चुनेगी.

बिहार में चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी): बिहार में आगामी चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है. मंत्री अशोक चौधरी ने दावा किया है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में जल्द ही बड़ा विभाजन होने वाला है. उन्होंने कहा कि राजद में असंतोष गहराता जा रहा है और इसके कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं. चौधरी के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं.

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अशोक चौधरी के बयान का समर्थन किया और इसे राजद के अंदर चल रही कलह का संकेत बताया. भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि राजद में आंतरिक असंतोष बढ़ रहा है और वहां के नेता घुटन महसूस कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि राजद के कई विधायक पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं और जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा.

राजद ने अशोक चौधरी के दावे को खारिज करते हुए उन पर करारा हमला बोला. राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि अशोक चौधरी को राजद की चिंता करने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि राजद संघर्ष और विचारधारा की पार्टी है, जो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है. उन्होंने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस में हैं और उनके परिवार के सदस्य विभिन्न पार्टियों में पद हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं.

कांग्रेस ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए जदयू को निशाने पर लिया. कांग्रेस प्रवक्ता स्नेहाशीष वर्धन ने कहा कि जदयू के दूसरे पंक्ति के नेता अपने राजनीतिक भविष्य की तलाश में भटक रहे हैं. उन्होंने कहा कि जदयू जल्द ही भाजपा से अलग होकर अस्तित्व की लड़ाई लड़ने वाली पार्टी बन जाएगी.

चुनाव से पहले बिहार की राजनीति में घमासान तेज हो गया है. राजद में संभावित टूट की अटकलों के बीच विपक्षी दलों की बयानबाजी भी तेज हो गई है. अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह राजनीतिक लड़ाई आने वाले दिनों में क्या नया मोड़ लेती है और क्या सच में राजद में कोई बड़ी टूट देखने को मिलती है या यह केवल एक सियासी बयानबाजी भर है.

कटिहार बालिका गृह से दो नाबालिग लड़की लापता

कटिहार (एजेंसी): कटिहार के बृहत आश्रय गृह में संचालित बालिका गृह से दो नाबालिग लड़कियों के लापता होने की सूचना मिली है. ये दोनों किशोरियां किशनगंज जिले से ट्रैफिकिंग मामले में बरामद की गई थीं और बाद में कटिहार बाल सुधार गृह भेजी गई थीं. अब इनके अचानक लापता होने से प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. गौरतलब है कि कटिहार का यह बाल सुधार गृह पहले भी विवादों में रहा है. इससे पहले भी यहां से कई बच्चे और किशोर भाग चुके हैं. हालांकि, तब सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की मदद से भागे हुए किशोरों को बरामद कर लिया गया था. लेकिन इस बार लापता हुई लड़कियों के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है,

ट्रक से टकराई बस, 4 की मौत

आगरा,(ईएमएस): आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक में टक्कर होने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि १९ घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब लखनऊ से आगरा जा रही बस ओवरटेक करते समय ट्रक से टकरा गई। हादसा शनिवार को हुआ था, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बस लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर ओवरटेक करते समय अनियंत्रित हो गई और ट्रक से टकरा गई।

पुलिस ने बताया बस का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों की पहचान राजस्थान के जोधपुर निवासी गोविंद लाल (६८) के रूप में हुई है। रमेश (४५) जोधपुर, दीपक वर्मा (४०), आगरा और मिर्जापुर के बबलू (४०) की मौत हो गई। हादसे में १९ लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए फतेहाबाद अस्पताल ले जाया गया।

घायलों में मुंबई की रहने वाली फल्गुनी और देऊ परमार के अलावा मुंबई की ही सोनिया शर्मा और नीलू शर्मा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद सड़क पर जाम लग गया पुलिस ने यातायात को शुरु करवाया और आगे की जांच शुरु कर दी है।

झारखंड सरकार

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, धनबाद

Email :dto-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ऑनलाईन वाहन पोर्टल के अवलोकन से ज्ञात हुआ कि धनबाद जिला में निबंधित बसों का MV Act 1988, एवं JMVT Act 2001 में कई धाराओं के अंतर्गत उल्लंघन पाया गया। विदित हो कि अधिकतर वाहनों का पथकर के साथ–साथ दुरुस्ती प्रमाण पत्र, बीमा, परमिट एवं प्रदुशण प्रमाण पत्र भी अद्यतन नही है। जिससे बड़े पैमाने पर सरकार को राजस्व की क्षति का मामला प्रकाश में आया है।

अतः निम्न सूचि में उल्लेखित वाहन स्वामियों को सूची प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अन्दर वाहन के सभी कागजात को अद्यतन कराना सुनिश्चित करेंगे। उपरोक्त समय सीमा के उपरांत वाहनों पर मोटर वाहन अधिनियम 1988 एवं JMVT 2001 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी। सूची निम्न प्रकार है:–

S. No	Regn No	S. No	Regn No	S. No	Regn No	S. No	Regn No
1	BIR8115	27	JH10Q9477	53	BHR6348	79	BR14P1750
2	BR17P9385	28	MH04G8359	54	BHR6836	80	BR16A9761
3	BR368096	29	UP16Q9714	55	BHR7133	81	BR172110
4	JH08A1071	30	UP16Q9715	56	BHR8206	82	BR177215
5	JH10AN9604	31	UP16Q9716	57	BHU8115	83	BR178115
6	JH10AY5609	32	UP16Q9718	58	BHW0054	84	BR178655
7	JH10BF3309	33	UP65AR1314	59	BHW8892	85	BR17A0502
8	JH10BF5117	34	WB37B1339	60	BHW8897	86	BR17A2827
9	JH10BF9939	35	BEN9901	61	BHW9199	87	BR17A7315
10	JH10BH0539	36	BEP0529	62	BHW9561	88	BR17A9443
11	JH10BK5135	37	BER5950	63	BIR3120	89	BR17A9444
12	JH10BP1870	38	BER6879	64	BPN8090	90	BR17B4039
13	JH10BQ9965	39	BHG0427	65	BPN8954	91	BR17B9203
14	JH10BS3401	40	BHG2052	66	BPR3333	92	BR17G9943
15	JH10BS6758	41	BHG5256	67	BPR4449	93	BR17P0380
16	JH10BT8589	42	BHG7776	68	BPR9086	94	BR17P0385
17	JH10BU6774	43	BHG7942	69	BPR9133	95	BR17P0836
18	JH10BX2913	44	BHG8025	70	BPW1350	96	BR17P0921
19	JH10BX3727	45	BHN9181	71	BPW8892	97	BR17P1498
20	JH10BX8761	46	BHO7677	72	BR11A7957	98	BR17P1633
21	JH10BY7254	47	BHP5442	73	BR129354	99	BR17P1733
22	JH10BZ1415	48	BHR2327	74	BR12A7004	100	BR17P2221
23	JH10C6760	49	BHR6304	75	BR12A8196	101	BR17P2255
24	JH10K9611	50	BHR6328	76	BR14P0084	102	BR17P2760
25	BR17P3055	51	BR17P3125	77	BR17P4671	103	BR17P4800
26	BR17P4921	52	BR17P5121	78	BR17P6516	104	BR17P7070
105	BR17P7171	147	JH10AE3406	188	JH10B9423	236	JH10F9403
106	BR17P7997	148	JH10AF3870	189	JH10B9548	237	JH10F9515
107	BR17P8351	149	JH10AF4142	190	JH10B9589	238	JH10F9637
108	BR17P8771	150	JH10AF7698	191	JH10B9732	239	JH10F9801
109	BR17P8911	151	JH10AF8769	192	JH10B9795	240	JH10G0284
110	BR17P9441	152	JH10AG5503	193	JH10BA5596	241	JH10G0416
111	BR17P9800	153	JH10AG6045	194	JH10BC8065	242	JH10G0624
112	BR1AP5221	154	JH10AH3734	195	JH10BE5146	243	JH10G1692
113	BR1P2611	155	JH10AJ2205	196	JH10BF2764	244	JH10G3004
114	BR1P8500	156	JH10AJ9940	197	JH10BK7284	245	JH10G5347
115	BR20P3392	157	JH10AL2065	198	JH10BL5722	246	JH10G5433
116	BR21A8400	158	JH10AN1991	199	JH10BV5096	247	JH10G5727
117	BR24H2571	159	JH10AN2315	200	JH10BV7838	248	JH10G6421
118	BR25P9522	160	JH10AN3425	201	JH10BV8193	249	JH10H0475
119	BR26A1616	161	JH10AP8191	202	JH10BW1716	250	JH10H0476
120	BR26A6401	162	JH10AP9712	203	JH10BW3982	251	JH10H1301
121	BR26B2255	163	JH10AR4005	204	JH10BY7267	252	JH10H1302
122	BR26P1361	164	JH10AS1390	205	JH10BZ1509	253	JH10H5398
123	BR2A7563	165	JH10AS9394	206	JH10BZ5843	254	JH10H5761
124	BR536142	166	JH10AT4632	207	JH10C0085	255	JH10H5776
125	BR560844	167	JH10AT6093	208	JH10C1001	256	JH10H5974
126	BRJ3400	168	JH10AV0742	209	JH10C4671	257	JH10H6588
127	BRM5001	169	JH10AV0984	210	JH10C5886	258	JH10H6786
128	BRM9469	170	JH10AV2734	211	JH10C5916	259	JH10H7156
129	BRP2117	171	JH10AV2930	212	JH10C8020	260	JH10H7500
130	BRR5500	172	JH10AV5181	213	JH10CL6200	261	JH10H8220
131	BRV9833	173	JH10AV9306	214	JH10CQ1305	262	JH10H9384
132	BRW2827	174	JH10AW6515	215	JH10CQ5087	263	JH10H9385
133	BRW2928	175	JH10AY2321	216	JH10CT0644	264	JH10H9461
134	BRW7212	176	JH10AY8164	217	JH10CV8241	265	JH10J0247
135	GJ10U0924	177	JH10AZ4396	218	JH10CV9181	266	JH10J1534
136	JH09D1144	178	JH10AZ7698	219	JH10CW5280	267	JH10J1832
137	JH10A3851	179	JH10AZ8066	220	JH10CX2043	268	JH10J2850
138	JH10A6385	180	JH10B2458	221	JH10CX6700	269	JH10J3341
139	JH10AA7636	181	JH10B8963	222	JH10CX7758	270	JH10J3597
140	JH10AA9293	182	JH10B9274	223	JH10CY6407	271	JH10J3727
141	JH10AB5301	183	JH10B9318	224	JH10D0626	272	JH10J3730
142	JH10AB5302	184	JH10B9319	225	JH10D1951	273	JH10J4031
143	JH10AC6200	185	JH10B9320	229	JH10D9171	274	JH10J4039
144	JH10AC6584	186	JH10B9321	230	JH10E1494	275	JH10J4434
145	JH10AC6818	187	JH10B9422	231	JH10E1495	276	JH10J5352
146	JH10AD6740	227	JH10D4823	232	JH10E1496	277	JH10J5414
226	JH10D3028	228	JH10D5004	233	JH10F2069	278	JH10J5495
234	JH10F9270	281	JH10J6290	330	JH10L2231	279	JH10J5758
235	JH10F9401	282	JH10J6405	331	JH10L2287	280	JH10J6289
332	JH10L2660	328	JH10L1210	363	JH10N4423	356	JH10N2745
333	JH10L2897	424	WMJ8206	364	JH10N4764	357	JH10N3132
334	JH10L4575	425	BR17P5302	365	JH10N5742	358	JH10N3654
335	JH10L6600	426	JH10V2791	412	JH10Z5288	359	JH10N3674
336	JH10L8400	427	JH05AT4298	413	JH10Z6947	360	JH10N3708
337	JH10M1436	428	JH10AG5389	414	JH10Z7193	361	JH10N3709
338	JH10M1805	429	JH10BC9877	415	JH10Z8809	362	JH10N4422
339	JH10M3559	442	JH10BZ5775	416	UP14K6915	347	JH10M7239
340	JH10M3593	443	JH10BZ7316	417	UP614280	348	JH10M7718
341	JH10M4421	444	JH10BZ8483	418	WB032337	349	JH10M8403
342	JH10M4691	445	JH10BZ9455	419	WB257619	350	JH10M8537
343	JH10M5201	446	JH10CA7203	420	WB37A0730	351	JH10M8566
344	JH10M5607	447	JH10CE8935	421	WB39A5666	352	JH10N1100
345	JH10M5728	430	JH10BE8623	422	WB41C5934	353	JH10N1180
346	JH10M6060	431	JH10BH1402	423	WB533004	354	JH10N1621
451	JH10CW6866	432	JH10BM2249	453	JH10CP7178	355	JH10N1909
452	JH10CX1924	450	JH10CV7317	436	JH10BW1677	433	JH10BM7715
441	JH10BZ4968	449	JH10CR7344	437	JH10BW4362	434	JH10BP5959
440	JH10BZ2386	439	JH10BX7358	438	JH10BW8505	435	JH10BS7256
448	JH10CP8417						

आदेशानुसार
जिला परिवहन पदाधिकारी धनबाद

PR 347543 Transport(24-25)D

कार्यालय : धनवार नगर पंचायत, गिरिडीह

ई0मेल- nagar.dhanwar@gmail.com / दूरभाष : 06554 796845

पत्रांक:– 105,

आम सूचना

दिनांक:– 27/02/2025

एतद द्वारा धनवार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी निवासियों तथा बोरिंग मशीन (Water Well Drilling Rig) संचालकों को सूचित किया जाता है कि धनवार नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जल प्राप्ति हेतु बोरिंग करने एवं करवाने के लिए धनवार नगर पंचायत से लिखित अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है। बिना अनुमति बोरिंग करने पर जुर्माना के साथ–साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

उक्त बोरिंग हेतु अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा आवश्यक नियम एवं शर्तों का विवरण निम्नवत है–

1. बोरिंग करवाने हेतु आवेदन पत्र धनवार नगर पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है।
2. अनुमति प्राप्त करने हेतु बोरिंग मशीन संचालक तथा बोरिंग करवाने वाले भूस्वामी दोनों विहित प्रपत्र में अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेजों तथा आवश्यक शुल्क के साथ धनवार नगर पंचायत कार्यालय में समर्पित करेंगे।
3. बोरिंग हेतु आवश्यक शुल्क तथा जुर्माना की राशि का विवरण निम्नवत है :–

क्रमांक	विवरण	आवश्यक शुल्क	बिना अनुमति बोरिंग करने पर जुर्माना की राशि
1	बोरिंग मशीन हेतु वार्षिक अनुज्ञप्ति	दस हजार रूपए वार्षिक	एक लाख रूपए
2	भूस्वामी हेतु बोरिंग अनुमति	एक हजार रूपए प्रति बोरिंग	पच्चीस हजार रूपए

4. बोरिंग मशीन संचालक हेतु एक वर्ष के लिए बोरिंग अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की सूची निम्नवत है :–

क्रमांक	आवश्यक दस्तावेजों का विवरण (मूल दस्तावेज की छाया प्रति)
1	वाहन का निबंधन प्रमाण पत्र
2	वाहन का अद्यतन बीमा प्रमाण पत्र
3	वाहन का PUC प्रमाण पत्र
4	वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र
5	निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र

5. बोरिंग करवाने वाले भूस्वामी हेतु बोरिंग करवाने की अनुमति हेतु आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की सूची निम्नवत है :–

क्रमांक	आवश्यक दस्तावेजों का विवरण (मूल दस्तावेज की छाया प्रति)
1	आधार कार्ड
2	मतदाता पहचान पत्र
3	भूस्वामित्व संबंधी दस्तावेज
4	संपत्ति कर जमा की अद्यतन पावती
5	निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र

6. आवेदन समर्पित करने के उपरांत धनवार नगर पंचायत कार्यालय द्वारा समर्पित दस्तावेजों की जांच तथा स्थलीय जांच की जाएगी तथा जांचोपरांत पूर्ण रूप से सही और उपयुक्त पाए जाने पर अनुज्ञप्ति/अनुमति पत्र निर्गत किया जाएगा।
7. बोरिंग की अनुमति केवल निजी उपभोक्ताओं को अपने घरेलू उपयोग के लिए प्रदान की जाएगी।
8. किसी भी प्रकार के व्यावसायिक अथवा औद्योगिक उपयोग के लिए बोरिंग की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।
9. बोरिंग का व्यास 4 इंच तथा बोरिंग की गहराई 200 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए।
10. बोरिंग की अनुमति केवल भूस्वामी के पूर्ण स्वामित्व वाले भूमि पर ही प्रदान की जाएगी।
11. दूसरों की भूमि, सार्वजनिक भूमि अथवा किसी भी प्रकार की सरकारी भूमि पर बोरिंग हेतु अनुमति नहीं प्रदान की जाएगी।
12. जांच में यदि पाया जाता है कि आवेदक द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि के अतिरिक्त किसी भी अन्य प्रकार की भूमि पर बोरिंग करवाई जा रही है तो अनुमति रद्द करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
13. बोरिंग मशीन वाहन संचालक को प्रदान की जाने वाली अनुज्ञप्ति की वैधता जारी करने की तिथि से एक वर्ष तक की होगी। उक्त अनुज्ञप्ति पत्र को बोरिंग मशीन वाहन चालक के पास रखना अनिवार्य होगा।
14. बोरिंग वाहन संचालकों को अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण करवाने के लिए वैधता तिथि से एक माह पूर्व आवश्यक दस्तावेजों तथा वार्षिक शुल्क के साथ आवेदन समर्पित करना होगा।
15. झारखंड नगर पालिका जल कार्य, जल अधिभार एवं जल संयोजन नियमावली 2020 के प्रावधानों के अनुसार जल संयोजन के अधिष्ठापन के उपरांत बोरिंग को अवैध माना जाएगा।
16. बोरिंग करते समय बोरिंग स्थल के आसपास स्थित निजी अथवा सार्वजनिक संपत्ति को किसी भी प्रकार की क्षति होने पर भूस्वामी से उक्त क्षति की क्षतिपूर्ति वसूली की जाएगी तथा झारखंड नगर पालिका अधिनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।
17. बिना अनुमति बोरिंग करवाते हुए तथा करवाए जाने के उपरांत पाए जाने पर कंडिका तीन के अनुसार जुर्माना अधिरोपित किया जाएगा तथा कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 347468 (Urban Development and Housing)24-25*D

कार्यालय : धनवार नगर पंचायत, गिरिडीह।

ई0मेल- nagar.dhanwar@gmail.com / दूरभाष : 06554 796845

–: शुद्धि पत्र :–

PR No. 346539

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित अल्पकालिन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–DNP/02nd call/2024-25, दिनांक– 13.02.2025 निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:–

1. निविदा जमा करने की तिथिदिनांक– 03.03.2025 अपराहन् 03:00 बजे को संशोधित करते हुए दिनांक–10.03.2025 को अपराहन् 03:00 बजे तक स्वीकार किया जाएगा।

2. निविदा खोलने की तिथि दिनांक– 04.03.2025 अपराहन् 03:00 बजे को संशोधित करते हुए दिनांक– 11.03.2025 को अपराहन् 03:00 बजे निविदा खोली जाएगी।

नोट:– निविदा की अन्य सभी विवरणी एवं नियम/शर्तें यथावत रहेगी।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत।

PR 347469 (Urban Development and Housing) 24-25 (D)

जमीन कब्जाने वालों की खैर नहीं: संजय सरावगी

पटना (एजेंसी): बिहार के नए मंत्रिमंडल में दरभंगा से दो विधायकों को मंत्री बनाए जाने के बाद उनके गृह जिले में जोरदार स्वागत किया गया. दरभंगा शहर के विधायक संजय सरावगी को राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री और जाले के विधायक जीवेश मिश्रा को नगर विकास मंत्री बनाए जाने की घोषणा के बाद पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई. उनके स्वागत में सैकड़ों कार्यकर्ता सड़कों पर उमड़ पड़े और भव्य रोड शो का आयोजन किया गया.

मंत्री बनने के बाद जब संजय सरावगी और जीवेश मिश्रा दरभंगा पहुंचे तो उनके स्वागत में कार्यकर्ताओं ने फूलों की वर्षा की. बुलडोजर से फूलों की बारिश की गई और सड़कों पर जमकर आतिशबाजी हुई.

दोनों मंत्रियों का काफिला जैसे ही छक-२७ फोरलेन पर पहुंचा, लोग उन्हें फूल-मालाओं से लादने के लिए तैयार खड़े थे. रोड शो के दौरान सैकड़ों बाइक और दर्जनों कारों के साथ समर्थकों ने लगभग १५ किलोमीटर तक उनका साथ दिया. इस यात्रा का समापन दरभंगा के लहेरियासराय स्थित ऑडिटोरियम में हुआ, जहां एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया.

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने अपने विभाग में पारदर्शिता लाने का संकल्प लिया और साफ कर दिया कि अब किसी भी तरह का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि दाखिल-खारिज मामलों में अंचल अधिकारियों द्वारा गलत तरीके से रिजेक्ट किए गए आवेदनों की जांच होगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी. साथ ही, भूमाफिया से मिलीभगत रखने वाले अधिकारियों और गरीबों की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

इस भव्य रोड शो और स्वागत समारोह में मंत्री संजय सरावगी और जीवेश मिश्रा के अलावा अतिपिछड़ा कल्याण मंत्री हरि साहनी समेत कई विधायकों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया. पूरा दरभंगा जश्न के रंग में डूबा नजर आया, और हर तरफ नेताओं और समर्थकों की खुशी झलक रही थी. नए मंत्रियों के बड़े ऐलानों से जिले के लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य होंगे.

कलश यात्रा के साथ लक्षचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

दरभंगा (एजेंसी): बिहार के दरभंगा जिले के तारडीह प्रखंड अंतर्गत लगमा गांव स्थित ब्रह्मचर्य आश्रम में १ मार्च से १६ मार्च तक चलने वाले लक्षचंडी महायज्ञ और अति विष्णु यज्ञ की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है. शनिवार से कलश यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ हो गया है, जिसमें करीब १५०० कन्याओं के साथ कलश शोभायात्रा निकाली गई. इस महायज्ञ को लेकर विशाल मंडप बनाया गया है, जिसमें १०८ हवन कुंड बनाए गए हैं. देश के कोने-कोने से आए २१०० पंडित इस मंडप में हवन, पूजा और पाठ करेंगे. इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में व्यापक तैयारी की गई है.

वहीं, बागेश्वर धाम से पंडित धीरेंद्र शास्त्री भी तीन दिवसीय कार्यक्रम को लेकर इस महायज्ञ में शामिल होंगे. कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने भी अपनी तरफ से व्यापक तैयारी कर ली है.

आज से आरंभ हुए इस यज्ञ को लेकर स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण मोहन दास ब्रह्मचारी ने कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि लगमा ब्रह्मचर्य आश्रम में दो-दो महायज्ञ होने जा रहा है. एक लक्षचंडी महायज्ञ और दूसरा अति विष्णु महायज्ञ हो रहा है. जिसमें सीताराम और विष्णु भगवान की मूर्ती का प्राण प्रतिष्ठा हैं. इस महायज्ञ में देश के कोने-कोने से आए हुए पंडितों के द्वारा दुर्गा सप्तशती पाठ, हवन और पूजन होगा.

बताते चलें कि इस क्षेत्र में बहुत दिनों से कोई यज्ञ का आयोजन नहीं किया गया था. यज्ञ का आयोजन सभी के विचार से किया जा रहा है. विश्व कल्याण के लिए यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारतवर्ष में जितने भी धर्मस्थल है वहां से पंडित और विद्वानों का समागम यहां हो रहा है. जो देखने में अद्वितीय और अद्भुत होगा. जहां तक पंडित धीरेंद्र शास्त्री के आने की बात है, तो ११, १२ और १३ मार्च को उनके आने की पूर्ण संभावना है.

वहीं, कार्यक्रम को लेकर एसडीओ विकास कुमार ने बताया कि प्रशासनिक तैयारी पूरी हैं. श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत ना हो इसलिए जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी गई है. अग्निशमन को चिट्ठी लिखकर वहां उचित व्यवस्था के लिए अवगत करा दिया गया है. सिविल सर्जन का एक चिकित्सक टीम श्रद्धालु को कोई दिक्कत यदि हुई तो उसके लिए मौजूद रहेंगे. बता दें कि पूरे मेला क्षेत्र में २०० पुलिस फोर्स मौजूद रहेंगे.

इंजीनियर से बिहार के सीएम कैसे बने नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी): नीतीश कुमार समाजवादी राजनीति करने वाले नेता माने जाते हैं. अपने राजनीति के शुरुआती दिनों में वह राम मनोहर लोहिया, एसएन सिन्हा, कर्पूरी ठाकुर और वीपी सिंह के साथ जुड़े रहे. नीतीश कुमार ने १९७४ और १९७७ के बीच जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में हिस्सा लिया और सत्येंद्र नारायण सिन्हा की अध्यक्षता वाली जनता पार्टी में शामिल हो गए. बताया जाता है कि नीतीश कुमार ने राज्य के बिजली विभाग से नौकरी की पेशकश को ठुकराकर राजनीतिक रास्ता अपनाने का फैसला किया था, जो आज बिहार के सीएम हैं.

नीतीश कुमार ने साल १९८५ में हरनौत से राज्य विधानसभा के लिए चुनाव लड़ा और पहली बार जीता. शुरुआती वर्षों में लालू प्रसाद यादव को वर्ष १९८९ में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कुमार का समर्थन प्राप्त था, लेकिन बाद में नीतीश कुमार ने बाढ़ से अपनी पहली लोकसभा सीट जीतने के बाद १९९६ में बीजेपी के प्रति अपनी निष्ठा बदल ली.जनता दल अतीत में विभाजन से बच गया था जब कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस जैसे नेताओं ने १९९४ में समता पार्टी का गठन किया था, लेकिन १९९७ में लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल बनाने के फैसले के बाद यह एक आधारहीन पार्टी बन गई. दूसरा विभाजन राबड़ी देवी के सत्ता में आने से पहले हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप जनता दल में केवल दो नेता ही बचे थे. जिनमें शरद यादव और रामविलास पासवान थे.

साल १९९९ के लोकसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल को बीजेपी+जदयू गठबंधन के हाथों झटका लगा. नया गठबंधन ३२४ विधानसभा क्षेत्रों में से १९९ पर आगे निकल गया और व्यापक रूप से यह माना जाने लगा कि बिहार राज्य विधानसभा के आगामी चुनाव में लालू-राबड़ी शासन का अंत हो जाएगा. जदयू और बीजेपी कुछ सीटों पर एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहे थे. परिणाम बीजेपी के लिए एक झटका था. राजद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. साल २००० में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने, लेकिन उन्हें सिर्फ सात दिनों में इस्तीफा देना पड़ा. तब ३२४ सदस्यीय सदन में एनडीए और सहयोगी दलों के पास १५१ विधायक थे, जबकि लालू प्रसाद यादव के १५९ विधायक थे. दोनों गठबंधन १६३ के बहुमत के निशान से कम थे. नीतीश ने सदन में अपनी संख्या साबित करने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था.

साल २००० में वह फिर से केन्द्रीय मंत्रीमंडल में कृषि मंत्री बने. मई २००१ २००४ तक नीतीश कुमार बाजपेयी सरकार में केन्द्रीय रेलमंत्री रहे.

२००४ के लोकसभा चुनावों में नीतीश ने बाढ़ और नालंदा से अपना पर्चा दाखिल किया, लेकिन वे बाढ़ की सीट हार गये थे. नीतीश कुमार नवंबर २००५ में राष्ट्रीय जनता दल की बिहार में १५ साल पुरानी सत्ता को उखाड़ फेंकने में सफल हुए और मुख्यमंत्री के रूप में उनकी ताजपोशी हुई. तब नीतीश कुमार बिहार के सीएम पद पर आसीन हैं.

साध्वी ऋतंभरा ने सनातन बोर्ड के गठन की वकालत की

अयोध्या (ईएमएस) : साध्वी ऋतंभरा ने सनातन बोर्ड के गठन की वकालत की है। उन्होंने कहा कि सनातन बोर्ड का विषय महत्वपूर्ण है। वक्फ बोर्ड ने जमीनों को हड़पने की साजिश रची है, यह विफल होनी चाहिए। भारत के खिलाफ बहुत से लोगों ने षड़यंत्र किया लेकिन अभिमंत्रित मंत्र से वे विफल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म के कार्यों में जल्दी नहीं की जानी चाहिए। नीतियां काम नहीं आती बल्कि नियत काम आती है। उन्होंने कहा कि हमने नारा दिया था अयोध्या, मथुरा, काशी विश्वनाथ तीनों लेंगे एक साथ। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो चुका है, दूसरे व तीसरे चरण का काम भी चल रहा है। हमने कभी सोचा नहीं था कि राम मंदिर बनेगा। साध्वी ने कहा कि ५०० साल लग गए लेकिन आज भव्य राम मंदिर में रामलला के दर्शन हो रहे हैं।

कानून के माध्यम से काशी व मथुरा की भी हमारी लड़ाई चल रही है, उस पर हमारा अधिकार है। पत्थर अपनी कहानी स्वयं कह रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में साध्वी ने कहा कि महाकुंभ में जातियों की दीवारें ध्वस्त हो गई। पूरा भारत एक हो गया। सब एकात्मता के भाव में नजर आए। साध्वी ने कहा कि सब लोग अपनी मातृ भाषा में बात करें। हिंदी, हिंदू, हिन्दुस्तान तो सिरमौर है और रहेगा। नेताओं की कलूषित मानसिकता से अब भारत मुक्त होगा, क्योंकि भारत अब जाग चुका है। पार्टियां और जातियां हमें नहीं बांट पाएंगी, हम एक हैं और एक रहेंगे।

मुझे डिबेट में लाठी और डंडों से पीटा गया : आईआईटी बाबा

नोएड(ईएमएस): सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हुए इस घटना के वीडियो में दिख रहा है कि आईआईटी बाबा चर्चा कर रहे हैं, तभी कथित साधुओं का एक समूह स्टूडियो में प्रवेश करता है, जिससे बहस होती है। तनाव बढ़ने पर आईआईटी बाबा स्टूडियो से बाहर निकलने का प्रयास करते हैं। हालांकि, विवाद का सही कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। इस कथित घटना के बाद बाबा ने थाने के बाहर धरना दिया और आरोप लगाया उन्हे लाठी और डंडों से पीटा गया है।

आईआईटी बाबा आरोपियों के खिलाफ एक्शन को लेकर सेक्टर १२६ में पुलिस चौकी के बाहर बैठे रहे। हालांकि बाद में पुलिस के समझाने पर उन्होंने धरना वापस ले लिया। सेक्टर १२६ थाने के एसएचओ भूपेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें समझा दिया गया है और उन्होंने आगे शिकायत दर्ज नहीं कराई। महाकुंभ में चर्चित हुए आईआईटी बाबा उर्फ अभय सिंह ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को नोएडा में एक निजी चैनल के न्यूज डिबेट कार्यक्रम में उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने पुलिस से शिकायत की कि भगवाधारी कुछ लोग न्यूज रूम में आए और कथित तौर पर उनके साथ बदसलूकी की और लाठी-डंडों से उनकी पिटाई की।

अभय सिंह ने आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की है। हरियाणा से आने वाले सिंह ने अपने अनोखे तरीके से महाकुंभ में श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। आध्यात्मिकता अपनाने से पहले अपने करियर पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा था कि मैंने कई तरह की नौकरियां कीं। मैंने जो आखिरी काम किया, वह एप्लीकेशन और वेबसाइट डिजाइन करना था। एक साक्षात्कार में अभय सिंह ने बताया था कि कैसे उनकी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि ने जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार दिया। उन्होंने बताया कि एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन करने से उनकी तार्किक तर्क और बौद्धिक क्षमताएं बढ़ीं।

बगहा में धूमधाम से मनाया गया सीएम नीतीश का जन्मदिन

बगहा(एजेंसी): नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे बिहार के बगहा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर जेडीयू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक विशाल केक काटकर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी.

यह पहला अवसर था जब मुख्यमंत्री का जन्मदिन इतनी भव्यता से मनाया गया. समारोह के दौरान जेडीयू सांसद सुनील कुमार और विधायक रिंकू सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार का दिल और दिमाग हमेशा पश्चिम चंपारण जिले की प्रगति के लिए समर्पित रहता है.

मुख्यमंत्री के जन्मदिन समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने नशामुक्ति और खासकर बिहार सरकार की शराबबंदी नीति की सफलता का संदेश दिया. छात्रों ने मंच से लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष प्रस्तुति दी, जिससे उपस्थित लोग काफी प्रभावित हुए.

कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की गई कि दिवंगत सांसद वैधनाथ महतो मेमोरेबल मंच और जननायक कर्पूरी ठाकुर मंच के माध्यम से हर वर्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जन्मदिन मनाया जाएगा. यह निर्णय सांसद सुनील कुमार ने लिया और कहा कि यह परंपरा अब हर साल जारी रहेगी, ताकि मुख्यमंत्री के योगदान को याद किया जा सके.

इस भव्य आयोजन में बगहा और बेतिया पुलिस जिले से हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए. मुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर एक विशाल भोज-भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों के लिए भोजन-पानी की विशेष व्यवस्था की गई थी. कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित और पुरस्कृत भी किया गया.

नीतीश-बीजेपी सरकार ने दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को नीतीश कुमार की सरकार पर जोरदार कटाक्ष करते हुए कहा कि जब १५ साल पुरानी गाड़ी के चलने की अनुमति नहीं है तो २० साल पुरानी सरकार क्यों चलेगी. दरअसल, इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसे लेकर बयानबाजियों का दौर शुरू हो गया है.

इसी कड़ी में राजद नेता तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा कि बिहार में १५ साल पुरानी गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं है क्योंकि वह ज़्यादा धुंआ फेंकती है, प्रदूषण बढ़ाती है, जनता के लिए हानिकारक है तो फिर एनडीए की २० साल पुरानी जोड़-तोड़, पलटा-पलटी वाली खटारा सरकार क्यों चलेगी? २० वर्षों की नीतीश सरकार ने विगत २० साल में बिहार के हर गली-हर टोला-हर गांव में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और पलायन रूपी भयंकर प्रदूषण फैला दिया है.

उन्होंने आगे लिखा कि नीतीश-बीजेपी सरकार ने २० वर्षों में दो पीढ़ियों का जीवन बर्बाद कर दिया. अब यह सरकार बिहारवासियों पर बोझ बन चुकी है. अब इसे बदलना अति आवश्यक है.राजद नेता तेजस्वी यादव आगे लिखते हैं कि बिहार के युवाओं ने ठान लिया है कि अब २० साल पुरानी खटारा, जर्जर, बीमार और थकी हुई अविश्वसनीय नीतीश-एनडीए की सरकार को हटा कर एक नई सोच, नए विजन, नए जोश और नई दिशा वाली युवा एवं नौकरी-रोजगार व विकास कार्यों को समर्पित विश्वसनीय जुनूनी सरकार को लाना है तथा नया बिहार बनाना है.

मानव की आत्महत्या मामले में बहन ने खोले कई राज

आगरा(ईएमएस): यहां आईटी कंपनी टीसीएस के मैनेजर मानव शर्मा ने सोशल मीडिया पर लाइव-स्ट्रीमिंग के बाद आत्महत्या कर ली थी। मृतक की बहन का कहना है, पहले तो हमें लगा कि उसने भावनाओं में बहकर आत्महत्या कर ली है। लेकिन जब हमने उसका फोन चेक किया तो पता चला कि उसे उकसाया गया था कि वह (मानव की पत्नी) आसानी से तलाक स्वीकार नहीं करेगी।

मृतक की बहन कहा कहना है कि मैं कभी-कभी उसकी पत्नी से बात करती थी। वह (मानव की पत्नी) किसी को भी बुला सकती थी और उसकी जान बचा सकती थी। हमने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है क्योंकि हम नहीं चाहते कि हमारी तरह कोई और किसी को खोए।

दरअसल हालही में ये खबर सामने आई थी कि एक निजी कंपनी में बतौर प्रबंधक कार्यरत, आगरा के एक युवक ने यहां कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सदर क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विनायक भोसले ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मुंबई की एक फर्म में मैनेजर और आगरा के डिफेंस कॉलोनी निवासी मानव शर्मा ने पिछले साल निकेता से शादी की थी। मानव ने २४ फरवरी की सुबह अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसके पिता नरेंद्र शर्मा द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, मानव (३०) ने सुबह पांच बजे अपने कमरे में फांसी लगा ली। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि २३ फरवरी को मानव और निकेता आगरा आये और मानव निकेता के साथ उसके माता-पिता के घर गया,

सीएम योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

लखनऊ,(ईएमएस) : यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक साल और बढ़ा दिया है। यह उनका तीसरा कार्यकाल विस्तार है। प्रशासनिक अनुभव और रणनीतिक कौशल को देखते हुए यूपी सरकार ने उन्हें २०२२ में सेवानिवृत्त होने के बाद सीएम के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था।

अवनीश अवस्थी १९८७ बैच के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने अपने प्रशासनिक कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। वह गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव सूचना समेत कई अहम विभागों में कार्य कर चुके हैं। उनकी प्रशासनिक दक्षता और निर्णय लेने की क्षमता को देखते हुए सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्हें सरकार में विस्तार दिया गया है।

सीएम योगी के साथ काम करने के दौरान अवस्थी ने कई विकास परियोजनाओं, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों में अहम भूमिका निभाई है। राम मंदिर निर्माण से जुड़े मामलों, पुलिस आधुनिकीकरण, एक्सप्रेस-वे निर्माण और निवेश परियोजनाओं जैसे कई अहम कार्यों में उनकी भूमिका सराहनीय रही है।

उनकी इस कार्यशैली के कारण सरकार ने उन्हें दो बार सलाहकार पद पर बनाए रखा और अब एक बार फिर उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ा दिया है।

इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस से रिटायर होने के बाद से अवनीश अवस्थी प्रशासनिक कार्यों के लिए सीएम योगी के सलाहकार हैं। वह सीएम के काफी विश्वस्त माने जाते हैं। साल १९८७ बैच के आईएएस अफसर रहे अवनीश अवस्थी ३१ अगस्त २०२२ को सेवानिवृत्त हुए थे। वह सबसे लंबे वक्त तक उत्तर प्रदेश गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले आईएएस अफसर रहे हैं।

मस्जिद में रंगाई-पुताई को कोई बड़ी बात नहीं : जियाउर्रहमान बर्क

संभल (ईएमएस): मस्जिद की रंगाई-पुताई के मामले में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने हाईकोर्ट के फैसले पर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि मस्जिद में रंगाई-पुताई को कोई बड़ी बात नहीं समझना चाहिए। हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए अनुमति देने से इनकार किया है, लेकिन साफ-सफाई की अनुमति दी है। अधिकारियों का कहना है कि यूपी सरकार ने संभल की जामा मस्जिद को सरकारी जमीन पर बने होने का दावा किया है, जिस पर बर्क ने बेवकूफी का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि हिंसा की जांच में गिरफ्तार ७६ आरोपियों को जेल भेज दिया गया है, जबकि अभी भी कई उपद्रवियों की तलाश जारी है। पुलिस ने लोगों से फरार उपद्रवियों की पहचान में मदद के लिए सहयोग मांगा है और सार्वजनिक स्थानों पर उनके पोस्टर लगाए गए हैं।

अब एसआईटी टीम संभल शहर के कई इलाकों में उपद्रवियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज का उपयोग कर रही है। समाज में एकता और सद्भाव की भावना को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि सभी सरकारी और अधिकारियों के निर्णय शांतिपूर्ण तरीके से लिए जाएं और न्यायपालिका की दिशा में विश्वास बना रहे। पिछले साल नवंबर में संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस मामले में दर्जनों लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। हालांकि, अभी भी कई लोग फरार हैं। पुलिस लंबे समय से उनकी तलाश में जुटी है। बीते दिनों पुलिस ने फरार उपद्रवियों की फोटो सार्वजनिक जगहों पर चस्पा करते हुए, लोगों से उनके बारे में जानकारी मांगी थी। अभी तक संभल हिंसा में शामिल ७६ आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है।

अब हर घर में होगा त्रिवेणी के जल से स्नान

लखनऊ (ईएमएस) : उप्र के प्रयागराज में त्रिवेणी यानि गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती में आस्था की डुबकी लगाने का पर्व यानि महाकुंभ अब समाप्त हो चुका है। महाकुंभ १३ जनवरी से प्रारम्भ होकर २६ फरवरी महाशिवरात्रि तक अनवरत जारी रहा और इस दौरान ६६ करोड़ लोगो ने संगम में डुबकी लगाकर एक नया रिकॉर्ड भी बनाया हैं। ऐसे में वो लोग जो किसी कारण से इस महाआयोजन में सम्मिलित नहीं हो पाए हैं तो उनके लिए खुशखबरी है। उप्र की योगी सरकार अब उत्तर प्रदेश के हर जिले में एक नयी पहल शुरू कर रही हैं। जिसमे आपको आपके घर पर महाकुंभ का जल डिलीवर होगा।

5 करोड़ की लागत से जामताड़ा में बनेगा हाईटेक साइबर थाना, मंत्री इरफान अंसारी ने रखी आधारशीला

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने करीब ५ करोड़ की लागत से बनने वाले नए साइबर क्राइम थाने की आधारशीला रखी। जामताड़ा में पर्वत बिहार के सामने नए अत्याधुनिक सभी सुविधाओं से लैस थाना भवन के शिलान्यास पर मंत्री इरफान ने कहा कि जामताड़ा से साइबर कलंक को धोना है हम इसमें आगे बढ़ रहे हैं थोड़ा समय लगेगा।

उन्होंने कहा कि ९० प्रतिशत तक साइबर क्राइम यहां कम हुए है, अत्याधुनिक सुविधा मिलने के बाद हमारे पुलिस कर्मी और बेहतर काम करेंगे ताकि साइबर अपराधियों में भी खौफ हो। मौके पर जामताड़ा एसपी डॉ एहतेशाम

वकारीब में कहा कि निश्चित तौर पर अत्याधुनिक सुविधाएं मिलने से हमारे पुलिस कर्मी बेहतर कार्य कर के दिखाएंगे। साइबर क्राइम पर कंट्रोल के लिए हाईटेक साइबर क्राइम थाने का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पहले पुराने भवन में साइबर थाना संचालित हो रहा था। साइबर क्राइम थाना का भवन ग्राउंड प्लस वन बनेगा।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ लोगों की क्षमता का सेप्टिक एवं सोकपिट टैंक बनाया जाएगा। बोरिंग के साथ सबमर्सिबल पम्प, वॉटर सप्लाई, प्रवेश द्वार के साथ चाहरदीवारी और इलेक्ट्रॉनिक प्राइवेट आटोमेटिक ब्रांच एक्सचेंज का निर्माण होगा। लोकल एरिया नेटवर्क, डीजी सेट, स्ट्रीट लाइट की सुविधा भी रहेगी। साथ ही बड़ी गाड़ियों के साथ दो पहिया वाहनों की पार्किंग का इंतजाम भी होगा।

मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में सुदेश महतो को झटका, एमपी-एमएलए कोर्ट ने याचिका की खारिज

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री आवास घेराव मामले में आजसू प्रमुख सुदेश महतो को बड़ा झटका लगा है। एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज कर दी है। अब उनके खिलाफ आरोप तय करने का रास्ता साफ हो गया है। इस मामले की अगली सुनवाई १९ मार्च को होगी। अगर उन पर आरोप तय होते हैं, तो उनकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

बता दें कि साल २०२१ में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने सहित कई मांगों को लेकर आजसू पार्टी ने मुख्यमंत्री आवास घेराव का ऐलान किया था। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान में जुटे और मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने लगे। हालांकि, पुलिस ने फुटबॉल मैदान के पास बैरिकेडिंग लगाकर रैली को रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की, जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

इस घटना के बाद सुदेश महतो समेत कई नेताओं पर मामला दर्ज किया गया था। इस केस में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, पूर्व मंत्री रामचरण सहिस, पूर्व विधायक शिव पूजन मेहता, लम्बोदर महतो और प्रदेश प्रवक्ता देवशरण भगत आरोपी हैं। इन सभी पर सरकारी काम में बाधा डालने और नियम विरुद्ध रैली निकालने का आरोप है। हालांकि, सभी आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

आमदनी बढ़ाने के लिए पेट्रोल पंप खोलेगी झारखंड पुलिस, डीजीपी अनुराग गुप्ता ने तैयार किया प्लान

रांची (एजेंसी): झारखंड पुलिस के पास बड़ी मात्रा में जमीन उपलब्ध है, जिसका उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। खासकर, पेट्रोल पंप जैसी सुविधाओं के लिए बड़ी जमीन की आवश्यकता होती है, और इसी को ध्यान में रखते हुए झारखंड पुलिस ने अपनी जमीन को किराए पर देने की योजना बनाई है। डीजीपी अनुराग गुप्ता पुलिस कल्याण की दिशा में कई पहल कर रहे हैं। उनकी योजना के तहत, झारखंड पुलिस अपनी जमीन केवल पेट्रोल पंप खोलने के लिए किराए पर देगी। हालांकि, पुलिस खुद इन पेट्रोल पंपों का संचालन नहीं करेगी, न ही पुलिसकर्मी इसमें शामिल होंगे। कुछ समय पहले इस बारे में अफवाहें थीं कि झारखंड पुलिस खुद पेट्रोल पंप चला सकती है, लेकिन डीजीपी ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि पुलिस केवल जमीन लीज पर देगी।

डीजीपी अनुराग गुप्ता के अनुसार, पुलिस के लिए कमाई के तीन मॉडल हो सकते हैं, पुलिस खुद पेट्रोल पंप का संचालन करे। किसी को लीज पर देकर इसका संचालन करवाए। जमीन किराए पर देकर उससे राजस्व अर्जित करे।

इस योजना के तहत, जिस भी पेट्रोलियम कंपनी को पुलिस की जमीन लीज पर मिलेगी, वह पुलिस वाहनों के लिए ईंधन आपूर्ति का खर्च वहन करेगी। इससे पुलिस की वित्तीय स्थिति को भी मजबूती मिलेगी।

झारखंड पुलिस ने इस योजना को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक भी हो चुकी है। अब पेट्रोलियम कंपनियों को अपने प्रस्ताव पुलिस को देने हैं, और सबसे बेहतर प्रस्ताव वाली कंपनी को पेट्रोल पंप खोलने का मौका मिलेगा।

झारखंड पुलिस की विभिन्न वाहिनियों और पुलिस लाइनों के पास काफी जमीन उपलब्ध है, जहां पेट्रोल पंप खोले जा सकते हैं। यदि हर जिले में पुलिस अपनी जमीन लीज पर देकर पेट्रोल पंप संचालित करवाती है, तो पुलिस वाहनों के लिए ईंधन का खर्च काफी हद तक कम हो सकता है। इस योजना से न केवल झारखंड पुलिस को आर्थिक लाभ मिलेगा, बल्कि पुलिस वाहनों को भी ईंधन आपूर्ति में आसानी होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर हाईकोर्ट ने लगाया जुर्माना

राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला का मामला

रांची (एजेंसी): पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर हाईकोर्ट ने जुर्माना लगाया है। राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाला में आरोपी कोड़ा पर निचली अदालत द्वारा आरोप गठित किये जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा तीसरी बार समय मांगे जाने पर ४००० का जुर्माना लगाया है। मामले पर अगली सुनवाई छह हफ्ते के बाद होगी।

इससे पहले भी १७ जनवरी २०२५ को मधु कोड़ा पर २००० रुपये का और १३ दिसंबर २०२३ को १००० रुपये का जुर्माना लगाया गया था। जुर्माना की राशि को झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी में जमा करने का निर्देश दिया था।

मधु कोड़ा पर आरोप है कि उन्होंने मुख्यमंत्री जैसे उच्च पद का दुरुपयोग कर हैदराबाद की बिजली कंपनी आईवीआरसीएल के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में ११.४० करोड़ की रिश्वत ली। इसके साथ ही कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए लातेहार, गढ़वा और पलामू सहित झारखंड के छह जिलों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। इस मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। इस मामले में कोड़ा ढाई साल तक जेल में रहे थे और ३० जुलाई २०१३ को जमानत मिली थी।

क्राइस्ट विश्वविद्यालय बेंगलुरु में सम्मानित हुईं झारखंड की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय में पूर्ववर्ती छात्रों के सम्मान समारोह में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सम्मानित हुईं। इस सम्मान समारोह में देश भर के कई सांसद, विधायक और मंत्री सम्मानित हुए। क्राइस्ट विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद समाज में अपने काम के दम पर अलग पहचान बनाने वाले सफल छात्रों को ये सम्मान दिया गया। सम्मान पाने वाले सभी आज अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर मुकाम पर है। सम्मान पाने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अपनों के हाथ सम्मान पाना गर्व की बात है। बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मान पा कर जो सुखद अनुभूति हुई उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है।

उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य को गढ़ने में शिक्षण संस्थान का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गुरुदेव हमेशा पथ प्रदर्शक की भूमिका में रहे है। क्राइस्ट विश्वविद्यालय देश के गिने चुने उन विश्वविद्यालयों में शामिल है जहां शिक्षा प्राप्त करना हर एक मेधावी छात्र का सपना होता है। विश्वविद्यालय के प्रांगण में आ कर पुरानी यादें ताजा हो गई और वो तमाम सपने भी जो भविष्य को लेकर अक्सर देखती थी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के साथ सांसद सुधा मूर्ति, सांसद फ्रांसिस जॉर्ज, कर्नाटक सरकार में राजस्व मंत्री कृष्णा गौड़ा, सांसद मह्लेश बाबू , विधायक चांडी ओमन, विधायक दर्शन ध्रुवनारायणा , सांसद सागर ईश्वर खंड्रे को विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मानित किया गया।

अनुकंपा समिति की बैठक में 14 आश्रितों को नौकरी देने पर बनी सहमति

रांची (एजेंसी): जिला अनुकंपा समिति रांची की ओर से आज समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में नियुक्ति सम्बंधित बैठक आयोजित की गई। इसमें सामान्य/ चौकीदार के आश्रित से संबंधित जिला अनुकंपा समिति की समीक्षा की गई। बैठक में पंचायती राज पदाधिकारी रांची, राजेश कुमार साहू, डीएसपी जैप २, जिला स्थापना उप-समाहर्ता रांची, ज्योति वंदना कुजूर एवं सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समिति के द्वारा निम्न प्रस्तावों में नियुक्ति की अनुशंसा की गई- (१) जिला अनुकंपा समिति सामान्य में कुल- १० की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई। (२) अनुकंपा के आधार पर चौकीदार की नियुक्ति में कुल-०४ की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई।

5 दिवसीय दौरे पर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी के. राजू

रांची (एजेंसी): कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी के राजू ५ दिवसीय झारखंड दौरे पर फिर आ रहे हैं। के राजू ६ मार्च को रांची पहुंचेंगे। इसके बाद वे रांची से पलमू के लिए रवाना होंगे। इसके बाद वे झारखंड के अलग-अलग जिलों का दौरा करेंगे। वहीं महिला दिवस के दिन मांडर में उनका एक कार्यक्रम भी होगा। बता दें कि वे कुछ दिन पहले २१ फरवरी को भी झारखंड में ५ ५ दिवसीय दौरे आ आए थे। यहां उन्होंने रांची में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन के सशक्तिकरण पर मंथन किया। साथ ही कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भी भाग लिया।

राहुल मुर्मू बने झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष, रोहित और महताब को भी मिली जिम्मेवारी

रांची (एजेंसी): झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव शुक्रवार की देर रात संपन्न हो गया। २८ फरवरी को हुए इस चुनाव में १०५६ मतदाताओं में से ९९६ ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव परिणामों के अनुसार, अध्यक्ष पद पर राहुल मुर्मू, उपाध्यक्ष पद पर रोहित रजक और महताब आलम, महामंत्री पद पर संजीव कुमार, संयुक्त सचिव पद पर राकेश कुमार पांडे और संतोष महतो तथा संगठन सचिव पद पर मंटू कुमार ने जीत हासिल की। नये पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह एक मार्च को आयोजित किया गया है।

चुनावी मैदान में थे प्रत्याशी

अध्यक्ष: राहुल कुमार मुर्मू, रवींद्र कुमार, कमलेश सिंह।

उपाध्यक्ष: निरंजन तिवारी, रोहित कुमार रजक, रामाकांत उपाध्याय, महताब आलम, अशोक तिवारी।

महामंत्री: संजीव कुमार, अरविंद कुमार यादव, नीलमणी राम।

संयुक्त सचिव: संतोष कुमार महतो, राकेश कुमार पांडेय, श्रीकांत शर्मा, मनोज पासवान।

संगठन सचिव: मंटू कुमार, निर्मल कुमार यादव।

यह चुनाव दो साल की देरी से हुआ था। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों के चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय से कई बार रिमाइंडर भेजे गए थे। एसोसिएशन, जो झारखंड पुलिस के कनीय पुलिस पदाधिकारियों का एसोसिएशन है, अपने सदस्यों की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस मुख्यालय और सरकार के बीच सेतु का काम करता है।

बदलेगी जमीन की रजिस्ट्रेशन पॉलिसी, पेपर लेस होगी

रांची (एजेंसी): झारखंड में जमीन-जायदाद की रजिस्ट्रेशन पॉलिसी बदलेगी। भू-राजस्व एवं निबंधन विभाग ने इस आशय का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। प्रस्ताव पर सरकार की स्वीकृति मिलते ही इसे जल्द लागू कर दिए जाने की संभावना है। इसका उद्देश्य जमीन जायदाद के क्रेता और बिक्रेता को कतिपय उलझनों से निजाद दिलाना है। नयी पॉलिसी में जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री को पूरी तरह पेपर लेस किया जा रहा है। मतलब अब रजिस्ट्री के समय किसी भी व्यक्ति को डीड की हार्ड कॉपी जमा करने की बाध्यता नहीं रहेगी। कोई भी क्रेता जमीन की रजिस्ट्री क कराने के लिए पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन करेगा। निबंधन की वर्तमान प्रक्रिया के तहत किसी भी व्यक्ति को प्री रजिस्ट्रेशन कराने के बाद रजिस्ट्री के समय डीड की हार्ड कॉपी जमा करनी पड़ती है। रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उस डीड को सर्टिफाइ करने के बाद संबंधित क्रेता को दे दिया जाता है।

नयी पॉलिसी में डीड की हार्ड कॉपी जमा करने की बाध्यता को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। पहले से तय प्रक्रिया के तहत अब कोई भी क्रेता प्री रजिस्ट्रेशन कराएगा। प्री रजिस्ट्रेशन के समय उसे निबंधन कार्यालय से रजिस्ट्री के लिए तिथि और समय का आवंटन हो जाएगा। फिर तय समय पर संबंधित व्यक्ति रजिस्ट्री कार्यालय जा कर जमीन अथवा किसी दूसरे जायदाद का रजिस्ट्री करा लेगा। उसे ऑन लाइन ही डीड की कॉपी भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

बाबूलाल मरांडी का झारखंड सरकार पर निशाना, कहा- सीएजी रिपोर्ट ने राज्य की वित्तीय कुप्रबंधन को उजागर किया

रांची (एजेंसी): बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर झारखंड सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि हर बॉल पर छक्का लगाने का दंभ भरने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हिट विकेट होते नजर आ रहे हैं। सीएजी की रिपोर्ट ने हेमंत सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन और घोर इच्छाशक्ति के अभाव को उजागर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने तकरीबन १९ हज़ार करोड़ रुपये की राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं किया, जो बड़े भ्रष्टाचार की संभावना को प्रबल करता है। आकस्मिक विपत्र निकासी में गड़बड़ी और गलत बजटीय प्रावधान का खामियाजा भी झारखंड की जनता जनार्दन को भुगतना पड़ा। राज्य १.१० लाख करोड़ से ज्यादा का कर्जदार हो गया है। राज्य में व्यापक गरीबी के बावजूद, कई कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित धनराशि का पूर्ण उपयोग नहीं किया गया, जिससे जरूरतमंद लाभार्थियों तक सहायता नहीं पहुंच पाई। डीबीटी योजनाओं, विशेषकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन और छात्रवृत्ति योजनाओं में, धनराशि के दुरुपयोग, फर्जी लाभार्थियों और अपात्र छात्रों को भुगतान जैसी अनियमितताएं पाई गईं। स्वास्थ्य क्षेत्र की बात करें तो डॉक्टरों के ६१ फीसदी पद खाली, मेडिकल कॉलेज में ४५ फीसदी पद खाली हैं। दवा व उपकरण की खरीद पर उपलब्ध राशि का महज २० प्रतिशत ही खर्च हुआ।

अल्पसंख्यकों के मामले सदन में उठाने पर प्रदीप यादव का हुआ स्वागत, विधायक ने कहा- सभी वर्गों के लिए प्रतिबद्ध हूं

गोड्डा (एजेंसी): झारखंड विधान सभा में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े मुद्दों को प्रभावी रूप से उठाने के लिए गोड्डा के अल्पसंख्यक समाज ने आज किसान भवन, गोड्डा में स्थानीय विधायक प्रदीप यादव का स्वागत किया।

इस अवसर पर समुदाय के लोगों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा उनके प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विधायक प्रदीप यादव के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, सरकारी योजनाओं के उचित क्रियान्वयन और शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए जो पहल की है, वह सराहनीय है।

इस मौके पर यादव ने कहा, मैं हमेशा समाज के हर वर्ग की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए तत्पर रहा हूँ। यह सम्मान मुझे आगे भी जनता की सेवा के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि अल्पसंख्यक समुदाय की भलाई के लिए वे निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में समाजसेवी, बुद्धिजीवी और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

मौके पर जियाउद्दीन अंसारी, मो शाहिद, महबूब भारती, नजमी, मो छोटू, मो जावेद, टार्जन, इश्तेखार अंसारी, जाकिर अंसारी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एकजुटता का संदेश दिया और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया।

आदिवासियों के लिए जनगणना प्रपत्र में अलग कॉलम की मांग दिल्ली में गूंजी, 9 राज्यों के संगठन हुए गोलबंद

रांची (एजेंसी): दिल्ली में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत के नेतृत्व में एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी समाज ने जनगणना प्रपत्र में 'आदिवासी धर्म' कॉलम की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया।

इस आंदोलन में देशभर से सैकड़ों धार्मिक अगुवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने इस मौके पर कहा कि आदिवासी समुदाय अपनी पहचान, हक और अधिकारों के लिए संघर्षरत है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी धर्म कॉलम की गैर-मौजूदगी के कारण उनकी पहचान हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या बौद्ध के रूप में की जा रही है, जिससे उनकी संस्कृति और परंपरा को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी चेताया कि धर्म कॉलम न होने से आदिवासी तेजी से धर्मांतरण की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे उनकी जनसंख्या में गिरावट आ रही है।

देशभर में जोर पकड़ रही है मांग

यह मांग अब झारखंड तक सीमित नहीं रही, बल्कि ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम समेत नौ राज्यों के आदिवासी संगठनों ने भी इस आंदोलन को समर्थन दिया। युवा पीढ़ी भी इस मुद्दे को लेकर सक्रिय होती जा रही है और केंद्र सरकार से इस विषय पर ठोस कदम उठाने की मांग कर रही है।

कैसे काम करती है बुलेट प्रूफ जैकेट?

कभी न कभी कहीं न कहीं आपने बुलेट प्रूफ जैकेट के बारे में जरूर सुना होगा। आपने फिल्मों में इसे देखा होगा या फिर किसी आर्मी या पुलिस अफसर को इसे पहनते हुए भी देखा होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि ये जैकेटें क्यों प्रयोग की जाती हैं? और अगर आप एक बुलेट प्रूफ जैकेट खरीदना चाहते हैं, तो आपको कितने पैसे खर्च करने पड़ेंगे। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं।

बुलेट प्रूफ जैकेट का काम क्या होता है? बुलेटप्रूफ जैकेट व्यक्ति को पिस्तौल या बंदूक से चली गई गोली से हानि होने से बचाती है। दरअसल इसे मुख्य रूप से पुलिस, सैनिकों और अन्य सुरक्षा कर्मियों द्वारा प्रयोग किया जाता है, जो बड़े खतरे में होते हैं और जिन्हें ऐसी घटनाओं से बचने की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, विशेषज्ञों, नेताओं और देश के अन्य महान व्यक्तियों को भी ऐसी विकट स्थितियों में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती हैं।

गोली को कैसे रोकती है यह जैकेट?

वास्तव में, जब बुलेट जैकेट का सामना किसी गोली से होता है, तो उस गोली जैकेट के कड़क हिस्से में प्रवेश करती है। यह गोली की नुकीली त्वचा के नीचे वितरित हो जाती है और इससे गोली की स्पीड में कमी आ जाती है, जिससे उसका प्रभाव कम हो जाता है। साथ ही, जैकेट के नुकीले हिस्से में आने वाली गोली को रोकने के लिए बैलिस्टिक प्लेट का उपयोग किया जाता है। जिससे जैकेट पहने व्यक्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता।

बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत कितनी होती है?

जानकारी के अनुसार बुलेट प्रूफ जैकेट की कीमत 40 हजार रुपये से शुरू होती है और 2 लाख तक की भी हो सकती है, जो उसकी गुणवत्ता और प्रकार पर निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, आजकल एडवांस्ड जैकेट भी उपलब्ध हैं जो काफी हल्की होती हैं। इसके अलावा, जब कोई बुलेट प्रूफ जैकेट पहने व्यक्ति को गोली लगती है, तो उसे उस इम्पैक्ट का एहसास होता है जैसे कोई उसे धक्का दे दिया हो, हालांकि इससे व्यक्ति को किसी भी तरह का नुकसान नही होता।

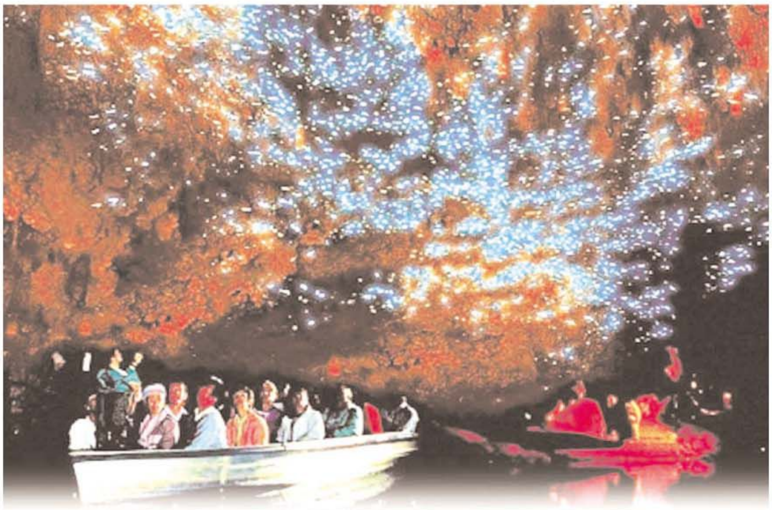

एराक्नोकैंपा ल्युमिनोसा नामक ग्लोवॉर्म से चमकती हैं वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं

न्यूजीलैंड की वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफा ऐसी नजर आती है, जैसे तारों से जगमगाता आसमान। दरअसल यहां एराक्नोकैंपा ल्युमिनोसा नामक ग्लोवॉर्म पाए जाते हैं। ये जीव एक रासायनिक प्रक्रिया करते हैं, जिससे रोशनी पैदा होती है। यह रोशनी अपने शिकार को आकर्षित करने के लिए होती है। इस दौरान यह सिल्क जैसे लंबे जाल बुनते हैं ताकि इसमें फंसने वाले जीवों का शिकार कर सकें। ये जीव जितने ज्यादा भूखे होते हैं उतनी ज्यादा रोशनी पैदा करते हैं। इसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता लगा रहता है।

क्या आप प्रागैतिहासिक गुफाओं के माध्यम से एक स्वप्निल सवारी करना चाहते हैं जो एक परी कथा की दुनिया से मिलती जुलती है? न्यूज़ीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाये किसी चित्र पोस्टकार्ड से कम नहीं दिखता, उत्तरी द्वीप के वेटोमो क्षेत्र में मंद रोशनी वाली और चमकते कीड़ों द्वारा आश्चर्यजनक रूप से सजाई गई है। चूना पत्थर की गुफाएँ ऑकलैंड के दक्षिण से घुमावदार पहाड़ियों के नीचे 2 घंटे की दूरी पर हैं।

न्यूजीलैंड की ग्लोवॉर्म गुफाएं अनोखी हैं, जिन्हें कुदरत का चमत्कार कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि इनकी छतें रात के अंधेरे में तारों से रोशन आसमान की तरह दिखती हैं. इसी वजह से ये गुफाएं दुनियाभर में फेमस हैं. बड़ी संख्या में लोग इनको देखने के लिए आते हैं. अब इन गुफाओं से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप गुफा के अंदर का जादुई नजारा देख कर हैरान रह जाएंगे.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'न्यूजीलैंड में वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं हजारों छोटे बायोलुमिनसेंट जीवों प्राणियों के साथ अपनी छत की चमक के साथ एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं. इन गुफाओं के अंदर का नजारा तारों से भरी रात की तरह लगता है.'

कहां हैं ये गुफाएं?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं न्यूजीलैंड के वेटोमो गांव में स्थित है. ये टोमो गुफाओं में सबसे प्रसिद्ध हैं, जो 130 से अधिक सालों से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रही हैं.

गुफा की छतें चमकने का रहस्य?

रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोवॉर्म गुफाएं एक कीड़े की वजह से चमकती हैं, जो छतों पर बड़ी संख्या में पाए जाते हैं. इस कीड़े का नाम एराचनोकैम्पा ल्यूमिनोसा है, जिसे न्यूजीलैंड ग्लोवॉर्म के नाम से भी जाना जाता है. ये कीड़े मच्छरों की तरह दिखते हैं और परिपक्व होने पर मक्खियों में बदल जाते हैं. जुगूनी की तरह प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम ये कीड़ा न्यूजीलैंड में ही पाया जाता है.

ग्लोवॉर्म गुफाएं प्रकृति की बेहतरीन रचना हैं जो समय के साथ पुरानी हो गई हैं और विशिष्टता प्राप्त कर चुकी हैं। बहुत सारे पर्यटक भूमिगत गुफा में नौकायन और कयाकिंग सत्र का आनंद लेते हैं। चमकते कीड़ों के नीचे तैरते हुए एक तारों भरी रात बिताएं और चमकते कीड़ों द्वारा आकर्षक बनाए गए गुफा के मंद-रोशनी वाले वातावरण को देखकर आश्चर्यचकित हो जाएं।

किंवदंतियों के अनुसार वेटोमो ग्लोवॉर्म गुफाएं लगभग 30 मिलियन वर्ष पुरानी हैं। समय के साथ, समुद्र के तल पर स्थित ये चूना पत्थर की गुफाएँ खराब हो गई हैं और हल्की रोशनी के साथ आकर्षण बढ़ा रही हैं, जिससे सुंदर भूमिगत गुफाएँ जगमगा रही हैं, जिसने दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित किया है।

जापान में स्थित है 600 साल पुराना तलाक मंदिर

दुनिया में ऐसे कई मंदिर है जिनकी अपनी अलग ही एक पहचान होती है। हालांकि हर मंदिर की अपनी एक विशेषता होती है लेकिन कुछ मंदिरों में अलग मान्यताओं के चलते उनको एक विशेष दर्जा दिया जाता हैं। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

सनातन धर्म में मंदिरों का अपना एक विशेष महत्व है। वहीं हम सनातन धर्म की बात करें तो हर मंदिर के अपने-अपने नियम और कानून होते हैं, जिससे वे दुनिया भर में मशहूर होते हैं। दरअसल मंदिरों के जरिए ही अपने अपने कल्चर को सुरक्षित हर धर्म द्वारा रखा जाता हैं। वहीं अपने जीवन में आपने कई ऐसे मंदिरों के बारे में सुना होगा जहां अपनी-अपनी मान्यताएं है। आज ऐसे ही एक मंदिर के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं।

'तलाक मंदिर' की अपनी एक खास पहचान

दरअसल आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसकी अपनी एक खास पहचान हैं। दरअसल इसे 'तलाक मंदिर' के नाम से ही जाना जाता हैं। आपको बता दें कि यह मंदिर जापान में स्थित है और इसे उसके अजीब इतिहास के लिए विख्यात माना जाता है। दरअसल यदि आप इसका नाम सुनकर यह सोच रहे होंगे की शायद इस मंदिर में तलाक करवाए जाते होंगे तो ऐसा नहीं हैं, यहां तलाक नहीं होते और न ही किसी देवी-देवता की पूजा की जाती है।

क्या है इस मंदिर की विशेषता?

आपको बता दें तलाक मंदिर, जिसे विशेष रूप से 'मात्सुगाओका टोकेई-जी के नाम से भी जाना जाता है, 12वीं और 13वीं शताब्दी की शुरुआत में जापान में बनाया गया था। मान्यताओं के अनुसार इस मंदिर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सशक्त करना था, क्योंकि उस समय महिलाओं की सामाजिक स्थिति बहुत ही कमजोर थी और उनके अधिकारों में भी बड़ी असमानता थी। जापान के समाज में 12वीं और 13वीं शताब्दी में सिर्फ पुरुषों के लिए तलाक की व्यवस्था थी, जिसके अनुसार पुरुष आसानी से अपनी पत्नी को तलाक दे सकते थे। इस दौरान वे महिलाएं जिन्हें शादी में खुशी नहीं मिली या घरेलू हिंसा की सामना कर रही थीं, उनके लिए एक समर्थन संरचना की आवश्यकता थी। 1285 में, बौद्ध नन काकुसान शिदो-नी ने तलाक मंदिर की स्थापना की, जो उन महिलाओं को आश्रय और सहायता प्रदान करने के लिए था जो संघर्ष कर रही थीं। यहां, वे अपने जीवन को आध्यात्मिकता में समर्पित करके बिताती थीं।

ये है दुनिया का सबसे छोटे दिल वाला पक्षी

एक सिक्के से भी हल्का होता है इनका शरीर!

आपको जानकर हैरानी होगी कि कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है?

दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे.

दुनिया में अलग-अलग साइज और वजन के पशु-पक्षी होते हैं. कोई मोटा होता है तो कोई पतला, कोई भारी होता है तो कोई बहुत ही हल्का. व्हेल तो आपने देखा ही होगा. ये दुनिया के सबसे बड़े और वजनदार जीवों में से एक होते हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक व्हेल का दिल कार के बराबर लंबा-चौड़ा और काफी वजनदार होता है. कनाडा में टोरंटो स्थित रॉयल ओंटेरियो म्यूजियम में एक ब्लू व्हेल का दिल रखा हुआ है, जिसका वजन करीब 190 किलोग्राम है. पर क्या आप जानते हैं कि ऐसा कौन सा पक्षी है, जिसके पास दुनिया का सबसे छोटा दिल है? तो चलिए जानते हैं कि इस पक्षी के बारे में कुछ रोचक बातें, जो शायद ही आप जानते होंगे. दुनिया के सबसे छोटे दिल वाले पक्षी का नाम है हमिंगबर्ड, जिसे दुनिया का सबसे छोटा पक्षी भी कहा जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक हमिंगबर्ड आमतौर पर महज 2-2.5 इंच ही लंबी होती है. हालांकि कुछ 8 इंच भी लंबी होती हैं और इनके वजन की अगर बात करें तो एक हमिंगबर्ड महज दो ग्राम से लेकर 20 ग्राम तक की होती है. अब आप समझ सकते हैं कि इनका दिल कितना छोटा होता होगा.

दुनिया के सबसे छोटे दिल वाले पक्षी का नाम है हमिंगबर्ड, जिसे दुनिया का सबसे छोटा पक्षी भी कहा जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी कि एक हमिंगबर्ड आमतौर पर महज 2-2.5 इंच ही लंबी होती है. हालांकि कुछ 8 इंच भी लंबी होती हैं और इनके वजन की अगर बात करें तो एक हमिंगबर्ड महज दो ग्राम से लेकर 20 ग्राम तक की होती है. अब आप समझ सकते हैं कि इनका दिल कितना छोटा होता होगा.

कहते हैं कि हमिंगबर्ड खड़े-खड़े ही सो लेती है. दरअसल, इनके पैर बहुत ही कमजोर होते हैं, इसलिए ये चल नहीं पातीं, लेकिन अपने पैरों से ये पेड़ की टहनियों को मजबूती से पकड़ कर खड़े-खड़े सो जरूर जाती है. एक हमिंगबर्ड की उम्र करीब 4-5 साल ही होती है. आपको शायद ही ये पता हो कि यह चिड़िया हर 10 मिनट में कुछ न कुछ खाती या पीती है. वहीं, इनकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये अपने पंखों को इतनी तेजी से फड़फड़ाती हैं कि एक ही जगह पर काफी देर तक रूकी रह सकती हैं, जिस तरह कोई हेलीकॉप्टर अपने पंखों के सहारे एक ही जगह पर रूका रह सकता है. वैसे कहने के लिए तो ये दुनिया के सबसे छोटे पंछी होते हैं, लेकिन लंबी दूरी के सफर के मामले में इनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता. हमिंगबर्ड एक उड़ान में करीब 1400 मील यानी 2253 किलोमीटर का सफर तय कर सकती हैं.

अभिषेक बच्चन की बी हैप्पी की रिलीज डेट से उठा पर्दा

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बी हैप्पी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दर्शकों को फिल्म की रिलीज डेट के खुलासे का बेसब्री से इंतजार था, जो आज खत्म हो गया। दरअसल, अभिषेक बच्चन और इनायत वर्मा अभिनीत फिल्म बी हैप्पी की रिलीज डेट का एलान आज महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर किया गया है। निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया गया है।

इस दिन आएगी फिल्म

यह फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। बी हैप्पी प्राइम वीडियो पर 14 मार्च को रिलीज होगी। बी हैप्पी एक समर्पित एकल पिता, शिव (अभिषेक बच्चन) और उनकी उत्साही, तेज-तर्रार बेटी धरा (इनायत वर्मा) के बीच अटूट बंधन की कहानी है। अपनी उम्र से कहीं ज्यादा समझदार धरा देश के सबसे बड़े डांस रियलिटी शो के मंच पर प्रदर्शन करने का सपना देखती है।

फिल्म की कहानी

चीजें तब बिगड़ जाती हैं, जब एक खलनायक उस सपने को चकनाचूर करने की धमकी देता है तो शिव बेटी के सपने को बचाने के मिशन पर निकलता है। अपनी बेटी की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए वह अपने भाग्य को चुनौती देता है। यह फिल्म एक पिता और बेटी के बीच के रिश्ते की मार्मिक कहानी को दर्शकों के सामने पेश करेगी।

फिल्म के कलाकार

यह फिल्म भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर प्रीमियर होगी। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही और इनायत वर्मा की मुख्य भूमिकाओं में हैं और नासिर, जॉनी लीवर और हरलीन सेठी की सहायक भूमिकाएं हैं।

ऐसा किरदार करना चाहती हूं, जहां मैं दूसरी लड़कियों को प्रेरित कर सकूं

जैस्मीन भसीन इन दिनों बदनाम को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ जय रंधावा भी लीड रोल में हैं।

फिल्म में आपका किरदार कैसा है?
जैस्मीन- मेरे किरदार का नाम नूर है और नूर बादशाह के जीवन में वह चैप्टर है, जिस चीज से उसकी पहचान है, उससे वह नफरत करती है। तो फिल्म में आप उसका द्वंद्व और संघर्ष देखेंगे।

किस फिल्म को दोबारा देखना चाहेंगी?
जैस्मीन मेरे घर में मेरे दादा-दादी बहुत फिल्में देखना पसंद करते हैं। मेरे दादाजी की जो नई पसंदीदा फिल्म थी, वह थी वीर जारा, जिसे मेरे दादाजी ने दो-तीन बार मेरी दादी के साथ जाकर देखा। तो वे उस तरह के डाई-हार्ट रोमांटिक थे और एक बार मैं भी गई थी वो फिल्म देखने। तो वो सारी यादें मुझे बहुत इमोशनल कर देती हैं। मुझे ऐसा लगता है कि मैं वीर जारा जाकर थिएटर में कभी अकेली बैठकर देखूं और मैं उन्हें अपने पास इमेजिन करूंगी।

आपकी जर्नी कैसी रही, कौन सा ऐसा किरदार है जिसे आप निभाना चाहती हैं?
मेरी जर्नी वैसी ही रही है, जैसी हर किसी की होती है, उतार-चढ़ाव वाली, अच्छी-बुरी, फेलियर और अचीवमेंट, सब कुछ। एक किरदार जिसे मैं निभाना चाहती हूं, मैं किसी खास किरदार या इंसान का नाम नहीं ले सकती, लेकिन मैं निश्चित रूप से ऐसा रोल करना चाहती हूं, जहां मैं दूसरी लड़कियों को प्रेरित कर सकूं। मैं उन्हें यह बताना चाहती हूं कि छोटे शहरों में लड़कियों को अक्सर बेचारी के तौर पर देखा जाता है और मैं उस बेचारी वाली मानसिकता को बदलना चाहती हूं।

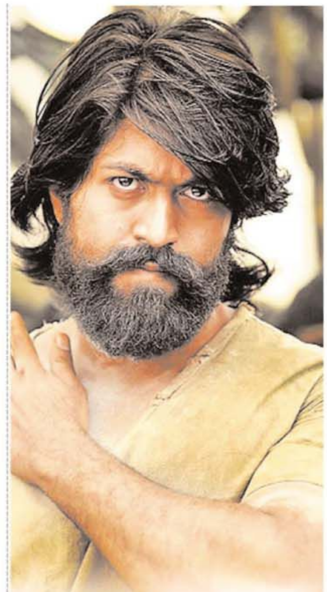

रावण जैसे किरदार को कई तरह से स्क्रीन पर निभाया जा सकता है

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों नितेश तिवारी की फिल्म रामायण की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह रावण का किरदार निभा रहे हैं। मुंबई में चल रही शूटिंग के दौरान, यश ने रावण के किरदार पर अपनी राय साझा की। इसे उन्होंने एक रोमांचक भूमिका बताया। यश, रावण की भूमिका निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह किरदार एक अभिनेता के लिए बहुत संभावनाएं प्रदान करता है। मेरे लिए रावण का किरदार बेहद खास है। अगर मुझसे पूछा जाता कि रामायण में इस किरदार के अलावा कोई और किरदार निभाओ, तो मैं मना कर देता। मुझे इस किरदार के विभिन्न पहलू पसंद हैं। रावण के किरदार को कई तरीकों से प्ले किया जा सकता है। मुंबई में चल रही शूटिंग में, यश एक्शन सीन्स में भाग ले रहे हैं।

फिल्म डकैत में इंस्पेक्टर स्वामी के रोल में नजर आएंगे अनुराग कश्यप

अदिवी शेष की आगामी फिल्म डकैत में मृणाल ठाकुर की एंट्री के बाद अब अनुराग कश्यप की एंट्री के साथ ही उनके किरदार से भी पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका नाम स्वामी है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म से एक और नए किरदार का पहला लुक जारी किया है, जिसे बॉलीवुड फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप निभाएंगे। इस फिल्म में अनुराग एक इंस्पेक्टर स्वामी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इंस्पेक्टर स्वामी का पहला लुक शेयर करते हुए निर्माताओं ने पोस्ट को कैप्शन दिया, दीक्षा लो उन्ना पुलिस नन्नु पत्तुकुटाडु अता.. नन्नु पत्तुकोवलाटे आ देवुडे डिजी रावली इमो.. डकैत में अद्भुत अनुराग कश्यप सर को लेकर बेहद खुश हूं।

ऊर्फी जावेद के शो में सगाई करेंगी आयरा बंसल

गोविंदा और वरुण शर्मा की फाई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल आदर्श जीवनसाथी की तलाश के लिए ऊर्फी जावेद के नए रियलिटी शो एंगेज्ड -रोका या धोखा में प्रतिभागी के रूप में शामिल हुई हैं। अभिनेत्री आयरा बंसल जिन्होंने फाई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में तो की हैं। साथ ही उन्होंने म्यूजिक वीडियो और रैंप मॉडलिंग भी की है और भारत, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए वॉक किया है। लेकिन पहली बार वह किसी रियलिटी शो में भाग ले रही हैं। एंगेज्ड एक नए तरीके का रियलिटी शो है। जब मुझसे इसके लिए संपर्क किया गया, तो मेरे दिमाग में केवल यही चल रहा था कि मैंने अभिनय और मॉडलिंग की है, लेकिन रियलिटी शो कुछ नया है जो मैंने अभी तक नही किया है, इसलिए मैंने इस अवसर का लाभ उठाया। और जीवन साथी तो कब, कहाँ और कैसे मिल जाए ये सब भगवान के हाथ में होता है, आयरा ने शो का हिस्सा बनने की वजह बताते हुए कहा। एंगेज्ड - रोका या धोखा सिर्फ डेटिंग शो नही है बल्कि यह एक ऐसा शो है जहाँ आप अपना सच्चा जीवनसाथी पा सकते हैं। शो में प्रतिभागियों को एक जोड़े के रूप में अलग-अलग टास्क जीतने होते हैं, जिससे उन्हें एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने, समझने और विश्वास बढ़ाने में मदद मिलती है। शो को ऊर्फी जावेद और हर्ष गुजराल होस्ट कर रहे हैं और यह वर्तमान में जियो सिनेमा और हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है। ऊर्फी जावेद के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात करते हुए आयरा ने कहा, हालाँकि हम एक ही इंडस्ट्री में काम करते हैं, लेकिन मुझे ऊर्फी से पहले मिलने का मौका नहीं मिला। मैं उनसे पहली बार एंगेज्ड के सेट पर मिली थी और मिलते ही हमने लंबी बातचीत की जिससे अब हम दोस्त बन गए हैं। ओटीटी पर इस रियलिटी शो को करने के अलावा, आयरा बंसल 'शिवा- द फाइटर' नामक एक एक्शन फिल्म के साथ तेलुगु फिल्मों में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जूनियर एनटीआर-प्रशांत नील की फिल्म का हिस्सा बनीं उर्वशी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला हाल ही में नंदमूरि बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज में नजर आई थीं। अब उर्वशी प्रशांत नील द्वारा निर्देशित और जूनियर एनटीआर अभिनीत आगामी एक्शन थ्रिलर में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं। फिल्म अभी निर्माण प्रक्रिया में है और खबर है कि यह फिल्म चीनी गैंगस्टर झाओ वेई के जीवन पर आधारित है। खबर है कि उर्वशी की संभावित भूमिका के बारे में चर्चा चल रही है, हालांकि, आधिकारिक पुष्टि बाकी है। इस फिल्म का अस्थाई नाम एनईआर नीलरखा गया है, जिसमें जूनियर एनटीआर एक शक्तिशाली माफिया डॉन की भूमिका में नजर आएंगे। खबर है कि मलयालम स्टार टोविनो थॉमस और कन्नड एक्टर रुक्मिणी वसंत इस प्रोजेक्ट में शामिल होंगे।

....मैं तब भी स्ट्रगल करता था और आज भी कर रहा हूं

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुके अदाकार विनीत कुमार ने एक लंबा संघर्ष किया, मगर हार नहीं मानूंगाकी तर्ज पर वे डटे रहे। फिल्मों में सहायक निर्देशक रहे विनीत कभी लाश बने, तो कभी हीरो के डुप्लीकेट, फिर मुक्काबाज से उन्हें पहचान मिली। आयुर्वेद के डॉक्टर रहे विनीत के लिए साल की शुरुआत बेहतरीन रही है। उनकी छावा बॉक्स ऑफिस पर कामयाब है और उनकी अपकमिंग फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव फिल्म फेस्टिवल में सुर्खियां बटोर रही।

आपकी फिल्म छावा अच्छी कमाई कर रही है। आपके लिए बॉक्स ऑफिस सक्सेज कितना मायने रखता है?
बहुत मायने रखता है। जब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल होती है तो कलाकार को बड़े पैमाने पर प्रयोग करने का फ्रीडम मिल जाता है। अब जैसे मुक्काबाज़ से मुझे बहुत उम्मीद थी कि चीजें अलग लेवल पर बदलेंगी, बदली थीं। लेकिन शायद मेरी उम्मीद ज्यादा थी। तो उस तरीके की चीजें हो नहीं पाई। सभी जानते हैं कि मुक्काबाज़ के लिए मैंने अपना सब बेच-बाच दिया था। असल में मुक्काबाज़ के बाद एक बड़ी तमिल फिल्म होने वाली थी, मगर वो फिल्म लंबे अंतराल के बाद भी बन नहीं पाई। इस फिल्म के लिए मैंने अपनी ढाई साल की मेहनत से बनाई हुई फिजिकैलिटी तोड़ दी थी। मुक्काबाज के बाद से लेकर छावा तक मुझे कोई सोलो थिएट्रिकल रिलीज नही मिली। तो उसके बाद मैंने अपनी जिम्मेदारियों के निर्वाह के लिए फिल्में कीं, मगर कोशिश यही थी कि अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनूं। अब जब फिल्म को इतनी सफलता मिल रही है, तो मैं बहुत खुश हूं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर में भी तो आप और विक्की कौशल साथ थे?
हां, विक्की असिस्टेंट डायरेक्टर था और मैं एक्टर। विक्की ने करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में की। मैं भी अपने करियर के आरंभिक दौर में असिस्टेंट डायरेक्टर रहा। विक्की इंजीनियर थे तो मैं डॉक्टर। मुझे लगता है कि आपकी किस्मत में लिखा होता है कुछ लोगों से जुड़ना। मैंने महेश मांजरेकर साहब के साथ असिस्टेंटशिप की। जब भी कोई फिल्म आती, तो हम सिद्धिविनायक मंदिर या फिर शिर्डी जैसी जगहों पर जाते थे। शनि शिंगणापुर, जेजुरी खंडोबा जैसे धार्मिक स्थलों पर घूमा करते थे। जब छावा का ये किरदार मिला, तो घूमने का वो अनुभव काम आया और विक्की के साथ दोबारा काम करने का मौका मिला।

आउटसाइडर होने के नाते आपने इंडस्ट्री में लंबा संघर्ष किया है
मैंने नेपोटिज्म या परिवारवाद को नही मानता। मेरे जो दोस्त हैं, जिनके पिता इंजीनियर थे, उन्होंने अपने बच्चों को इंजीनियर ही बनाया। मैंने देखा है कि पॉलिटिशियन का बेटा भी नेता ही बनता है, तो ये सब जगह होता है। चूंकि फिल्म वालों पर सभी की निगाह होती है, तो उन्हें लगता है कि ये यही हो रहा है। अगर इंडस्ट्री में कोई माता-पिता स्टैब्लिश हुए हैं, तो वे अपनी जनरेशन को बेस्ट देंगे। उसमें बच्चे की क्या गलती है। उसे पीछे क्यों पड़े हो। मैंने अपने एक इंटरव्यू में यही कहा था कि जब सही समय पर मौका मिला जाता है, तो आप बहुत सारी चीजें कर पाते हैं। उसमें मैंने आलिया भट्ट का नाम भी लिया था। वाह लाइफ हो तो ऐसी के समय मैं ईशान खट्टर को खुद गोद में बैठाकर लाया हूं। मैं कहना चाहता हूं कि ईशान जब मेरी गोद में बैठा करता था, मैं तब भी स्ट्रगल करता था और आज भी स्ट्रगल कर रहा हूं।

दो दशकों के लंबे संघर्ष में आपने अपने जज्बे को कैसे बनाए रखा?
आगे बढ़ने के लिए एक ही ऑप्शन है कि गुरु लगे रहो। अटल जी की कविता है। हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा, काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं, गीत नया गाता हूं तो कभी इस कविता से हिम्मत जुटा लेता, कभी मेरे पिताजी हमेशा बोला करते हैं कि हारिए न हिम्मत बिसारियो न हरि नाम, क्योंकि जब सब हरि का ही किया हुआ है तो वो ख्याल रखेंगे। टर्मिनेटर के विलेन की तरह मैं खुद को बिखरने नहीं देता। टुकड़े-टुकड़े होने के बाद भी खुद को समेत कर खड़ा हो जाता हूं।

आपकी आगामी फिल्म सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव में कलाकारों का मेला लगा हुआ है, तो ऐसे में अपनी भूमिका को कैसे उभार पाए?
टोरंटो इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल में जब फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद हमें स्टैंडिंग ओवेशन मिला, तो मैं बयान नहीं कर सकता कि क्या अहसास था, दो हजार छह सौ की केपेसिटी वाले रॉय थॉमसन हॉल के कॉन्सर्ट हॉल में जो तालियां बजनी शुरू हुईं, तो वो रुकने का नाम नहीं ले रही थीं। नासिर भाई (नासिर शेख) जिन पर यह फिल्म आधारित है, उनकी आंखें आंसुओं से तर थीं। वाकई यह अपने शीर्षक के मुताबिक मालेगांव के उन युवाओं की कहानी है, जहां पर ऐसे लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री खड़ी कर दी, जिनके पास कोई संसाधन नहीं थे। ये नब्बे के दशक की बात है, जिस समय उन्हें कैमरा तक बाहर से लाना पड़ता था। कहां तो एक आदमी दो जून की रोटी और बुनीआयडी जरूरतों को पूरा करने में जिंदगी निकाल देता हो, इनमें से कोई खजूर बेचता था, कोई चाय की टपरी चलाता था, तो कोई विडियो पार्लर। इनमें एक जर्नलिस्ट था, जिसके पास लिखने का कोई प्लैटफॉर्म नहीं था, मगर इन दोस्तों में एक कॉमन बात थी सिनेमा। इन लोगों ने सिनेमा के लिए जो जुगाड़ किया, वो दिल को छू लेने वाला है। मैं निर्देशक रीमा कागती के साथ गोल्ड कर चुका हूं। वे कमाल की निर्देशक हैं।

संक्षिप्त समाचार

रूस और अमेरिका का सामान्य दूतावास संचालन पर जोर

इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और अमेरिकी राजनयिकों ने तुर्किये के इस्तांबुल में अपने-अपने देशों में स्थित एक-दूसरे के दूतावासों के संचालन को सामान्य बनाने और दोनों देशों में सीधे हवाई लिंक पर चर्चा की। दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में एक-दूसरे के राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर और दोनों देशों के अफसरों में सऊदी अरब वार्ता के बाद इस्तांबुल में ये वार्ताएं हुई हैं। संघीय सुरक्षा सेवा की इस बैठक में पुतिन ने ट्रंप प्रशासन की व्यावहारिकता और उनके यथार्थवादी दृष्टिकोण की सराहना की। पुतिन ने कहा, नए अमेरिकी प्रशासन के साथ हुए पहले संपर्क से कुछ आशाएं बढ़ी हैं। संबंधों को बहाल करने और वैश्विक व्यवस्था में मौजूद रणनीतिक समस्याओं को धीरे-धीरे हल करने के उद्देश्य से काम करने के लिए पारस्परिक तत्परता है। अंकारा में स्थित अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि इस्तांबुल वार्ता में संबंधित राजनयिक मिशनों के संचालन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, वार्ता अच्छी रही।

चीन : 17 बच्चों की तस्करी की दोषी महिला को फांसी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक दशक से अधिक समय तक 17 बच्चों के अपहरण व तस्करी करने की दोषी एक महिला को शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी चीन के गुइझोउ प्रांत के गुइयांग में फांसी दे दी गई। 62 वर्षीय यू हुआयिंग पर 1993 से 2003 के बीच गुइझोउ, चोंगकिंग व युन्नान सहित कई क्षेत्रों में बाल तस्करी के लिए दूसरों के साथ साजिश रचने की आरोपी रही है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट द्वारा मृत्युदंड की मंजूरी के बाद उसकी फांसी की सजा को अमल में लाया गया। कोर्ट ने उसकी निजी संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया है।

इंग्लिश को आधिकारिक भाषा बनाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, इंग्लिश को अमेरिका की आधिकारिक भाषा का दर्जा देने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। आदेश के बाद सरकारी एजेंसियां और अन्य संगठन, जो संघीय फंडिंग पर संचालित होते हैं, वे इंग्लिश भाषा में अपना कामकाज करेंगे। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने एक कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें गैर इंग्लिश भाषी लोगों को भाषायी मदद दी जाती थी, लेकिन अब यह आदेश निरस्त हो जाएगा। अमेरिका के 30 राज्य पहले से ही इंग्लिश को अपनी आधिकारिक भाषा का दर्जा दे चुके हैं। हालांकि केंद्र के स्तर पर यह अभी तक नहीं हुआ था। अब ट्रंप के आदेश के बाद इंग्लिश आधिकारिक तौर पर अमेरिका की आधिकारिक भाषा बन जाएगी। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने के बाद से संघीय कर्मचारियों पर आफत टूट पड़ी है। बड़ी संख्या में संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है और अब जो बचे हैं, उनसे उनकी उपलब्धियों के बारे में पूछा जा रहा है।

'धन्यवाद अमेरिका', 'धन्यवाद अमेरिकी राष्ट्रपतिः ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बहस के बाद जेलेंस्की ने कहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ कहासुनी के बाद व्हाइट हाउस से रवाना होने के बाद यूक्रेन के समर्थन के लिए ट्रंप और अमेरिका का आभार व्यक्त किया। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में बैठक के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की के प्रति तीखा रुख दिखाते हुए उनपर लाखों लोगों का जीवन खतरे में डालने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी कार्रवाई से तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता था। इसके जवाब में जेलेंस्की अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना व्हाइट हाउस से रवाना हो गए। व्हाइट हाउस से प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद, जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद अमेरिका, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद, इस यात्रा के लिए धन्यवाद।

लंदन उच्च न्यायालय ने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ संजय भंडारी की अपील स्वीकार की

लंदन, एजेंसी।
लंदन उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संजय भंडारी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील मंजूर कर ली। रक्षा क्षेत्र के सलाहकार भंडारी पर कथित कर चोरी और धनशोधन के आरोप हैं। लॉर्ड न्यायमूर्ति टिमोथी होलोयडे और न्यायमूर्ति करेन स्टेन ने पिछले साल दिसंबर में सुनवाई के बाद मानवाधिकार के आधार पर 62 वर्षीय व्यवसायी की अपील को स्वीकार करते हुए अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अब नवंबर 2022 में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले के आधार पर भारत में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए तत्कालीन ब्रिटिश गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के प्रत्यर्पण आदेश से उन्हें ''मुक्त'' करने का आदेश दे दिया है।

फैसले में कहा गया, ''उपलब्ध कराए गए सभी साक्ष्यों और सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए, जिसमें नए साक्ष्य भी शामिल हैं, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि तिहाड़ जेल में अपीलकर्ता (भंडारी) को अन्य कैदियों और/या जेल अधिकारियों से धमकी या वास्तविक हिंसा के साथ जबरन वसूली का वास्तविक खतरा होगा।''

अपील इस आधार पर स्वीकार की गई कि भंडारी का प्रत्यर्पण यूरोपीय मानवाधिकार संधि (ईसीएचआर) के अनुच्छेद 3 के तहत उसके अधिकारों के अनुरूप नहीं होगा, जो कि प्रत्यर्पित किए जाने पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में उसे कैद रखने और जेल में पुलिस तथा अन्य जांच निकायों द्वारा उसके साथ किए जाने वाले व्यवहार के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन पर

आधारित है। फैसले में कहा गया, ''उनके खिलाफ आरोपों की प्रकृति और भारत में उनके संबंध में प्रचार इस तरह का है कि उन्हें (कम से कम) एक बहुत अमीर व्यक्ति माना जाएगा और इसलिए जबरन वसूली के लिए प्रमुख लक्ष्य होंगे। जेल संख्या 3 तिहाड़ जेल में अत्यधिक भीड़भाड़ और बहुत कम कर्मचारियों के मद्देनजर, सबसे ईमानदार जेल अधिकारियों के लिए भी अपीलकर्ता को गिरोह के सदस्यों सहित अन्य कैदियों के हाथों जबरन वसूली और दुर्व्यवहार से बचाना बहुत मुश्किल होगा।''

इसमें कहा गया कि भारत सरकार द्वारा दिए गए ''आश्वासनों'' से ''वास्तविक जोखिम'' दूर नहीं होता। भंडारी के खिलाफ दो प्रत्यर्पण अनुरोध किए गए थे। पहला जून 2020 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत धन शोधन के आरोप के संबंध में है जबकि दूसरा जून 2021 में भारत के काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) एवं कर अधिरोपण अधिनियम 2015 के तहत लगाए जाने वाले आरोपों को लेकर है।

मेक्सिको ने 40 साल बाद अमेरिका को ड्रग माफिया सौंपा

2500 एकड़ में गांजे की खेती, अमेरिकी एजेंट की हत्या; कुत्ते ने झाड़ी से पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी।
मेक्सिको ने 40 साल पहले अमेरिकी एजेंट की हत्या करने वाले ड्रग माफिया राफेल कारो क्विंटेरो को अमेरिका का सौंप दिया है। क्विंटेरो एफबीआई की टॉप-10 वॉन्टेड की लिस्ट में था। ऐसे दावे किए गए थे कि वो अमेरिकी जांच एजेंसी सीआईए के अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने काम करवाता था।जब उसे पकड़ा गया, तो 40 साल की जेल हुई। लेकिन 28 साल जेल में काटने के बाद वो 2013 में फरार हो गया था। 10 साल बाद मेक्सिको के एक राज्य से एक खोजी कुत्ते ने ढूंढ निकाला।

किसान के घर पैदाइश, 2500 एकड़ में गांजे की खेती: राफेल कारो क्विंटेरो, मेक्सिको के सिनालोआ प्रांत के बदीरागुआतो में 24 अक्टूबर 1952 को पैदा हुआ था। यह इलाका मेक्सिको के कुख्यात ड्रग लाईस (माफिया) का गढ़ रहा है। सबसे कुख्यात तस्करों में से एक जोआक्विन एल चापो गुजमैन भी इस इलाके से रहा है। क्विंटेरो एक गरीब किसान परिवार में पैदा हुआ था। उसने बचपन में ही खेतों में करना शुरू कर दिया था। कम उम्र में ही उसे ड्रग के बिजनेस में में ज्यादा पैसा कमाने की संभावना दिखी। उसने दो बड़े ड्रग

माफियाओं मिगेल एंजेल फेलिक्स गालार्डो और एर्नेस्टो फोंसेका करिलो के साथ मिलकर, ग्वाडलहारा कार्टेल शुरू किया। क्विंटेरो ने अपने कार्टेल को बड़ा करने के लिए बड़े पैमाने पर गांजे की खेती शुरू की। उसने मेक्सिको के चिहुआहुआ राज्य में 2500 एकड़ में एक खेत तैयार किया।

इस खेती ने ग्वाडलहारा कार्टेल को ड्रग के बिजनेस में ताकतवर बना दिया था। यह कार्टेल मेक्सिको के पहले संगठित ड्रग कार्टेल में से एक था। यह गिरोह अमेरिका में मारिजुआना (गांजा) और हेरोइन की तस्करी करता था। बाद में इस कार्टेल ने कोलंबिया के कई कार्टेल्स के साथ मिलकर कोकीन की तस्करी का धंधा भी शुरू कर दिया।

इस कार्टेल ने मेक्सिको और अमेरिका के बीच ड्रग ट्रैफिकिंग रूट पर कब्जा जमा लिया था। कार्टेल की बढ़ती ताकत ने उसे अमेरिकी ड्रग इन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) की नजरों में ला दिया। 1980 के दशक की शुरुआत में, डीईए ने मेक्सिको के कार्टेल्स पर कार्रवाई तेज कर दी। एजेंसी का एक अंडरकवर एजेंट एनरिक कीकी कैमारेना, ग्वाडलहारा कार्टेल के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए काम कर रहा था। कैमारेना के इनपुट से डीईए को 1984 में कार्टेल के खेत के बारे में पता चल गया। इसके बाद एजेंसी ने खेत को नष्ट कर दिया, जिससे कार्टेल को बड़ा झटका लगा।

क्विंटेरो ने इसका बदला लेने के लिए अमेरिकी एजेंट कैमारेना को किडनैप करने और उसकी हत्या करने का ऑर्डर दिया। क्विंटेरो के आदेश पर उसके लोगों ने फरवरी 1985 में कैमारेना को पकड़ लिया। उसे बेहरमी से पीटा गया और घंटों तक पूछताछ के बाद मार दिया। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि क्विंटेरो ने यूएस की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के अधिकारियों से सांठगांठ कर ली थी। वह इन अधिकारियों को मोटी रिश्वत देकर अमेरिका में अपने काम कराता था। डीईए के एजेंट एनरिक कैमारेना को इसकी जानकारी हो गई थी। जिसके बाद क्विंटेरो ने उसका अपहरण कर लिया और हत्या कर दी। हालांकि सीआईए इस आरोप से इनकार करती है कि उनका क्विंटरो से कोई कनेक्शन था।

दक्षिणी चीन में नदी में पोत और नौका की टक्कर होने से कम से कम 11 लोगों की मौत

बीजिंग, एजेंसी।
चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हैं। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात यह जानकारी दी।

देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने बताया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए जिनमें से तीन को उसी दिन बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। शिन्हुआ ने बताया कितलाश एवं बचाव अभियान जारी रखी। दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने शंघाई के समाचार पत्र 'द पेपर' को बताया कि नौका ही उनके गांव में आने-जाने का मुख्य साधन है। 'द पेपर' द्वारा प्राप्त एक वीडियो में तेल रिसाव को साफ करने वाला एक बड़ा पोत शांत पानी में नौका को पीछे से टक्कर मारता दिखाई दे रहा है। चीन की समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि पोत पर सवार तीन लोग पुलिस की जांच के दायरे में हैं और उनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ है।

18वें जन्मदिन से पहले बेटे का खून करके बोली मां-यही उसका गिफ्ट

बीजिंग, एजेंसी। यह हृदय विदारक मामला मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक गतिशीलता और भावनात्मक भार के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है, जो कभी-कभी अकल्पनीय घटनाओं को जन्म दे सकता है। यह दिल दहला देने वाली घटना अमेरिका के मिशिगन की है। इस दुखद और परेशान करने वाली घटना ने पूरे समुदाय को हिलाकर रख दिया है। मिशिगन की एक मां पर अपने 17 वर्षीय बेटे की उसके 18वें जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले कथित तौर पर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला ने खुद पुलिस को फोन कर इस घटना की जानकारी दी।

मां ने किया चौंकाने वाला दावा

फॉक्स17 की रिपोर्ट के अनुसार, 39 वर्षीय केटी ली पर अपने बेटे के कहने पर उसकी जान लेने का आरोप लगाया गया है। महिला ने हत्या के पीछे जो कारण बताया है वह और भी चौंकाने वाला है। महिला का कहना है कि उसने अपने बेटे की आखिरी इच्छा पूरी कर दी है, यह उसका जन्मदिन का तोहफा है। महिला का दावा है कि उसके बेटे ने वयस्क होने से पहले ही उससे आत्महत्या करने के लिए कहा था। इस हृदय विदारक घटना से संबंधित विवरण लगातार सामने आ रहे हैं और लोग इस कहानी पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना तब सामने आई जब केटी ली ने खुद पुलिस को फोन किया और अपने बेटे ऑस्टिन पिकार्ट की हत्या की बात कबूल की। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, ली ने चाकू से अपने बेटे का गला रेतकर उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने दावा किया कि ऑस्टिन ने उसके 18 साल के होने से पहले ही उसके सामने आत्महत्या करने की इच्छा व्यक्त की थी, इसलिए उसने उसके जन्मदिन से ठीक पहले इस घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ली ने और भी भयावह जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने और उनके बेटे ने कई घंटे पहले दवा की अधिक मात्रा लेने का प्रयास किया था, लेकिन उनका प्रयास विफल हो गया था। लेकिन, ऑस्टिन वयस्क होने से पहले ही मरने की इच्छा व्यक्त करता रहा, जिसके कारण उसकी मां ने उसके अनुरोध पर उसे मार डालने का दुखद निर्णय लिया।

तालिबान बनाने वाले मौलाना हक्कानी के बेटे की हत्या

पाकिस्तान में रमजान से पहले मदरसे में धमाका, 4 और लोग भी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रमजान से एक दिन पहले शुक्रवार को जामिया हक्कानिया मदरसा में बम विस्फोट हुआ। यह हमला तालिबान के गॉडफादर के बेटे हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में उसकी मौत हो गई है। इसके अलावा 4 और लोग भी मारे गए हैं। हादसा खैबर पख्तूनख्वा राज्य के अकोरा खट्टक जिले में हुआ। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल राशिद ने बताया कि बम हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अब तक किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

हमीदुल हक्कानी को निशाना बनाकर हुआ हमला घटना के बाद पेशावर के सभी प्रमुख हॉस्पिटल में इमरजेंसी लगा दी गई है। समा टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में यह एक सुसाइड बम विस्फोट लग रहा है। इसमें मस्जिद का एक हिस्सा भी टूट गया है। खैबर पख्तून ख्वा के आईजी के मुताबिक यह हमला मौलाना हमीदुल हक हक्कानी को निशाना बनाकर किया गया था।

मौलाना हमीदुल हक्कानी, तालिबान के

गॉडफादर मौलाना समीउल हक हक्कानी का बड़ा बेटा है। सीनियर हक्कानी अफगान तालिबान का कट्टर समर्थक था। उसने साल 1947 में पाकिस्तान में सबसे प्रभावशाली इस्लामी मदरसों में से एक दारुल उलूम हक्कानिया की स्थापना की थी। समीउल हक ने ही तालिबान की स्थापना की थी और मुल्ला उमर समेत कई तालिबानी नेताओं को तैयार किया था। मौलाना समीउल हक्कानी की हत्या 2018 में अज्ञात हमलावरों ने कर दी थी।

पिछले साल अफगानिस्तान गया था हक्कानी हक्कानी ने पिछले साल ही अफगानिस्तान का दौरा किया था और तालिबान नेताओं से मुलाकात की थी। हक्कानी ने कहा था कि उसकी यात्रा का मकसद पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच संबंधों को बेहतर करना है।

जामिया हक्कानिया मदरसा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगता आया है। इसी मदरसे के छात्रों पर पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की हत्या में शामिल होने का आरोप है। हालांकि मदरसे ने साफ तौर पर हमलावरों के साथ किसी भी तरह के संबंधों से इनकार किया है।

आंचलिक क्षेत्र के लोगों के जीवन पर शी चिनफिंग का विशेष ध्यान

बीजिंग, एजेंसी।
चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा था कि चीनी आधुनिकीकरण में जनकल्याण सर्वोपरि है। सत्तारूढ़ पार्टी और सरकार के सभी कार्यों का उद्देश्य जनता को बेहतर जीवन दिलाना है। वे हमेशा आम लोगों खासकर सुदूर क्षेत्र के लोगों के जीवन का विशेष ध्यान रखते हैं। शीपातुंग गांव दक्षिण चीन के हुनान प्रांत में स्थित एक पहाड़ी गांव है। नवंबर 2023 में शी चिनफिंग गरीबी उन्मूलन के निरीक्षण के लिए यहां आए थे। उस समय गांव में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय सिर्फ 1,600 युआन थी।

शी चिनफिंग ने गांववासियों के साथ बातचीत में कहा कि गरीब क्षेत्र को अपनी ठोस स्थिति के मुताबिक आय बढ़ाने का रास्ता निकालना चाहिए। यहां शी ने पहली बार लक्षित तरीके से गरीबी दूर करने का विचार रखा। शीपातुंग गांव के किसानों को शी की बात से प्रेरणा मिली। उन्होंने स्थानीय कढ़ाई व्यवसाय, कीवी उद्यान और किसान होटल का विकास किया। वर्ष 2017 में इस गांव को अति गरीबी से छुटकारा मिला और वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति आय 28 हजार युआन हो गई।

वर्ष 2018 के वसंत त्योहार के पहले शी चिनफिंग ने दक्षिण पश्चिमी चीन के सछ्वांग प्रांत के पहाड़ों में स्थित चाओछ्वए जिले का दौरा किया और स्थानीय लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चीन समाजवादी रास्ते पर चलता है। समाजवाद जनता को सुखमय जीवन दिलाता है, जिसमें एक ही जाति, परिवार व व्यक्ति पीछे नहीं रहने देना है।

वर्ष 2024 तक चीन ने 50 राष्ट्रीय आधुनिक कृषि व्यवसाय पार्क और 200 शक्तिशाली कृषि कस्बे स्थापित किए। देश में अनाज का कुल उत्पादन पहली बार 7 खरब किलोग्राम से अधिक हो गया। ग्रामीण पुनरुत्थान का नया अभियान चीन की विशाल भूमि पर चलाया जा रहा है।

चेक गणराज्य में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रासायनिक पदार्थ के कारण लगी आग

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी क्षेत्र में एक मालगाड़ी के पटरी से उतर जाने के बाद उसके क्षतिग्रस्त टैंक में रखे कैंसरकारी रासायनिक पदार्थ 'बेंजीन' के कारण आग लग गई। यह दुर्घटना शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजे 'हुस्टोपेस नाद बेकवू' शहर में स्टेशन के पास हुई और आग लगने के कारण निकला काला धुआं दूर से दिखाई दे रहा था।

दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। इस दुर्घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने बताया कि ट्रेन के 17 में से 15 टैंक में आग लग गई। प्रत्येक टैंक में लगभग 60 मीट्रिक टन जहरीला पदार्थ था। उन्होंने आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया और पड़ोसी स्लोवाकिया से उनके समकक्ष मदद के लिए पहुंच रहे हैं। प्राधिकारियों ने बताया कि शहर में खतरनाक पदार्थों का स्तर सीमा से अधिक नहीं पाया गया है, लेकिन वहां तथा आसपास के शहरों एवं गांवों के निवासियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी खिड़कियां न खोलें तथा घर के अंदर ही रहें।

रणजी फाइनल में भी करुण नायर का शतक, तोड़ रहे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड

विदर्भ (एजेंसी)। विदर्भ के बल्लेबाज करुण नायर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए रणजी ट्रॉफी फाइनल में एक और शतक जड़ दिया है। विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतक लगाकर चर्चा में आए करुण नायर का यह रणजी सीजन में चौथा शतक है। वह केरला के खिलाफ पहली पारी में केवल 27 रन ही बना पाए थे। लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने अपने बल्ले का दम दिखाया और 193 गेंदों पर 100 रन बना लिए। करुण की मदद से विदर्भ के पास टी ब्रेक तक 226 रन की लीड हो गई। अगर विदर्भ यह फाइनल जीतता है तो इसमें सबसे बड़ा योगदान करुण नायर का होगा। यह घरेलू सीजन में करुण का नौवां शतक है। उन्होंने इसका सेलिब्रेशन भी मनाया।

करुण नायर का हालिया प्रदर्शन

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 – करुण नायर ने इस टूर्नामेंट में विदर्भ के लिए कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 9 मैचों में 8 पारियों में बल्लेबाजी की और 389.50 की औसत से 779 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 1 अर्धशतक निकला। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 163* रहा। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, लेकिन फाइनल में तमिलनाडु के खिलाफ सिर्फ 27 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी टीम उपविजेता रही। इस प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 – विजय हजारे के बाद, करुण ने रणजी ट्रॉफी में भी अपनी फॉर्म बरकरार रखी। वह 9 मैचों की 16 पारियों में 55 से ज्यादा की औसत से 828 रन बना चुके हैं जिसमें 4 शतक और 1 अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 123 रहा। विदर्भ को सेमीफाइनल में पहुंचाने में उनकी 122 रनों की पारी (तमिलनाडु के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में) निर्णायक रही, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनकी कप्तानी में विदर्भ मजबूत स्थिति में है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 – शानदार प्रदर्शन के बावजूद करुण को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि टॉप ऑर्डर में जगह बनाना मुश्किल है, लेकिन अगर कोई चोटिल होता है या फॉर्म में गिरावट आती है, तो नायर पर विचार हो सकता है। इससे प्रशंसकों और कुछ विशेषज्ञों में नाराजगी देखी गई।

आईपीएल 2025 – करुण को आईपीएल 2025 की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला, जो उनके प्रशंसकों के लिए आश्चर्यजनक था। वे लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ 2023 में खेले थे, लेकिन अब तक उनकी अगली टीम की कोई खबर नहीं है। हालांकि, घरेलू क्रिकेट में उनकी फॉर्म उन्हें जल्द मौका दिला सकती है।

करुण नायर का करियर

अंतरराष्ट्रीय – करुण नायर ने भारत के लिए 6 टेस्ट और 2 वनडे खेले हैं। उनका सबसे यादगार लम्हा 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में नाबाद 303 रन की पारी थी, जिससे वे वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में था।

कुल आंकड़े (अंतरराष्ट्रीय)– टेस्ट में 374 रन (औसत 62.33), वनडे में 46 रन।

आईपीएल – 76 मैचों में 1496 रन, औसत 23.75, सर्वश्रेष्ठ 83*।

चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन, जोस बटलर ने छोड़ी कप्तानी

रावलपिंडी (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने शुक्रवार को घोषणा की कि वह कराची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी बार टीम का नेतृत्व करेंगे। बटलर ने कहा कि मैं इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ने जा रहा हूं। यह मेरे लिए और टीम के लिए सही फैसला है। उम्मीद है कि बाज (ब्रेंडन मैकुलम) के साथ कोई और आ सकता है जो टीम को वहां ले जाएगा जहां इसकी जरूरत है।

बटलर इंग्लैंड के लिए खेलना जारी रखेंगे और उन्होंने कहा कि वह वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी हावी भावनाएं उदासी और निराशा हैं। मुझे यकीन है, समय के साथ, यह बीत जाएगा और मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले सकता हूं, और (इच्छा) यह भी प्रतिबिंबित करने में सक्षम होऊंगा कि अपने देश की कप्तानी करना कितना बड़ा सम्मान है और इसके साथ आने वाली सभी विशेष चीजें।

बटलर को जून 2022 में इयोन मोर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने उस वर्ष के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीता। लेकिन लगातार तीन असफल आईसीसी आयोजनों - 2023 50 ओवर विश्व कप, 2024 टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब उनपर दबाव बन गया था। इंग्लैंड क्रिकेट के परिणामों में तेजी से गिरावट आई थी जिसका जिम्मेदार बटलर को माना गया।

बटलर ने बुधवार को अफगानिस्तान से इंग्लैंड की आठ रन से हार के बाद संकेत दिया कि वह साल 10 मैचों में नौवीं हार मिलने पर इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा था कि उन्हें सभी संभावनाओं पर विचार करने और इस पर काम करने की जरूरत है कि क्या वह समस्या का हिस्सा हैं या समाधान का। बटलर के उप-कप्तान हैरी ब्रूक उनके उत्तराधिकारी के पसंदीदा हैं।

न्यूजीलैंड 5 खब्बू बल्लेबाजों के साथ खेलेगी

शमी की जगह अर्शदीप को मिलेगा मौका

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की टीम में 5 खब्बू बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मैच में मोहम्मद शमी को पिंडली में हुई हल्की परेशानी के कारण भारतीय टीम प्रबंधन रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में इस अनुभवी तेज गेंदबाज को आराम देकर अर्शदीप सिंह को उतार सकता है। शुक्रवार को अभ्यास सत्र को संकेत माने तो पंजाब के तेज गेंदबाज अर्शदीप इस मैच में शमी की जगह खेल सकते हैं। उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल के साथ काफी अभ्यास किया और 13 ओवर डाले।

शमी ने छोटे रनअप के साथ सिर्फ छह सात ओवर फेंके। पाकिस्तान के खिलाफ 23 फरवरी के मैच में शमी को तीसरे ओवर के बाद ही फिजियो से दाहिने पैर में उपचार कराना पड़ा था। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के हावभाव से लग रहा था कि भारत सेमीफाइनल से पहले शमी को ब्रेक दे सकता है। केएल राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि विजयी संयोजन में बदलाव होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता लेकिन सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने शाम को संकेत दिया कि गेंदबाजी संयोजन में बदलाव हो सकता है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में अर्शदीप का प्रदर्शन

अर्शदीप ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में उन्होंने 8 मैचों में 17 विकेट लिए, जो किसी एक संस्करण में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड है (फजलहक फारूकी के साथ संयुक्त)। उनका औसत 12.64 और इकोनॉमी रेट 7.16 रहा। फाइनल में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए, जिससे भारत ने 169 रन का स्कोर डिफेंड किया।

अर्शदीप का वनडे प्रदर्शन

अर्शदीप ने हाल में ज्यादा वनडे नहीं खेले हैं। उनका आखिरी वनडे दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था, जहां उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट लिए थे, जिसमें एक फाइव-विकेट हॉल (5/37) शामिल था। इसके बाद से वे मुख्य रूप से टी20 पर केंद्रित रहे हैं।

स्टीव स्मिथ ने खेल भावना दिखाकर जीता दिल, आउट की कॉल ली वापस

लाहौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ ने अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेल भावना का परिचय दिया है जिसकी चौतरफा प्रशंसा हो रही है। लाहौर में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान नूर अहमद के खिलाफ रन-आउट की अपील हुई थी। लेकिन स्मिथ ने इसे वापिस लेकर सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन किया। उक्त घटना 47वें ओवर की आखिरी गेंद पर हुई जब नूर अहमद यह सोचकर क्रीज से बाहर निकल आए कि ओवर खत्म हो गया है। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जोश इंगलिस ने तुरंत बेल्स हटा दी और रन-आउट की अपील की। यह सब स्मिथ देख रहे थे उन्होंने तुरंत अंपायर से अपील रद् करने के लिए कहा। स्मिथ के इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर जमकर प्रतिक्रिया सामने आई।

● **ऐसे खेली अफगानिस्तान की टीम** – अफगानिस्तान की पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरुआत खराब रही थी। गुरबाज 0 पर आऊट हो गए। इब्राहिम जादरान ने 28 गेंदों पर 22 रन बनाए जबकि रहमत शा 12 रन बनाकर आऊट हो गए। कप्तान शाहिदी सिर्फ 20 रन बनाकर जंपा का शिकार हो गए। इस दौरान एक छोर पर खड़े सदिकुल्लाह अटल ने अजमतुल्लाह जजई के साथ मिलकर स्कोर बनाने जारी रखे।

अजय जडेजा बनेंगे PCB के चेयरमैन!

ऑफर पर क्या जवाब दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान पाकिस्तान शर्मनाक तरीके से बाहर हो चुका है. पाकिस्तानी टीम को पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रनों से करारी शिकस्त मिली थी, वहीं दूसरे मुकाबले में टीम इंडिया ने बुरी तरह हरा दिया. इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया. इस तरह बिना कोई मैच जीते ही टूर्नामेंट में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सफर समाप्त हो गया. अब टीम में कई बड़े बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है. इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन बनने का ऑफर मिला है. आपको जानकर थोड़ी हैरानी होगी, लेकिन ये सच है. अब आइये जानते हैं, उन्हें ये ऑफर किसने दिया और इस पर उनका क्या रिएक्शन था?

अजय जडेजा के जवाब से पहले ये जान लेते हैं कि ये ऑफर उन्हें कैसे मिला. दरअसल, जडेजा इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबलों की एनालिसिस के लिए डीपी वर्ल्ड के एक शो में नजर आ रहे हैं. इसी दौरान एक गजब का वाकया हुआ. एक फैन ने पूछा कि क्या कोई विदेशी चेहरा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन बन सकता है?

इस पर पाकिस्तानी दिग्गज वसीम अकरम ने सबसे पहले जवाब दिया. उनका मानना था कि ये एक ऐसा पद है, जिसको तरफ सभी का बहुत ध्यान रहता है. हर रोज प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पड़ते हैं. उन्होंने कहा 'मुझे शक है कि चेयरमैन की भूमिका के लिए बोर्ड किसी विदेशी नाम के बारे में सोचेगा.' इसके तुरंत बाद दिग्गज पाकिस्तानी गेंदबाज वकार युनुस अजय जडेजा की ओर उंगली उठाकर इशारा करते हैं, वो उन्हें इस रोल का ऑफर देते हैं. यानि इससे ये तो साफ है जडेजा को आधिकारिक तौर पर ये ऑफर नहीं मिला है. ये महज एक चर्चा का विषय था. अब जान लेते हैं कि उन्होंने इस पर क्या कहा?

पाकिस्तान की हालत देख दुखी हुए मोईन खान, बोले- इन्हें अब नई टीम बनानी होगी

कराची (एजेंसी)। पूर्व कप्तान मोईन खान ने कहा कि पाकिस्तान की मौजूदा खराब स्थिति इससे बदतर नहीं हो सकती और अब समय आ गया है कि अधिकारी क्रिकेट टीम का नए सिरे से गठन शुरू करें जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों टीम में अपनी चयन को सही साबित करना होगा। पाकिस्तान अपनी सरजमीं पर एक भी मैच जीतने में नाकाम रहने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया है। पूर्व विकेटकीपर मोईन ने कहा कि मैं आजकल कई पूर्व खिलाड़ियों की टिप्पणियां सुन रहा हूं। हम जब पहले से ही हार रहे हैं तो एक नयी टीम का गठन क्यों नहीं कर रहे हैं। हमारे लिए इससे बुरा क्या हो सकता है? हम हारेंगे लेकिन कम से कम कुछ अलग प्रयास तो करेंगे। उन्होंने कहा कि देखिए कोई यह नहीं कह रहा है कि वे अच्छे खिलाड़ी नहीं हैं। लेकिन हर खिलाड़ी को लगातार अच्छे प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह को सही साबित करनी होगी। मोईन यह मानने को तैयार नहीं थे कि देश में क्रिकेट में अच्छी प्रतिभा की कमी है. उन्होंने कहा कि हम नए खिलाड़ियों को उचित तरीके से मौका देने, तैयार करने और प्रोत्साहित करने की पूरी कोशिश नहीं करते हैं।

मेग लैनिंग का अर्धशतक, दिल्ली ने मुंबई को हराया, बनी टेबल टॉपर

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरकार अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस को 9 विकेट से हरा दिया। पहले खेलते हुए मुंबई की टीम महज 123 रन बना पाई थी। दिल्ली की ओर से जोनासन और मिन्नु मनी ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी दिल्ली ने शैफाली और मेग लैनिंग की बदौलत तेजतर्रार शुरूआत की और टीम को 14वें ओवर में जीत दिला दी। मेग लैनिंग ने 60 रन बनाए। जबकि शैफाली ने 43 तो जेमिमा ने 15 रनों का योगदान दिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में पहले नंबर पर आ गई है। उनकी 6 मैच में 4 जीत हो गई है। वहीं, मुंबई की टीम पांच मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर आ गई है। इस लिस्ट में गुजरात जायंटस अभी भी 5 में से 2 मुकाबले जीतकर आखिरी स्थान पर बनी हुई है। मेग लैनिंग अब एलिसे पैरी (835) को पछाड़कर डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई है।

आय कोई पैमाना नहीं, खेल सभी के लिए हैं

गोपीचंद के बयान पर बोले सिंधू के पिता पीवी रमन्ना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू के पिता और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी पीवी रमन्ना ने कम आय वाले परिवारों के बच्चों को खेलों में हाथ आजमाने को लेकर चल रही बहस पर कहा कि कई तरह की चुनौतियों के बावजूद वह खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने से कभी हतोत्साहित नहीं करेंगे।

खुद मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद रमन्ना ने वॉलीबॉल में देश का प्रतिनिधित्व किया और वह 1986 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। सिंधू ने भी विश्व चैंपियनशिप, दो ओलंपिक पदक समेत दुनिया भर में कई टूर्नामेंट जीतकर देश का नाम रोशन किया। रमन्ना ने इंटरव्यू में कहा, 'जब मैं तीन साल का था तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई। मैं 10 भाई-बहनों में सबसे छोटा था। लेकिन मेरे बड़े भाई-बहन मेरा समर्थन करके और मुझे राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खेलते हुए देखकर बहुत खुश थे क्योंकि उस खेल के कारण मुझे रेलवे में नौकरी मिल गई।

भारतीय वॉलीबॉल टीम में 'ब्लॉकर' की भूमिका निभाने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'ऐसे में अगर आप निम्न मध्यम वर्ग या मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखते है तो किसी भी खेल में अच्छा होना वास्तव में आपके लिए अवसर खोलता है। यह मत भूलिए कि खेल बच्चे के समग्र विकास के लिए बहुत अच्छा है।

रमन्ना कि यह टिप्पणी राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद के हालिया बयान से शुरू हुई बहस के बीच आई है। गोपीचंद ने कहा था कि मध्यम वर्ग के माता-पिता को बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने से पहले अच्छी तरह सोचना चाहिए क्योंकि जो लोग उच्चतम स्तर पर सफल नहीं होते हैं उनके पास पीछे हटने के बाद कुछ नहीं होता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारत में खेल शायद उन लोगों के लिए अधिक उपयुक्त है जो धनी परिवारों से आते हैं।

रमन्ना ने गोपीचंद के दृष्टिकोण से असहमति जताते हुए कहा कि इसमें संतुलन बनाना सफलता की कुंजी है। उनका अपना घर इसका एक आदर्श उदाहरण है। इस 61 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि उनकी बड़ी बेटी पी वी दिव्या बचपन में नेटबॉल खेलने के बाद डॉक्टर बन गई। दूसरी ओर, सिंधू ने रैकेट उठाते ही खुद को एक विलक्षण प्रतिभा के रूप में पेश किया।

उन्होंने कहा, 'प्रतिभा कभी धन की मोहताज नहीं होती है वह खुद दिख जाती है। आपको एक माता-पिता के रूप में संतुलन तलाशना होगा। जब मुझे एहसास हुआ कि मेरी बड़ी बेटी का रुझान पढ़ाई में है तो मैंने उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

शब्द कम पड़ जाएंगे... विराट के भारतीय क्रिकेट में योगदान पर बोले केएल राहुल

दुबई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को शब्दों में यह व्यक्त करना मुश्किल हो रहा है कि विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के कितने महान सेवक हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस दिग्गज खिलाड़ी के लिए कई और 'खेल और शतक' बाकी हैं। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा था जिसके बाद उनकी टी20 विश्व कप 2022 में खेली गई पारी भी चर्चा में आ गई थी। कोहली ने रन चेज में एक बार फिर से खुद को साबित किया। पाकिस्तान जब पहले 241 रन ही बना पाया तो विराट कोहली ने बिना कोई पसीना बहाए शतक लगाया और टीम इंडिया को जीत दिला दी। इस मैच में कोहली ने अपना 51वां वनडे शतक लगाया और सबसे तेज 14,000 वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच विराट का 300वां वनडे होगा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले 7वें भारतीय बन जाएंगे। इस पर राहुल ने कहा कि ऐसे बहुत सारे एकदिवसीय मैच और बहुत सारे अंतर्राष्ट्रीय खेल हैं, जहां वह रहा है। मेरा मतलब है, यह व्यक्त करने के लिए शब्द कम हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है और वह भारतीय क्रिकेट का कितना बड़ा सेवक है। हां, मुझे यह देखकर वास्तव में खुशी हुई कि उसे आखिरी गेम में भी 100 रन मिले और वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। अब समय आ गया है कि वह बड़ा शतक और मैच जीतने वाला शतक बनाए।

श्रेयस अय्यर अपने जोश के साथ वनडे क्रिकेट में वापसी कर चुके हैं। अनुभवी मध्यक्रम स्टार ने अपने दृष्टिकोण में आक्रामकता के स्पर्श के साथ मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान की है। राहुल ने कहा कि एक टीम के रूप में हम बहुत अच्छी जगह पर हैं। रोहित, शुभमन, विराट और श्रेयस अच्छी फॉर्म में हैं। श्रेयस इंग्लैंड के खिलाफ अच्छे गए। उन्होंने गेंद को बहुत अच्छी तरह से मारा। कुल मिलाकर, टीम वास्तव में अच्छी दिख रही है, और विराट स्पष्ट रूप से टीम का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विराट और रोहित सीनियर खिलाड़ी हैं और जब बड़े मैच आते हैं तो आप हमेशा उनसे आगे बढ़ने और स्कोर बनाने की उम्मीद करते हैं। और यही वे इतने सालों से करने में सक्षम हैं। तो हां, उम्मीद है कि उनके लिए कई और शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई और खेल बाकी हैं।

शमी के खिलाफ विकेट कीपिंग मुश्किल -राहुल

भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी मे खतरनाक कौन? सवाल का जवाब दिया है। बुमराह चोट के कारण चैंपियन्स ट्रॉफी मे नहीं खेल रहे है। उनकी जगह पर अर्शदीप सिंह को मौका दिया गया है। इस दौरान भारतीय टीम के लिए मोहम्मद शमी प्रभावी प्रदर्शन करते हुए नजर अ रहे है। शमी का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच मे प्रभावी हो सकते है। इस बीच राहुल ने शमी के सामने कीपिंग के अपने अनुभव और इसके साथ आने वाली चुनौतियों को साझा किया है। राहुल ने खुलासा किया कि शमी हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का एक तरीका ढूंढते है, अक्सर उन्हें फुल-लेंथ डाइव लगाने के लिए मजबूर करते है। राहुल ने बुमराह के ऊपर शमी को तवज्जो देते हुए कहा कि विकेटकीपिंग के दौरान शमी के खिलाफ मुश्किल बात यह है कि हर खेल मे – किसी न किसी तरह – वह यह सुनिश्चित करेंगे कि मै पूरी लंबाई मे गोता लगाऊं। और फिर वह मुझे स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन करने या कभी-कभी बेवकूफ दिखने के एक या दो मौके देते है। उन्होंने कहा कि शमी, जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करते है।